भारत निविदा लाईन समाचार

हिन्दी साप्ताहिक

# भारत निविदा लाईन समाचार पत्र

क्राइम की हर खबर....

■ वर्ष : 18 ■ अंक:33 ■ नई दिल्ली 23 से 29 मई 2025 ■ पृष्ठ : 08 ■ मूल्य : 02 रुपए

संदीप रेड्डी वांगा की स्पिरिट से बाहर हुई दीपिका

# देश में कोरोना के 1200 केस, अब तक 12 मौतें

● यूपी-बिहार दौरे पर पीएम मोदी के नजदीक रहने वालों के टेस्ट होंगे

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** देशभर में कोरोना वायरस के एक्टिव केसों की संख्या 1200 पहुंच गई है। महाराष्ट्र एक्टिव केसेज के मामले में दूसरे नंबर पर है। यहां 325 मरीज हैं। इनमें से 316 मरीज सिर्फ मुंबई में हैं।

इसके बाद केरल में सबसे ज्यादा 430 कोरोना पेशेंट हैं। मंगलवार को महाराष्ट्र में 66, कर्नाटक में 36, गुजरात में 17, बिहार में 5 और हरियाणा में 3 नए मामले सामने आए हैं।

नॉर्थ-ईस्ट में भी कोरोना के मामले सामने आने लगे हैं। अरुणाचल प्रदेश में मंगलवार को 2 महिलाएं कोरोना पॉजिटिव पाई गई। इनमें एक को बुखार और हल्की खांसी है, जबकि दूसरी महिला में कोई लक्षण नहीं हैं। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद में मंगलवार को 78 साल के कोरोना पॉजिटिव बुजुर्ग की इलाज के दौरान मौत हो गई। यह राज्य में कोविड के नए वैरिएंट से पहली मौत है। इसके अलावा, महाराष्ट्र, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक और मध्य प्रदेश में कुल 11 मरीजों की मौत हो चुकी है। कुल मृतक की संख्या 12 पहुंच गई है।

प्रधानमंत्री मोदी के 29-30 मई को यूपी-बिहार दौरे के मद्देनजर राज्य का स्वास्थ्य विभाग भी अलर्ट है। निर्देश दिया गया है कि पीएम के 100 मीटर के दायरे में रहने वाले सभी लोगों की कोरोना जांच होगी। जयपुर में 26 मई को कोरोना के दो मरीजों की मौत हो गई। इनमें से एक रेलवे स्टेशन पर मृत मिला था। उसकी कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। दूसरी मौत प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती 26 साल के युवक की हुई। उसे पहले से ही टीबी की बीमारी थी।

वहीं, महाराष्ट्र के ठाणे में एक कोरोना पॉजिटिव महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। ठाणे में ही 25 मई (रविवार) को अस्पताल में इलाज करा रहे 21 साल के युवक की मौत हो गई। उसका 22 मई से इलाज चल रहा था।

इससे पहले 17 मई को कर्नाटक के बेंगलुरु में 84 साल के बुजुर्ग की मौत हुई थी। स्वास्थ्य विभाग ने बताया था कि बुजुर्ग की मौत मल्टी ऑर्गन फेल्योर की वजह से हुई थी।

# ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान एयरफोर्स को 5 साल पीछे धकेला

● रिपोर्ट में दावा- भारतीय हमले के दौरान लाचार हो गई थी पाकिस्तानी वायुसेना

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने पाकिस्तान को भारी नुकसान पहुंचाया है। सबसे ज्यादा नुकसान पाकिस्तानी एयरफोर्स को हुआ है। मीडिया ने सूत्रों के हवाले से एक रिपोर्ट में बताया है कि भारत के हमले के दौरान पाकिस्तानी वायुसेना लाचार हो गई थी। उसे समझ में ही नहीं आ रहा था कि हमले का बचाव कैसे किया जाए।

पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय वायुसेना ने हवा से दागी जाने वाली क्रूज मिसाइलों, लंबी दूरी से मार करने वाले हथियारों और अलग-अलग तरह के घूमते रहने वाले हथियारों का इस्तेमाल किया। रक्षा सूत्रों के मुताबिक भारतीय वायुसेना ने लगातार चार दिन तक पाकिस्तान में बहुत सटीक हमले किए। उनके मुताबिक इस हमले से पाकिस्तान को इतना नुकसान हुआ है कि उबरने में उन्हें कम से कम 5 साल लग जाएंगे।

**भारत ने पाक एयर डिफेंस पर सबसे पहला हमला किया-** भारत-पाकिस्तान के बीच सबसे बड़ी लड़ाई 9 और 10 मई की रात को हुई, जो 10 मई दोपहर तक चली। भारत ने इस दौरान पाकिस्तान के अलग-अलग इलाकों में बने एयरबेस को निशाना बनाया। भारत ने इस दौरान यह संदेश दे दिया वह कही भी जा सकते हैं और पाकिस्तान उन्हें रोक नहीं सकता।

● **आतंकियों के ठिकानों पर हमले से शुरुआत-** भारत ने पाकिस्तान पर हमले की शुरुआत 6 और 7 मई की रात से की। भारत ने पाकिस्तान में आतंकियों के ठिकानों पर हमला किया था। इन ठिकानों में पाकिस्तान के पंजाब राज्य के बहावलपुर और मुरीदके जैसे इलाके भी शामिल थे। इसके जवाब में 8 मई की शाम को पाकिस्तान ने भारत के एयर डिफेंस सिस्टम पर हमला करने की कोशिश की। उन्होंने तुर्किये और चीन के ड्रोनों का इस्तेमाल किया, लेकिन इसमें उसे कामयाबी नहीं मिली। भारत की वायु रक्षा पूरी तरह से सक्रिय थी और छोटे हथियारों से लेकर बड़े एयर डिफेंस सिस्टम तक हर हथियार तैयार था। इन हथियारों ने पाकिस्तान के ड्रोनों को काफी नुकसान पहुंचाया।

● **भारत के हमले से कंट्रोल सेंटर से संपर्क टूटा-** 9 मई को भारतीय वायुसेना ने आक्रामक कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान के चकलाला, सरगोधा और मुरीद हवाई अड्डों पर हमला किया। इन ठिकानों पर मौजूद कमांड और कंट्रोल केंद्र (सी2 सेंटर) नष्ट कर दिए गए।

# मणिपुर में भाजपा विधायकों ने सरकार बनाने का दावा किया

● राज्यपाल के पास 10 विधायक पहुंचे, 44 के समर्थन का दावा; यहां अभी राष्ट्रपति शासन

**इम्फाल (एजेंसी)।** मणिपुर में 10 विधायकों ने बुधवार को राज्यपाल अजय कुमार भल्ला से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश किया है। इनमें 8 भाजपा, एनपीपी और निर्दलीय के एक-एक विधायक हैं। इन्होंने दावा किया है इनके पास 44 विधायकों का समर्थन है।

राज्यपाल से मुलाकात के बाद भाजपा विधायक थोकचोम राधेश्याम ने कहा, कांग्रेस को छोड़कर 44 विधायक मणिपुर में सरकार बनाने के लिए तैयार हैं। नई सरकार के गठन का विरोध करने वाला कोई नहीं है। मणिपुर विधानसभा अध्यक्ष सत्यव्रत ने 44 विधायकों से मुलाकात की है। दूसरी तरफ, विधानसभा अध्यक्ष सत्यव्रत केंद्रीय नेतृत्व के बुलावे पर दिल्ली रवाना हो गए हैं। जल्द ही सरकार बनाने पर आलाकमान का फैसला आ सकता है। मणिपुर में 60 विधानसभा सीटें हैं। सरकार बनाने के लिए बहुमत का आंकड़ा 31 है।

बीरेन सिंह ने 9 फरवरी को दिया इस्तीफा, उसके बाद राष्ट्रपति शासन- मणिपुर में 13 फरवरी से राष्ट्रपति शासन लागू है। 9 फरवरी को भाजपा सरकार का नेतृत्व करने वाले तत्कालीन सीएम एन बीरेन सिंह ने इस्तीफा दे दिया था। बीरेन सिंह पर राज्य में डेढ़ साल से ज्यादा समय तक चली हिंसा न रोक पाने के चलते काफी दबाव था।

## कर्नल सोफिया मामला- सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट को सुनवाई से रोका

**नई दिल्ली/भोपाल (एजेंसी)।** सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को कर्नल सोफिया कुरैशी पर टिप्पणी से विवादों में घिरे मध्यप्रदेश के मंत्री विजय शाह के मामले की सुनवाई हुई। जस्टिस जेजे सूर्यकांत और जस्टिस दीपांकर दत्ता की बेंच ने मामला सुना।

जस्टिस सूर्यकांत ने कहा- एसआईटी ने 21 मई को जांच की, वो बयान देने वाली जगह गई थी। मोबाइल समेत कुछ सबूत भी इकट्ठा किए गए। गवाहों के बयान लिए गए। जांच अभी शुरुआती चरण में है। हाईकोर्ट से हमारी रिक्वेस्ट है कि वो हमारे साथ-साथ सुनवाई न करे। एसआईटी ने तय तारीख को जांच रिपोर्ट पेश कर दी। एसआईटी ने कुछ और समय मांगा है। इस मामले की सुनवाई अब जुलाई के पहले हफ्ते में होगी।

## गाजा में खाने के लिए भगदड़, 3 की मौत

● 46 घायल, 7 लापता

**राफा (एजेंसी)।** गाजा के दक्षिणी शहर राफा में मंगलवार को खाना लेने पहुंचे लोगों में भगदड़ मच गई। इससे 3 लोगों की मौके पर मौत हो गई, वहीं 46 घायल हो गए। इसके अलावा 7 लोग लापता भी हैं। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक यह भगदड़ इजराइली सैनिकों के हवा में फायर करने के बाद बची। वहीं इजराइल सेना ने कहा कि उसके सैनिकों ने भीड़ को नियंत्रण में रखने के लिए चेतावनी के तौर पर गोलियां चलाई थीं।

# थरूर बोले-भारत शांति चाहता है, पाकिस्तान ऐसा नहीं होने देता

● वह उस जमीन को पाना चाहता है जो उसकी है ही नहीं

**नईदिल्ली (एजेंसी)।** पनामा के दौरे पर पहुंचे कांग्रेस नेता शशि थरूर ने कहा कि भारत अकेले शांति से जीना चाहता है, लेकिन पाकिस्तान ऐसा नहीं होने देता। उन्होंने साफ किया कि भारत युद्ध नहीं चाहता था, लेकिन आतंकवादियों को सजा दिए बिना नहीं छोड़ा जा सकता।

मीडिया के मुताबिक थरूर ने कहा कि पाकिस्तान लगातार भारत के खिलाफ आतंकी हमलों को बढ़ावा दे रहा है। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर इसलिए शुरू किया क्योंकि पाकिस्तान ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले के अपराधियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की थी।

**आतंकवाद के खिलाफ पनामा का भारत को समर्थन-** थरूर के नेतृत्व में एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल पनामा की यात्रा पर पहुंचा है। इसमें भाजपा, कांग्रेस और दूसरे दलों के सांसद भी हैं। इस यात्रा का मकसद दुनिया को भारत की आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता और सख्त रवैये का संदेश देना है।

इस मुलाकात के बाद पनामा ने भारत के समर्थन का ऐलान किया है। पनामा की असेंबली की अध्यक्ष डाना कास्टानेडा ने कहा है कि पनामा शांति के इस अभियान में भारत के साथ खड़ा होना चाहता है, और हमें उम्मीद है कि हम आतंकवाद को हरा सकते हैं।

## एक अधिकारी तीनों सेनाओं के जवानों पर एक्शन ले सकेगा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** देश में तीनों सेनाओं के जवानों पर अब एक ही अधिकारी एक्शन ले सकेगा। 27 मई से इंटर सर्विस ऑर्गनाइजेशन नियम लागू कर दिया गया है। केंद्र सरकार ने इसका नोटिफिकेशन भी जारी किया।

नए कानून बनने से इंटर सर्विस ऑर्गनाइजेशन के तहत एक कमांडर-इन-चीफ/ऑफिसर-इन-कमांड की नियुक्ति होगी। यह कमांडर सैनिकों पर कंट्रोल करने, कार्रवाई करने में सक्षम होगा। फिर सैनिक किसी भी सेना से जुड़ा हो।

**राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के बाद बन गया था कानून-** इंटर सर्विस ऑर्गनाइजेशन बिल दो साल पहले मानसून सत्र में संसद में पेश और पारित किया गया था। 15 अगस्त 2023 को राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के बाद इसे 10 मई 2024 से लागू किया गया। सरकार ने बुधवार को नए नियमों को भी आधिकारिक रूप से राजपत्र के माध्यम से अधिसूचित (गजटेड) कर दिया गया है।

# किसानों को मोदी सरकार का तोहफा अब फसलों की ज्यादा कीमत मिलेगी

● धान समेत 14 फसलों की एमएसपी में बढ़ोतरी, किसान क्रेडिट कार्ड पर कम ब्याज में मिलेगा लोन

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** केंद्र सरकार ने धान, कपास, सोयाबीन, अरहर समेत खरीफ की 14 फसलों की मिनिमम सपोर्ट प्राइस (एमएसपी) बढ़ा दी है। केंद्रीय कैबिनेट ने आज यानी 28 मई को यह फैसला लिया। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि धान की नई एमएसपी 2,369 रुपए तय की गई है, जो पिछली एमएसपी से 69 रुपए ज्यादा है। कपास की नई एमएसपी 7,710 रुपए तय की गई है। इसकी एक दूसरी किस्म की नई एमएसपी 8,110 रुपए कर दी गई है, जो पहले से 589 रुपए ज्यादा है। नई एमएसपी से सरकार पर 2 लाख 7 हजार करोड़ रुपए का बोझ पड़ेगा। यह पिछले फसल सीजन की तुलना में 7 हजार करोड़ रुपए ज्यादा है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि एमएसपी फसल की लागत से कम से कम 50 प्रतिशत ज्यादा हो, इस बात का ध्यान रखा गया है।

**क्या है एमएसपी या मिनिमम सपोर्ट प्राइस-** मिनिमम सर्पोट प्राइस यानी न्यूनतम समर्थन मूल्य वो गारंटीड मूल्य है जो किसानों को उनकी फसल पर मिलता है। भले ही बाजार में उस फसल की कीमतें कम हो।

## जस्टिस वर्मा के खिलाफ सरकार महा अभियोग ला सकती है

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** कैश कांड मामले में जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ केंद्र सरकार संसद में महा अभियोग प्रस्ताव लाने पर विचार कर रही है। मीडिया ने सरकार से जुड़े सूत्रों के हवाले से बताया कि 15 जुलाई के बाद शुरू होने वाले मानसून सत्र में यह प्रस्ताव लाया जा सकता है। हालांकि सरकार अभी इस बात का इंतजार कर रही है कि जस्टिस वर्मा खुद इस्तीफा दे दें।

दरअसल, जस्टिस वर्मा के लुटियंस दिल्ली स्थित घर में 14 मार्च की रात आग लगी थी। उनके घर के स्टोर रूम से 500-500 रुपए के जले नोटों के बंडलों से भरे बोरे मिले थे। जिसके बाद उन्हें इलाहाबाद हाईकोर्ट ट्रांसफर कर दिया गया था।

22 मार्च को इस मामले में तत्कालीन सीजेआई ने जांच समिति बनाई थी। कमेटी ने 3 मई को रिपोर्ट तैयार की और 4 मई को सीजेआई को सौंपी थी। कमेटी ने जस्टिस वर्मा के खिलाफ आरोपों को सही पाया और उन्हें दोषी ठहराया था।

# भारत में बने कावेरी इंजन की रूस में फ्लाइंग टेस्टिंग

● लंबी दूरी के स्टेल्थ ड्रोन में इस्तेमाल होगा, छोटे फाइटर प्लेन में भी लगाने का प्लान

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत में बने कावेरी जेट इंजन की फ्लाइंग टेस्टिंग डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन (डीआरडीओ) रूस में कर रहा है। ये रियल सिचुएशन में इंजन की कैपेसिटी आंकने के लिए अहम है।

अधिकारियों ने बताया इंजन पर करीब 25 घंटे का परीक्षण होना बाकी है। स्लॉट मिलने पर टेस्टिंग की जाएगी। इसकी कैपेसिटी शोकेस के लिए इसे एक लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) में लगाने का प्लान है। शुरुआत में कावेरी इंजन को तेजस जैसे स्वदेशी एलसीए में लगाने का प्लान था, लेकिन प्रोग्राम में देरी के चलते तेजस में अमेरिकी इंजन GE-404 लगाया गया। इस इंजन को अब भारत में बने लंबी दूरी के घातक अनमैंड एयर व्हीकल यानी स्टेल्थ ड्रोन की पावर बढ़ाने के लिए फिर से तैयार किया जा रहा है। जेट इंजन की टेस्टिंग की सुविधाएं भारत में नहीं है, इसलिए भारत को टेस्टिंग के लिए रूस पर निर्भर रहना होता है।

**एमएमसीए के लिए पावरफुल इंजन बनाने की तैयारी-** कावेरी 80 किलो न्यूटन (केएन) थ्रस्ट (पावर) वाला एक लो बाईपास, ट्विन स्पूल टर्बोफैन इंजन है। बेहतर मैनुअल कंट्रोल के लिए इसमें ट्विन-लेन फुल अथॉरिटी डिजिटल इंजन कंट्रोल सिस्टम लगाया गया है। हाई स्पीड और हाई टेम्प्रेचर के दौरान इंजन का पावर लॉस कम करने के लिए इसे फ्लैट-रेटेड डिजाइन किया गया है। इस तकनीक में इंजन की थ्रस्ट लिमिट उसके मैक्सिमम पॉइंट से कम पर फिक्स कर दी जाती है।

**सिर्फ 4 देशों के पास फाइटर जेट इंजन बनाने की तकनीक-** दुनिया में पहली बार साल 1930 में जेट इंजन का पेटेंट कराया गया था। 95 साल बाद भी दुनिया के सिर्फ चार देश अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और रूस ही लड़ाकू विमान के इंजन बना पाते हैं। चीन ने कुछ जेट इंजन जरूर बनाए हैं, लेकिन वो भी नकल यानी रिवर्स इंजीनियरिंग करके। आज भी चीन अपने लड़ाकू विमानों के लिए इंजन रूस से लेता है। लड़ाकू विमान का इंजन बनाना कितना पेचीदा है, इसे हम सबसे ज्यादा उड़ान भरने वाले बोइंग 747 जैसे नागरिक विमान के इंजन से समझ सकते हैं। इसके एक इंजन में 40 हजार कलपुर्जे होते हैं। यह 1400 डिग्री सेल्सियस तक गर्म हो जाता है। वहीं, लोहा पिघलने के लिए 1538 डिग्री सेल्सियस तापमान की जरूरत होती है।

# छत्तीसगढ़-ओडिशा में मानसून की एंट्री, 17 राज्य कवर किए

● मुंबई में तेज बारिश जारी, एमपी-बिहार के 52 जिलों में आंधी-पानी का अलर्ट

**नई दिल्ली/रायपुर/भोपाल (एजेंसी)।** देश में 17 राज्यों में मानसून की एंट्री हो चुकी है। बुधवार को छत्तीसगढ़ और ओडिशा में बारिश शुरू हो गई है। छत्तीसगढ़ में पिछले 5 दिन में 111 इंच (2840 एमएम) से ज्यादा बारिश हो चुकी है। यह मई में होने वाली सामान्य बारिश से करीब 6 गुना ज्यादा है। सामान्य तौर पर मई में 430 से 450 एमएम तक ही बरसात होती है।

मुंबई में बुधवार को जमकर बारिश हो रही है। ठाणे भी तेज बारिश जारी है। इधर, जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में मंगलवार को तेज बारिश हुई। कई इलाकों में ओले भी गिरे। ओडिशा में मानसून आज एंट्री कर सकता है। सरकार ने जिलों प्रशासन को अलर्ट पर रखा है। पूरे राज्य में भारी बारिश का अलर्ट है।

मध्यप्रदेश के 15 से ज्यादा जिलों में मंगलवार को बारिश हुई। आज भी भोपाल, इंदौर-उज्जैन समेत 40 जिलों में तेज आंधी के साथ बारिश की चेतावनी है।

# महाराष्ट्र: शिरपुर की जनता की बदहाली की कोई नहीं ले रहा खबर

**प्रमोद विजय जमादार**

**महाराष्ट्रः** शिरपुर शहर की कहानियां अब धीरे-धीरे लोगों के आश्चर्य में जा रही हैं। कोई भी मारिजुआना, शराब, आत्मा, सट्टा, पता क्लबों के बढ़े हुए प्रस्थान को रोक नहीं सकता है। अधिकारियों ने अवैध व्यवसाय पर कार्रवाई नहीं करने के कारणों को अच्छी तरह से जाना जाता है। अलग-अलग मीडिया में लाखों बार थे। प्रशासन लोगों की मानसिकता बनाने में सफल रहा है जब तक कि दिन नहीं जानता कि अवैध व्यवसाय बंद है। बेशक, अवैध व्यवसाय आज कोई बात नहीं है। लेकिन अगर आम जनता को छोटी और छोटी सुविधाओं के बारे में प्रशासन से पहले सिर को तोड़ना पड़ता है, तो एक समान प्रश्न किसके पास है? शिरपुर के लिए बस स्टैंड, जिसे शिरपुर शहर के रूप में जाना जाता है, अदालत के लिए मुख्य सड़क अतिक्रमण से घिरा हुआ है।

सालों से इसमें एक चिल्लाया गया था। उसके बाद, एक्शन का खेल खड़ा है। फिर कुछ दिनों का अनुशासन लगता है। और फिर से एक ही बात अब तक 'द फर्स्ट बीस-फाइव' के रूप में हुई है। शिरपुर बाजार की मुख्य पहचान को मिटा दिया गया है और ट्रेनों द्वारा हर बोतल को अतिक्रमण किया गया है। उन पर उनका कोई नियंत्रण नहीं है। लेकिन सभी को लगता है कि सड़क मुक्त है, लेकिन शिरपुर कर ऐसी स्थिति में फंस गया है जहाँ किसी के पास कोई उत्तर नहीं है।

शिरपुर सिटी हिल्स में स्थित है। इसलिए, निचले गाँव और ऊपरी गाँव को दो सीधे क्षेत्रों में विभाजित किया गया है। अब इसने नए कॉलोनी क्षेत्र में जोड़ा है। कॉलोनी की शुरूआत से, सभी बाहरी व्यापारियों ने हथियारों पर अतिक्रमण किया है। उनकी खुशी यह है कि अतिक्रमण आधिकारिक है। इसलिए, अतिक्रमण की समस्या आज खत्म हो गई है। व्याख्या करना। प्रशासन के लिए कार्रवाई करने का कोई कारण नहीं है क्योंकि निवासियों और नागरिकों ने ऐसी मानसिकता बनाई है! इतने-बड़े देशभक्त जो देश, राष्ट्र में लगातार गर्जना कर रहे हैं, महाराष्ट्र को एक बार-साथ पारंपरिक अतिक्रमणों की गिनती करने की कोशिश करनी चाहिए!

मूल रूप से शिरपुर शहर की पहचान गुलजार बाजार से बनाई गई है। शहर में प्रवेश करने के बाद, बस स्टेशन से शिरपुर कोर्ट तक सीधा राज-पथ। उस सड़क का महत्व अद्वितीय है। इस सड़क पर अरबों व्यवसाय हैं। बाजार की स्थायी पूंजी के कारण पूरे बाजार में खुश। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में, शेठ लोगों की एक तस्वीर है जो बाजार की दुकान पर बैठे हैं। ग्राहकों को आने वाले दिन का इंतजार करना होगा। इसके पीछे के कारणों को व्यापारियों द्वारा खोजा जाना चाहिए। अचानक और अप्रत्याशित रूप से बाजार में मुख्य सड़क हथकड़ी के हथकड़ी गिर गई। बाजार में कम दुकानें और हथकड़ी से अधिक। उसे गंभीरता से सोचा जाना चाहिए कि उसके लिए कौन जिम्मेदार है।

शिरपुर बस स्टेशन ने उस क्षेत्र को छोड़ दिया जब कुछ दूरी पर कालीपिली ढलान बाईं ओर। वाहनों को सड़क पर पार्क किया जाता है। अगर कोई इसके बारे में बात करता है, तो आपको पीड़ित होना होगा। वहाँ से अगला वर्ग गुजराती परिसर है। इस वर्ग में हमेशा एक यातायात होता है क्योंकि चाउ के साथ सड़कें होने की उम्मीद है। लेकिन ऐसा नहीं होता है। कुछ समय या दो, लोगों का अनुमान है कि 'मार्च एंडिंग' की वसूली शुरू हो गई है। पुलिस के वहां होने का कोई कारण नहीं है। यातायात की भीड़ अब एक सार्वजनिक उपस्थिति है। वहाँ से, शिरपुर के नाम से जुड़ने वाली जीत चोओ के साथ अतिक्रमण से घिरी हुई है। हथकड़ी पर एक नजर डालें। क्या अधिक है, विजय स्तंभ के बैनर के साथ उस पर अतिक्रमण की दुर्भाग्यपूर्ण तस्वीर वर्षों से लोगों के लिए देख रही है। यदि अतिक्रमण धारक तय करते हैं, तो वे जीत के ऊपरी छोर पर अतिक्रमण नहीं कर पाएंगे। यह असंभव नहीं है अगर नगरपालिका अतिक्रमण धारकों को जीत की ऊंचाई प्रदान करती है। किसी को संदेह नहीं है कि नगरपालिका उस शिष्टाचार को दिखा सकती है! नगरपालिका सभी चार पक्षों पर अतिक्रमण नहीं देखती है, लेकिन विजय स्तंभ के शीर्ष पर अतिक्रमण अधिकारी यह स्वीकार नहीं करेगा कि यह किया गया है। यह छिपा नहीं है कि नगरपालिका अतिक्रमण धारकों का पीछा कर रही है।

विजयस्तंभ चौक को पचकनिल के नाम से भी जाना जाता है। इस वर्ग में, एक सड़क अनाज बाजार में जाती है। शिरपुर कोर्ट के लिए एक सड़क और भगवान बालाजी के मंदिर के लिए एक सड़क। भगवान बालाजी की शिरपुर में बहुत अनुग्रह है। तो दो बालाजी मंदिर हैं। लेकिन भक्त मंदिर में जा रहे हैं, कोई भी सड़क पर अतिक्रमण नहीं देख सकता है। भगवान की यात्रा करने के लिए जाने वाले भक्त अतिक्रमण के लिए एक बाधा हैं। शिरपुर नगर पालिका को आज या कल अपना पाप झेलना होगा। बेशक, नगरपालिका के पापी उनमें से केवल एक हैं! अनाज बाजार के लिए कोई अलग स्थिति नहीं है। शिरपुर में किसी भी सड़क पर कोई वाहन नहीं होगा। पचकांडिल चौक में यातायात की भीड़ शिरुर प्रशासन के संदर्भ में एक समस्या नहीं है। 'हम्माम उप-एननस।' शिरपुकर की आंखें और अंधे, कान और बहरे और मुंह हैं। यह कहना गलत नहीं होगा कि लोग दो या चार दिनों तक चीखते रहेंगे और ट्रेन उनके इरादों में सफल रही होगी क्योंकि अतिक्रमण धारकों और नगरपालिका ने इस धारणा को लिया है कि वे बैठेंगे! ढाँाँ१ क्षेत्र से एक पैदल यात्री के साथ प्रतीक्षा करना घास में एक सुई खोजने जैसा है! किसको यदि आप अतिरंजित महसूस करते हैं, तो उन्हें 5 मिनट में लालबाग परिसर में भैरव मंदिर को पार करते हुए उन्हें दिखाना चाहिए! विशेष रूप से, कानून और आदेश की मांग करना हास्यास्पद होगा क्योंकि पंचंडिल चौक में दो-शाखाओं पर यातायात को हवलदार के सामने अतिक्रमण करने के लिए फर्श पर चला गया है!

### 13 पुरकाजी विधानसभा की समीक्षा बैठक हुई संपन्न

## 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर हुआ मंथन

**विजय कुमार**

**उत्तर प्रदेशः** 13 पुरकाजी विधानसभा क्षेत्र में आगामी विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर संगठन की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता विधानसभा प्रभारी एवं उत्तर प्रदेश प्रदेश सचिव श्री जयपाल सैनी ने की।

बैठक में संगठन की वर्तमान स्थिति, आगामी रणनीति और बूथ स्तर तक संगठन को सशक्त करने पर गहन चर्चा की गई। प्रदेश सचिव श्री सैनी ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आगामी चुनाव के लिए अभी से ही तैयारियां शुरू कर दी गई हैं, और संगठन की मजबूती ही सफलता की कुंजी है।

इस अवसर पर कई प्रमुख नेता उपस्थित रहे, जिनमें जिला अध्यक्ष जिया चौधरी, पूर्व सांसद कादिर राणा, पूर्व लोकसभा प्रत्याशी जसवीर वाल्मीकि, प्रदेश सचिव इलम सिंह गुर्जर, विधानसभा अध्यक्ष सत्यवीर त्यागी, एवं नगर अध्यक्ष अफजल प्रमुख रहे।

बैठक में भारी संख्या में संगठन के कार्यकर्ता मौजूद रहे, जिनमें युवाओं और महिलाओं की भागीदारी उल्लेखनीय रही। कार्यकताओं ने अपने-अपने क्षेत्र की समस्याओं और संगठनात्मक गतिविधियों पर विचार रखते हुए आगामी चुनाव में संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

बैठक का उद्देश्य विधानसभा स्तर पर संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा कर उन्हें और अधिक प्रभावी बनाना था, ताकि 2027 के चुनाव में पार्टी एक मजबूत विकल्प बनकर उभरे।

## कटिहार के अमदाबाद विद्यालय परिसर की सुरक्षा को लेकर चारदीवारी निर्माण का हुआ शिलान्यास

**एमडी फिरोज आलम**

**बिहारः** कटिहार जिले के अमदाबाद प्रखंड अंतर्गत नगर पंचायत स्थित वार्ड संख्या 15 के मायामारी गांव में मुख्यमंत्री क्षेत्र विकास योजना के तहत प्राथमिक विद्यालय की चारदीवारी निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया।

इस योजना की अनुमानित लागत ?9,28,000 है। कार्य की शुरूआत 12 मार्च 2024 को हुई थी, जिसे आगामी चार माह के भीतर पूर्ण किया जाना है।

इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक मनोहर प्रसाद सिंह ने विधिवत शिलापट्ट का अनावरण कर निर्माण कार्य का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में स्थानीय वार्ड पार्षद एवं जनप्रतिनिधि निरंजन महलदार की भी अहम भूमिका रही, जिन्हें इस कार्य की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

विधायक श्री सिंह ने कहा कि विद्यालय परिसर की सुरक्षा और छात्रों को बेहतर शैक्षणिक माहौल देने के उद्देश्य से यह कार्य कराया जा रहा है। उन्होंने कार्य की गुणवत्ता और समयबद्ध पूर्णता का भरोसा भी दिलाया।

स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे विद्यालय की सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ होगी और शिक्षा का माहौल और भी बेहतर बनेगा।

## 8326 ग्राम पंचायतों के लिए 22 जून को होगा चुनाव, 9 जून तक होंगे नामांकन दाखिल

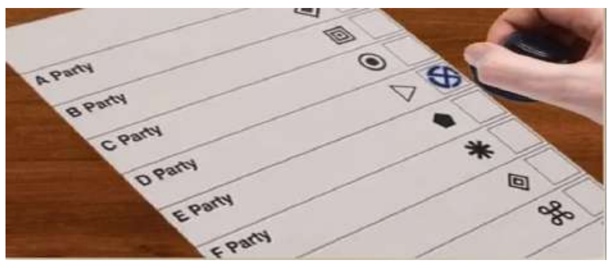


**राजपूत रणजीत**

**गुजरातः** गुजरात में 8326 ग्राम पंचायतों के लिए 22 जून को चुनाव, 9 जून तक नामांकन दाखिल किए जा सकेंगे, 25 जून को मतगणना होगी; आचार संहिता का क्रियान्वयन आज से शुरू।

अंततः गुजरात में 8326 ग्राम पंचायतों के चुनाव की तारीखों की घोषणा कर दी गई है। लंबे समय से लंबित ग्राम पंचायत चुनावों, जिनकी अवधि समाप्त हो चुकी है, की तारीखों की घोषणा कर दी गई है। कार्यकाल समाप्त हो चुका है और काफी समय हो गया है।

लंबित ग्राम पंचायत चुनावों की तारीखों की घोषणा कर दी गई है। 9 जून तक दाखिल किए जा सकेंगे नामांकन, 10 जून को होगी जांच, 25 जून को होगी मतगणना; आचार संहिता का क्रियान्वयन आज से शुरू।

## सफलता की नींव है 'व्यवस्थित जीवन', 'चीजों को उनकी जगह पर रखने' की छोटी सी आदत लाएगी जीवन में बड़े बदलाव

**राजपूत रणजीत**

**गुजरातः** अच्छी आदतें छोटी-छोटी अच्छी आदतें होती हैं, जो धीरे-धीरे आपकी पूरी जीवनशैली बदल देती हैं। आज हम एक बहुत ही साधारण आदत के बारे में बात करेंगे, जिसे लोग अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं, वह है किसी भी चीज का इस्तेमाल करने के बाद उसे वापस उसी स्थान पर रख देने की आदत... सफलता के लिए एक व्यवस्थित जीवन महत्वपूर्ण है। चीजों को उनकी जगह पर रखने की छोटी सी आदत जीवन में बड़े बदलाव ला सकती है। यह आदत समय प्रबंधन, तनाव कम करने और समग्र जीवनशैली में सुधार करने में मदद करती है।

अच्छी आदतें धीरे-धीरे हमारी जीवनशैली को बदल देती हैं। चीजों को उनकी जगह पर रखने की आदत समय प्रबंधन में मदद करती है, क्योंकि इससे चीजों को ढूंढने और समय बचाने का समय मिलता है। यह तनाव भी कम करता है, क्योंकि जब चीजें व्यवस्थित होती हैं, तो अनिश्चितता और तनाव कम हो जाता है।

यह आदत आपके जीवन के विभिन्न पहलुओं में भी सुधार करती है, जैसे किः

समय प्रबंधनः

व्यवस्थित रहने से आप अपने समय का अधिक प्रभावी ढंग से उपयोग कर सकते हैं।

तनाव में कमीः

जब चीजें व्यवस्थित होती हैं, तो आपको पता होता है कि क्या उम्मीद करनी है, जिससे तनाव कम होता है।

उत्पादकता में वृद्धिः

व्यवस्थित रहने से चीजों को ढूंढने और समय बचाने का समय मिलता है, जिससे आपकी उत्पादकता में वृद्धि होती है।

स्वस्थ जीवनशैलीः

व्यवस्थित रहने से आपको स्वस्थ भोजन करने, व्यायाम करने और पर्याप्त नींद लेने के लिए अधिक समय मिलता है, जो एक स्वस्थ जीवनशैली के लिए आवश्यक है।

# पथरी के इन 7 लक्षणों को न करें नजरअंदाज

### हाइड्रेशन और हेल्दी फूड से कम होगा जोखिम, बचने के 7 आसान उपाय

**राजपूत रणजीत**

**गुजरातः** तेजी से बढ़ते तापमान के साथ भारत में गुर्दे की पथरी के मामले भी बढ़ रहे हैं। एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ नेफ्रोलॉजी एंड यूरोलॉजी (एआईएनयू) के अनुसार, तेलंगाना में हर दिन करीब 300-400 मरीज गुर्दे की पथरी की शिकायत लेकर आ रहे हैं, जो लगभग 1.5 करोड़ है। गुर्दे की पथरी से बचने के लिए हाइड्रेटेड रहना, संतुलित आहार लेना और कुछ खाद्य पदार्थों से परहेज करना जरूरी है। बढ़े हुए तापमान के साथ, गुर्दे की पथरी के मामले बढ़ रहे हैं, इसलिए इन लक्षणों को नजरअंदाज न करें।

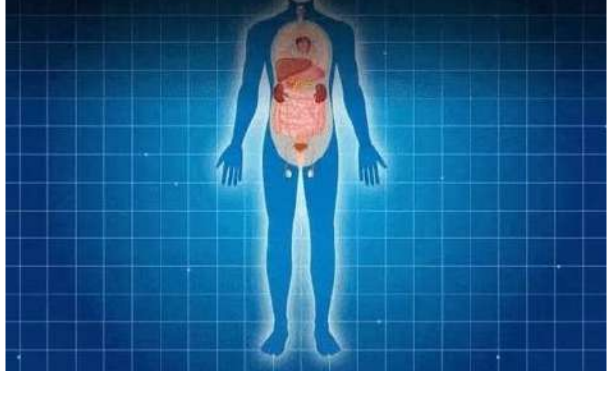

गुर्दे की पथरी के कुछ सामान्य लक्षणः

पीठ के निचले हिस्से, बगल या पेट में तेज दर्द।

पेशाब करते समय जलन या दर्द।

पेशाब में खून।

बार-बार पेशाब जाने की इच्छा।

उल्टी या मतली। हाइड्रेशन और हेल्दी फूड से कम होगा जोखिम, बचने के 7 आसान उपाय हाइड्रेटेड रहने और स्वस्थ भोजन का सेवन करके, आप कई स्वास्थ्य जोखिमों को कम कर सकते हैं। इसके लिए 7 आसान उपाय हैं: अधिक पानी पिएं, पानी से भरपूर खाद्य पदार्थ खाएं, मीठे पेय पदार्थों से बचें, सभी भोजन में सब्जियां और फल शामिल करें, प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करें, नियमित रूप से व्यायाम करें, और पर्याप्त नींद लें।

हाइड्रेशन के लिए 7 आसान उपायः

1. अधिक पानी पिएंः

हर दिन 6-8 गिलास पानी पीने का लक्ष्य रखें।

2. पानी से भरपूर खाद्य पदार्थ खाएंः

तरबूज, खीरा, संतरा और पत्तेदार सब्जियां जैसे खाद्य पदार्थों का सेवन करें।

3. मीठे पेय पदार्थों से बचेंः

सोडा, जूस और मीठे पेय पदार्थों का सेवन कम करें।

4. नारियल पानी पिएंः

नारियल पानी इलेक्ट्रोलाइट्स का एक अच्छा स्त्रोत है और शरीर को हाइड्रेटेड रखने में मदद करता है।

5. आराम करेंः

जब आप थक जाते हैं, तो आराम करना या सोना सबसे अच्छा उपाय है।

6. अपनी दिनचर्या में हाइड्रेशन को शामिल करेंः

सुबह उठते ही एक गिलास पानी पिएं, हर भोजन के बाद एक गिलास पानी पिएं, और व्यायाम से पहले और बाद में पानी पिएं।

7. दवाओं की निगरानी करेंः

कुछ दवाएं (जैसे मूत्रवर्धक) शरीर से तरल पदार्थ निकालने का कारण बन सकती हैं। अपने डॉक्टर से अपनी दवाओं के बारे में पूछें।

स्वस्थ भोजन के लिए 7 आसान उपायः

1. हर भोजन में सब्जियां और फल शामिल करेंः

अपनी प्लेट का आधा हिस्सा फलों और सब्जियों से भरें।

2. प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करेंः

अपने आहार में मांस, मछली, मुर्गी, अंडे, दाल, फलियाँ, मेवे और बीज शामिल करें।

3. नियमित रूप से व्यायाम करेंः

हर दिन कम से कम 30 मिनट के लिए व्यायाम करें।

4. पर्याप्त नींद लेंः

हर रात 7-8 घंटे की नींद लें।

5. तनाव कम करेंः

योगा, ध्यान, या अन्य तनाव कम करने वाली गतिविधियों का अभ्यास करें।

6. ताजा और स्वस्थ भोजन खाएंः

जंक फूड से बचें और ताजा, स्वस्थ भोजन खाएं।

7. स्वस्थ खाद्य पदार्थों को चुनेंः

मीठे खाद्य पदार्थों से बचें, साबुत अनाज का सेवन करें और फल, सब्जियां और प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करें।

इन आसान उपायों को अपनी दिनचर्या में शामिल करके, आप अपने स्वास्थ्य में सुधार कर सकते हैं और विभिन्न स्वास्थ्य जोखिमों से बच सकते हैं।

## एक नजर

### उत्तर प्रदेश: झाँसी में कमीशनखोरी में राजव्य का हुआ बड़ा नुकसान

**उत्तर प्रदेशः** झाँसी जनपद के बबीना ब्लॉक के गांव लाहर ठकुरपुरा में डाली जा रही डामर सड़क भी बड़ी कमीशनखोरी का हिस्सा बनी हुई है, जहां वह सड़क को पैरों से उखाड़ा गया। आखिर पीडब्ल्यूडी के अधिकारी भी कमीशनखोरी से सरकार की मंशा पर पानी फेर रहे हैं।

गजब की घूसखोरी के आगे भी जांच नहीं हो पा रही है। अब बात करें झाँसी जिला अधिकारी महोदय से, आग्रह है कि आप जिले के मालिक हैं। कहीं पीडब्ल्यूडी के यहां से कोई भी ठेका निकले, उसकी जांच न तो पीडब्ल्यूडी के अधिकारी से करवाएं और न ही जेई से, क्योंकि ठेकेदार जब ठेका लेता है।

उसी दिन से कमीशन और घूसखोरी चालू हो जाती है। लेकिन महोदय, आपके द्वारा जांच हो गई तो ठेकेदार ब्लैक लिस्ट होना तय है और घूसखोर अधिकारी पर भी कार्रवाई हो जाएगी। नई सड़क के निर्माण में हो रही हेरा-फेरी आखिर कौन जिम्मेदार लोग हैं, जिसके इशारे पर सब हो रहा है। एक तरफ सरकार सुशासन का दावा करती है, दूसरी ओर ये सब हो रहा है।

### उत्तर प्रदेश: कैसरगंज के सांसद करण भूषण सिंह ने की चिकित्सालय में भ्रष्टाचार की शिकायत

**अश्वनी कुमार त्रिपाठी**

**उत्तर प्रदेशः** अयोध्या जिला चिकित्सालय अयोध्या के चिकित्सा अधीक्षक डा. विपिन वर्मा को अधीक्षक पद से हटा दिया गया है। अपर निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण डा. एपी भार्गव ने जिला चिकित्सालय में तैनात लेबल तीन के चिकित्सक डा. अजय कुमार चौधरी को नया चिकित्सा अधीक्षक नियुक्त किया है। डा. अजय चौधरी वरिष्ठता क्रम में सीनियर हैं। इसके अलावा, डा. विपिन वर्मा काफी लंबे समय से जिला अस्पताल में मलाईदार पद पर जमे हैं। उन पर कई बार भ्रष्टाचार के आरोप लग चुके हैं।

### उत्तर प्रदेश: 12 बीघा जमीन बनी रिटायर्ड अमीन की हत्या का कारण

**अश्वनी कुमार त्रिपाठी**

**उत्तर प्रदेशः** अयोध्या तारून पुलिस ने हत्या का खुलासा किया। मुख्य अभियुक्ता कृष्णावती और उसके बेटे के दोस्त आलोक तिवारी को गिरफ्तार किया गया। कृष्णावती के बेटे अरविंद यादव और उसके दोस्त आदर्श सिंह को कस्टडी में लेकर पुलिस पूछताछ कर रही है।

19 मई को ट्यूबवेल पर सोते समय कर्मराज यादव की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई थी। एसएसपी डा. गौरव ग्रोवर के मुताबिक, कृष्णावती के ससुर से कर्मराज यादव ने 12 बीघा जमीन का बैनामा करवा लिया था। इसी 12 बीघा जमीन में हिस्सा मांग रही थी कृष्णावती। हिस्सा न देने पर हत्या का प्लान बनाया गया। 19 मई को ट्यूबवेल पर सोते समय कर्मराज यादव की हत्या कर दी गई। पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार करते हुए आला कत्ल बरामद किया।

### राजस्थान: भारी बारिश के साथ हवा की तेजी के कारण उड़े टोल टैक्स के चद्दर, लगभग 50 फीट दूर जाकर गिरे

**सुनील कुमार रेगर**

**राजस्थानः** भारी बारिश के कारण जीवालिया कांवरिया टोल टैक्स हाईवे, जो कि भीलवाड़ा से ब्यावर का रास्ता है, इस बीच में बने हैं। टोल टैक्स आज भारी हवा के कारण और तेज बारिश के साथ टोल टैक्स के उड़े चादर लगभग 50 फीट दूर जाकर गिरे। एक वाहन चपेट में आया, वह शक्तिग्रस्त हो गया।

चपेट में आने से कोई जनहानि नहीं हुई है। वहां पूरी तरह से सत्याग्रह हो गया। हवा इतनी तेज थी कि पूरे टोल टैक्स पर लगे कंस्ट्रक्शन को अपने साथ उड़ा ले गई और टोल टैक्स पर लगे कर्मचारियों में मच गई कि अचानक हुआ क्या। टोल टैक्स के रास्ते सारे खोल दिए गए। हाईवे की एंबुलेंस मौके पर पहुंची।

### गुजरात: मोटी नंदुकन पंचायत समाज घर का उद्धाटन हुआ सम्पन्न

**डामोर खाटूभाई जोखनाभाई**

**गुजरातः** दाहोद जिला के फतेपुरा तालुका स्थित मोटी नंदुकन गांव में नवनिर्मित पंचायत समाज घर का उद्घाटन दिनांक 29, गुरुवार को भव्य समारोह के साथ सम्पन्न हुआ। यह समाज घर फतेपुरा फॉरेस्ट विभाग द्वारा निर्मित किया गया है, जिसमें पर्यावरण संरक्षण की दिशा में पहल करते हुए वृक्षारोपण भी किया गया।

समाज घर का उद्घाटन एवं रिबन काटने का शुभ कार्य माननीय विधायक श्री रमेशभाई कटारा द्वारा किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के कई प्रतिष्ठित नागरिक, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। समारोह के दौरान ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह समाज घर स्थानीय समाज की गतिविधियों, बैठकों और सामूहिक आयोजनों के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा।

### गांधीनगर के राजपूत सामुदायिक संगठनों ने महाराणा प्रताप की जयंती पर निकाला जुलूस

**गुजरातः** गांधीनगर के सभी राजपूत सामुदायिक संगठनों द्वारा महाराणा प्रताप की जयंती के उपलक्ष्य में एक जुलूस (महारैली) का आयोजन किया गया है। इस भव्य रैली को पूर्व मुख्यमंत्री शंकरसिंह वाघेला और पूर्व शिक्षा मंत्री भूपेन्द्रसिंह चूडासमा ने सेक्टर-12 स्थित राजपूत भवन से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जो पथिकाश्रम, डी-5, डी-6 और डी-7 से होते हुए पेथापुर में महाराणा प्रताप चौक पहुंचेगी। बाइक और कारों ने निकाली रैली। रैली का समापन उद्योग एवं खान मंत्री बलवंतसिंह राजपूत एवं बीजापुर विधायक डॉ. सी.जे. चावड़ा द्वारा किया जाएगा। इस रैली में बड़ी संख्या में राजपूत समुदाय के लोगों ने भाग लिया।

# उत्तर प्रदेश: भारत विकास परिषद ग्रेटर का 23वां अधिष्ठापन समारोह हुआ संपन्न

**घनश्याम दास**

**उत्तर प्रदेश:** सहारनपुर ओएसिस होटल दिल्ली रोड सहारनपुर में भारत विकास परिषद ग्रेटर का अधिष्ठापन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रांतीय अध्यक्ष श्री सरल माधव जी ने अध्यक्षता की और प्रांतीय सचिव श्री अरुण खंडेलवाल जी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। प्रांतीय वितरक सचिव श्री अतुल अग्रवाल जी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में नए पदाधिकारी नियुक्त किए गए, जिनमें पंकज गोयल (अध्यक्ष), अतुल जैन (सचिव), और सचिन विक्रांत जैन (कोषाध्यक्ष) शामिल हैं। रिशु गुप्ता को महिला सहभागिता की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

नवनियुक्त अध्यक्ष श्री पंकज गोयल जी ने अपने संबोधन में कहा कि वह भारत विकास परिषद को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि परिषद का उद्देश्य समाज सेवा और सामुदायिक विकास के कार्यों में योगदान देना है और वह सभी सदस्यों के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्साहित हैं।

कार्यक्रम में नए सदस्यों को शामिल किया गया और उन्हें सदस्यता ग्रहण कराई गई। परिषद के सिद्धांत "नर सेवा, नारायण सेवा, न मुंचैव कुटुम्बकम, हित सर्वोपरि" के तहत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है, जिनमें रक्तदान शिविर, चिकित्सा शिविर, गरीब बच्चों को फीस और ड्रेस वितरण आदि शामिल हैं। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आयोजन किया गया और सभी सदस्यों ने स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया। कार्यक्रम का संचालन श्री कमलेश कुमार अग्रवाल और अन्य वरिष्ठ सदस्यों द्वारा किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी सदस्यों और अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया।

कार्यक्रम में पंकज बंसल, कमलेश अग्रवाल, अखिलेश मित्तल, मानसिंह जैन, अनिल कुमार गुप्ता, अनुज गुप्ता, जतिन गर्ग, अनिल कुमार आर्य, सुनीत गुप्ता, नितिन पाहवा सी.ए., संजय कपूर, राकेश सेठी, राकेश पपनेजा, विनय जैन, अनिल गुप्ता, संजय कपूर, लोकेश अग्रवाल, आयुष गुप्ता, डॉ. हिमांशु गुप्ता, पंकज गुप्ता, मामिक गुप्ता, विभोर मित्तल, वरुण मित्तल, वैभव गुप्ता, मनोज जैन, अनुज अग्रवाल, लक्ष्या सिंघल आदि सदस्य उपस्थित रहे।

# उत्तर प्रदेश: खेल एवं शिक्षा से होता है स्वस्थ एवं प्रबुद्ध समाज का निर्माण : अनिल यादव

**अमरजीत यादव**

**उत्तर प्रदेश:** वर्तमान समय में बीते दो दशक के अंदर जहां नौजवानों का रूझान खेल एवं शिक्षा से हटकर टीवी मोबाइल की तरफ आकर्षित हुआ है, इसी दौर में राष्ट्रीय पहलवान अमरजीत यादव ने बालक एवं बालिकाओं के सुनहरे भविष्य निर्माण हेतु भगत सिंह खेल अकादमी निजामाबाद में कुश्ती, कबड्डी, एथलेटिक्स आदि ग्रामीण क्षेत्र से जुड़े हुए खेलों के साथ-साथ बालक एवं बालिकाओं को फिजिकल फिटनेस आदि का प्रशिक्षण देकर ग्रामीण क्षेत्रों की दबि हुई प्रतिभाओं को निखार कर बच्चों को नशाखोरी और दुर्व्यवहार से हटाकर मिट्टी से जोड़कर एक सभ्य और मजबूत समाज के निर्माण में लगे हुए हैं।

अमरजीत यादव ने कहा कि मिट्टी की पकड़ बहुत ही मजबूत होती है, इसलिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति को मिट्टी व जमीन से जुड़कर काम करना चाहिए। राष्ट्रीय पहलवान अमरजीत यादव के नेतृत्व में लगभग सैकड़ों खिलाड़ी अनवरत प्रशिक्षण ले रहे हैं। ग्राम प्रधान हंसराज यादव, चन्द्र देव यादव तथा संतोष जी के सहयोग से इस एकेडमी के संचालन के साथ-

साथ राष्ट्रीय पहलवान अमरजीत यादव ने यह संकल्प लिया है कि जनपद के 22 ब्लाक में भगत सिंह खेल अकादमी डालकर ग्रामीण क्षेत्र से जुड़े नौजवानों के भविष्य को संवारने का प्रयास किया जाएगा।

अमरजीत यादव ने कहा कि ग्रामीणों एवं नौजवानों के उत्साह के साथ-साथ सरकार व विभाग का सहयोग भी बहुत ही जरूरी है, क्योंकि वर्तमान खेल विधाएं आधुनिक तकनीकी के आधार पर सम्पन्न होती हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में प्रशिक्षित होने वाले खिलाड़ियों को अगर आधुनिक सुविधाएं नहीं मिलती हैं, तो वे राष्ट्रीय एवं अन्य प्रतियोगिताओं में अपनी वास्तविक खेल प्रतिभा का प्रदर्शन नहीं कर पाते हैं। इसलिए हर गांव और ब्लाक स्तर पर आधुनिक सुविधाओं एवं संसाधनों का होना बहुत ही जरूरी है। अनिल यादव, डॉ. आदित्य सिंह, रामप्रवेश, चन्द्रशेखर, मिथिलेश आदि साथियों ने यह निर्णय लिया है कि इस मिशन को आगे बढ़ाने में अपना भरपूर सहयोग किया जाएगा।

# बिहार: गोपालगंज में ऑर्केस्ट्रा कार्यक्रमों पर लगा प्रतिबंध

**दिलीप कुमार**

**बिहार:** गोपालगंज में ऑर्केस्ट्रा कार्यक्रमों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। यह फैसला 23 मई को एक शादी समारोह में दूल्हे के अपहरण के बाद लिया गया, जिसमें ऑर्केस्ट्रा से जुड़े युवकों की भूमिका थी। इस घटना के बाद, पुलिस ने जिले में सभी ऑर्केस्ट्रा कार्यक्रमों पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया और दूसरे राज्यों से आई महिला डांसरों को जिला छोड़ने का आदेश दिया गया है।

प्रतिबंध के कारण:

- ऑर्केस्ट्रा कार्यक्रमों में अश्लीलता और हर्ष फायरिंग की घटनाएं बढ़ रही थीं।
- ऑर्केस्ट्रा की आड़ में ह्यूमन ट्रैफिकिंग के मामले भी सामने आए थे।
- दूल्हे के अपहरण की घटना के बाद पुलिस ने सख्त कदम उठाया।

ऑर्केस्ट्रा संचालकों और डांसरों की प्रतिक्रिया:

- ऑर्केस्ट्रा संचालकों और डांसरों का कहना है कि इस फैसले से उनके परिवारों के सामने संकट खड़ा हो जाएगा।
- वे कला के जरिए अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं।
- रात 10 बजे के बाद नर्तकियों का स्टेज प्रोग्राम करने पर पाबंदी रहेगी।

# उत्तर प्रदेश: भारतीय किसान यूनियन भानू ने किया अजय पंवार को नगर अध्यक्ष घोषित

**घनश्याम दास**

**उत्तर प्रदेश:** सहारनपुर रामपुर मनिहारान, भारतीय किसान यूनियन भानू की बैठक का आयोजन अजय पंवार के आवास शिवपुरी पर किया गया। जिसमें संगठन के कई बड़े पदाधिकारी मौजूद हुए, बैठक में भाकियू भानू के विस्तार पर अहम रूप से चर्चा की गई। विचार-विमर्श के पश्चात सर्वसम्मति से भारतीय किसान यूनियन भानू के जिलाध्यक्ष माननीय राजू माजरा ने अजय पंवार सुपुत्र श्री सरदार सिंह को उनके निवास स्थान शिवपुरी में नगर अध्यक्ष भाकियू भानू घोषित किया।

निर्देश दिए कि नव निर्वाचित अध्यक्ष संगठन के प्रति निष्ठावान रहकर ईमानदारी से कार्य करें, व बंधुत्व को बढ़ाते हुए संगठन का विस्तार करने में सहायक बनें। इस पर नवनिर्वाचित नगर अध्यक्ष रामपुर मनिहारान अजय पंवार ने अपने संबोधन में सभी पदाधिकारियों को आश्वासन देकर कहा कि मैं संगठन के नेतृत्व एवं निदेर्शों का सदैव पालन करूंगा और शीघ्र ही संगठन का विस्तार करूंगा।

जिलाध्यक्ष माननीय राजू माजरा ने अजय पंवार को नियुक्ति पत्र भेंट कर शुभकामनाएं दीं। भारतीय किसान यूनियन भानू के समस्त पदाधिकारियों ने अजय पंवार को नगर अध्यक्ष बनने पर उनके उज्जवल भविष्य की कामनाएं कीं। और कहा कि भाकियू भानू के पदाधिकारी व कार्यकर्ता दिन-रात किसानों व मजदूरों की समस्याओं को सुनकर उनके समाधान हेतु तत्पर रहते हैं।

बैठक के दौरान पूर्व जिलापंचायत सदस्य भाकियू भानू के जिलाध्यक्ष माननीय राजू माजरा, जिलाध्यक्ष प्रतिनिधि नीरज चौधरी, जिला प्रवक्ता व मीडिया प्रभारी प्रवेश चौधरी, इरशाद भाई इस्लाम नगर, जिला अल्पसंख्यक मोर्चा माननीय अकमल जी, प्रशांत चौधरी व प्रदीप चौधरी शामिल रहे।

## एक नजर

### उत्तर प्रदेश: सहानुभूति लेने की होड़, मदद के नाम पर केवल आश्वासन

**विकास कुमार सिंह**

**उत्तर प्रदेश:** नरवर बना राजनीति का अखड़ा। सत्ता पक्ष और विपक्ष में मची सहानुभूति लेने की होड़ मदद के नाम पर केवल आश्वासन मरदह नरवर की हृदय विदारक घटना सभी के दिलों को झकझोर देने वाली थी। घटना के बाद से ही सत्ता पक्ष और विपक्ष आपस में सहानुभूति पाने के लिए दौरा पर दौरा किए जा रहे हैं।

पीड़ितों को आश्वासन के अतिरिक्त और कुछ हासिल आज तक नहीं हुआ, बल्कि मानसिक प्रताड़ना ही झेलना पड़ा। इसी क्रम में 25 मई, दिन रविवार को सत्ता पक्ष से राज्यसभा सांसद श्रीमती संगीता बलवंत जी एवं विपक्ष से बलिया सांसद सनातन पांडे जी पीड़ितों से मिलने नरवर पहुंचे। दोनों ही नेताओं ने आश्वासन दिया कि सरकार से मदद के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। लोगों को क्षेत्रीय विधायक से भी बड़ी उम्मीद है जो पीड़ितों को कुछ मदद कर सके, लेकिन आज तक कुछ ऐसी घोषणाएं देखने को नहीं मिलीं। हालांकि कुछ क्षेत्रीय लोगों द्वारा जरूर मदद मिली, के अतिरिक्त कुछ मिला नहीं। सिर्फ यही हुआ कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा, पीड़ितों को न्याय मिलेगा, और आज तक किसी भी दोषी का कोई पता नहीं चल पाया।

### उत्तर प्रदेश: गाजीपुर में छात्र ने ट्रेन के आगे कूदकर युवक ने दी जान

**विकास कुमार सिंह**

**उत्तर प्रदेश:** दुल्लहपुर रेलवे स्टेशन से करीब 3 किलोमीटर दूर एक छात्र की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। घटना आज शाम 6 बजे की है। मृतक की पहचान मऊ जिले के भटौली सचुई बलभद्र निवासी नीरज भास्कर के रूप में हुई है। वह राधेश्याम का पुत्र था।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, नीरज ने मऊ-वाराणसी इंटरसिटी पैसेंजर के सामने कूदकर आत्महत्या की। घटना के समय वह पैदल ट्रैक पर चल रहा था और उसके पीछे बैग लटका हुआ था। मृतक के पास से मिले आधार कार्ड और कीपैड मोबाइल फोन से पता चला कि वह प्रयागराज में वन डे एग्जाम की तैयारी कर रहा था। हालांकि, वह ट्रैक पर क्यों चल रहा था, इसका कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। सूचना मिलने पर परिजन घटनास्थल पर पहुंचे। दुल्लहपुर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई शुरू कर दी है।

### राजस्थान: जयपुर के प्रताप यूनिवर्सिटी में 180 में से 162 छात्र हुए फेल

**हरि नारायण गुर्जर**

**राजस्थान:** राजधानी जयपुर के नजदीक स्थित चंदवाजी क्षेत्र में स्थित प्रताप यूनिवर्सिटी में कुल बी फार्मा स्टूडेंट 180 हैं, जिनमें से 162 छात्रों को फेल कर दिया गया है। परिणाम ऑफलाइन जारी किया गया है। गरीब किसान मजदूर के बच्चे प्रताप यूनिवर्सिटी में गफलत का शिकार हैं। एक तरफ सरकार शिक्षा के लिए अच्छे-अच्छे कार्य कर रही है, शिक्षा को प्रोत्साहन दे रही है और दूसरी तरफ प्रताप यूनिवर्सिटी में बच्चे और बच्चों के परिजन सभी परिणाम देखकर दुःखी हैं। भारी मात्रा में छात्रों द्वारा विरोध प्रदर्शन हो रहा है।

काफी दूर-दराज क्षेत्रों से विद्यार्थी आते हैं, कुछ विद्यार्थी खेजरोली, सांचौर, धौलपुर, गंगापुर आदि इलाकों से आते हैं। राजस्थान कॉलेज छात्र नेता राजेंद्र यादव और उनके साथियों ने भी छात्रों की समस्याओं को लेकर कॉलेज प्रशासन से बात करने की कोशिश की, लेकिन कॉलेज प्रशासन बात करने को तैयार नहीं है और पुलिस प्रशासन भी छात्रों को दबाने की कोशिश कर रहा है। यही कहना है स्थानीय छात्रों का। छात्र नेताओं को कॉलेज प्रशासन से बातचीत नहीं करने दिया जा रहा, इससे साफ जाहिर होता है कि पुलिस प्रशासन भी हद तक कॉलेज छात्रों की आवाज को दबा रहा है। जहां एक तरफ शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए सरकार नए-नए कदम उठा रही है, वहीं दूसरी तरफ चंदवाजी स्थित प्रताप यूनिवर्सिटी का मामला है।

# उत्तर प्रदेश: उंगलियों में भले ही ताकत नहीं किन्तु सर पर रखे हाथ ने जमाने की खुशियाँ दे दी

**हरीश उपाध्याय**

**उत्तर प्रदेश:** उंगलियों में भले ही ताकत नहीं किन्तु सर पर रखे हाथ ने जमाने की खुशियाँ दे दी। बात जब भी बुजुर्गों की आती है, यह लाइन नहीं, हकीकत नजर आती है।

बुजुर्गों की ऊँगली पकड़कर जो चलना सीखते हैं, कैसे उनका हाथ छोड़कर उन्हें दर-दर की ठोकर खाने पर मजबूर करते हैं। क्यों नहीं दिल काँपता उनकी ऐसी हालत देखकर? क्यों भगवान से भय नहीं लगता, यह जानकर कि ये उनका नहीं, हमारा भविष्य है? आये दिन घटनाएँ सुनने को मिलती हैं, बेटे ने किया पिता के सर पर

वार, उतारा मौत के घाट। या दर-दर की ठोकर खाने पर मजबूर बुजुर्ग, हड़पी अपनों ने संपत्ति। रूह कंपा देने वाली ऐसी घटनाओं से दिल छलनी करके रख दिया।

इसी लिए The Always Care Foundation ने बीड़ा उठाया कि भगवान तुल्य माँ-पिता की बेकदरी कतई बर्दाश्त नहीं। जिन्हें आप नहीं रख सकते, उन्हें हम खुशी से रख सकते हैं। हम परवरिश से लेकर अंतिम सांस तक उनका सहारा बनेंगे।

जिसके लिए हरिद्वार निवासी सुश्री मंजू बालियान, वजीर शर्मा जमदग्नी, कुशल श्रीवास्तव, सौरव सक्सेना, मधु, मृत्युंजय उर्फ मन्नू एवं इंदर राज दुग्गल ने अपनी संस्था बनाकर इस कार्य की शुरूआत की है। लम्बे समय से यह संस्था बुजुर्गों का हाल-चाल जानकर उनके पास जाती है और उनकी मदद भी करती है। इसके अतिरिक्त नशा मुक्ति, पर्यावरण, गौसेवा, स्वच्छता सभी पर समाज में सराहनीय कार्य कर रही है।

# छोटा उदेपुर जिले में चार दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी की मार

**कत्री रफाकत इदरीशभाई**

**गुजरात:** छोटा उदेपुर जिले में पिछले चार दिनों से भीषण गर्मी के बाद बीती रात बारह बजे के करीब तेज बिजली की गड़गड़ाहट और तूफानी हवाओं के साथ जोरदार बारिश हुई। रात 12 बजे के बाद पूरे जिले में व्यापक बारिश दर्ज की गई, और तड़के करीब चार बजे भारी हवाओं के साथ ओलावृष्टि की घटनाएं भी सामने आईं। इस भयावह तूफानी बारिश ने जगह-जगह भारी तबाही मचाई।

पावी जेतपुर के एक सुदूरवर्ती गांव में मकान की दीवार गिरने से एक महिला की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के दिल दहला देने वाले दृश्य सामने आए हैं। जानकारी के अनुसार, सुबह करीब चार बजे हुई

ओलावृष्टि और तेज बारिश ने पावी जेतपुर तालुका की एक महिला की जान ले ली।

घटना बोर्घा गांव की है, जहां वेटियाभाई नायक के मकान की दीवार तेज तूफानी हवाओं की वजह से गिर गई, जिससे उनकी पत्नी मोजलीबेन नायक की मौके पर ही मौत हो गई। बारिश और तूफान के समय वेटियाभाई नायक घर के दरवाजे के पास बैठे थे, जबकि उनकी पत्नी मोजलीबेन घर के अंदर थीं।

# मध्य प्रदेश: पंच परिवर्तन के माध्यम से हिंदू समाज को एक करना लक्ष्य- रघुवीरसिंह

**साबिर मोहम्मद मंसूरी**

**मध्य प्रदेश:** मातृहस्त भोजन की अनूठी पहल कर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संघ शिक्षा वर्ग (व्यवसायी) में 206 परिवारों ने मिलकर 400 संघ के अधिकारी, प्रशिक्षक, शिक्षक व प्रबंधकों को एक खुले मैदान में बैठकर परिवारसह भोजन करवाया। यह दृश्य अपने आप में अनूठा रहा जिसने सामाजिक समरसता का बड़ा उदाहरण प्रस्तुत किया। मातृहस्त भोजन की परिकल्पना में 15 दिन से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रशिक्षकों को घर जैसा माहौल प्रदान करना और सामाजिक समरसता के भाव को दृढ़ करना रहा। जिसमें वर्ग स्थल पर खुले मैदान में 206 ब्लॉक बनाकर हर ब्लॉक में एक-एक परिवार और उनके साथ दो स्वयंसेवक साथ बैठकर भोजन किया।

जब यह संपूर्ण दृश्य जिसने भी देखा उसने इस पर प्रसन्नता जाहिर की। रविवार को शाम 6:30 बजे से नगर के 206 परिवार वर्गस्थल पहुंचते हैं। उन्हें उनके क्रम के अनुसार ब्लॉक नंबर दिया जाता है। वहीं प्रशिक्षकों और शिक्षकों को भी क्रम से ब्लॉक नंबर देकर नियत स्थान तय किया जाता है। इस मातृहस्त भोजन में परिवार अपने साथ घर से ही बैठने के लिए दरी से लेकर भोजन की सभी आवश्यक सामग्री को लेकर आते हैं और सामूहिक रूप से परिवारसह भोजन करवाते हैं। जिसमें परिवारजन भी साथ में भोजन करते हैं। 206 परिवार के 480 सदस्य व वर्ग के 400 स्वयंसेवक एक साथ एक स्थान पर बैठकर परिवारसह भोजन का आनंद लेते हैं।

**पर्यावरण सुरक्षा के लिए पौधे भेंट किए।**

मातृहस्त भोजन के पश्चात स्वयंसेवकों के द्वारा प्रत्येक परिवार को पर्यावरण की सुरक्षा के लिए दो- दो पौधे प्रदान किए गए और परिवारों से अनुरोध किया गया कि आप इन पौधों का रोपण कर इन्हें वृक्ष बनाएं और अपनी आने वाली पीढ़ी को प्राकृतिक उपहार प्रदान करें।

**पंच परिवर्तन का संकल्प**

सामाजिक समरसता, कुटुम्ब प्रबोधन, पर्यावरण, स्वदेशी और नागरिक अनुशासन इन पंच परिवर्तन पर संघ अपने शताब्दी वर्ष में कार्य कर रहा है। जिसमें सभी हिंदू भाई-बहनों को जातिवाद से ऊपर उठकर सामाजिक समरसता के भाव जागृत करने की प्रेरणा दी जा रही है। जिसके तहत सभी में समानता का भाव जागृत हो, कर्म अलग-अलग हो सकते हैं पर सभी हिंदू एक हैं। उक्त बात मातृहस्त भोजन के लिए आए 206 परिवारों को बौद्धिक देते हुए मालवा प्रांत सह कार्यवाह रघुवीरसिंह जी सिसौदिया ने कहीं। इस अवसर पर रतलाम विभाग सह कार्यवाह और वर्ग प्रबंध पालक आकाश चौहान भी उपस्थित रहे।

**भारतीय संस्कृति में परिवार प्रधान है।**

श्री सिसौदिया ने कहा कि हमें सबसे पहले कुटुम्ब प्रबोधन की आवश्यकता है। हमारी पुरातन परंपरा परिवार के एक साथ भोजन करने, बच्चों में भगवान के प्रति श्रद्धा भाव और परिवार में एकजुटता लाना होगी। पश्चिमी संस्कृति व्यक्ति प्रधान है पर हमारी भारतीय संस्कृति परिवार प्रधान है। हम परिवार को महत्व देते हैं।

**स्वदेशी अपनाएं।**

श्री सिसौदिया ने आगे कहा कि हमें स्वदेशी की ओर लौटना होगा। हमारे देश को मजबूत करने के लिए हमें स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग करना होगा। जिससे हमारे देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और हमारे लोग भी मजबूत बनेंगे। इसलिए हमें स्वदेशी की ओर ज्यादा ध्यान देना होगा।

**पेड़, पानी और प्लास्टिक पर ध्यान दें।**

श्री सिसौदिया ने बताया कि पर्यावरण की सुरक्षा भी हमारी जिम्मेदारी है। हम कहते हैं हमारे दादाजी ने यह पेड़ लगाया था। पर अब यह संस्कृति विलुप्त होती जा रही है। हमें भी आगे आकर पर्यावरण बचाना होगा। हम तीन "प" पर कार्य करना होगा। पेड़, पानी और प्लास्टिक। पौधे लगाना होंगे, पानी बचाना होगा और प्लास्टिक बंद करना होगा।

**नागरिक अनुशासन का पालन करें।**

अंत में श्री सिसौदिया ने बताया कि नागरिक अनुशासन जरूरी है। जिस प्रकार हम सरकार से अपेक्षा रखते हैं, इसी प्रकार हमारे कर्तव्य भी होते हैं। हमें समय पर कर चुकाना, ट्रैफिक नियमों का पालन करना, सरकारी संपत्ति को नुकसान नहीं पहुंचाना, स्वच्छता का ध्यान रखना आदि बातों में नागरिक अनुशासन लाना होगा, तभी हमारा देश आगे बढ़ेगा।

**पथ संचलन भी निकला।**

इसके पूर्व प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे शिक्षार्थियों के द्वारा पथ संचलन निकाला गया। जिसमें उन्होंने संचलन करते हुए देशभक्ति गीतों और घोष के साथ एक जैसी वेशभूषा व हाथों में दंड लेकर कदम ताल करते हुए चले। पथ संचलन के अनुशासन को देखकर नगर के सभी लोग उससे आकर्षित हुए। पथ संचलन वर्ग स्थल से प्रारंभ होकर मंडी प्रांगण तक पहुंचा और वहां से पुनः वर्ग स्थल पर पहुंचा।

## सम्पादकीय

# नए भारत में बुनियादी सवाल

भारत अब 357 लाख करोड़ रुपए की अर्थव्यवस्था है। आजाद भारत ने 'शून्य' से अपना सफर शुरू किया था, क्योंकि हम सुई तक का उत्पादन करने में असमर्थ थे। सात दशकों की 'अजेय' यात्रा के बाद आज भारत हवाई जहाज भी बनाता है और विश्व की चौथी सबसे बड़ी घोषित अर्थव्यवस्था है। नई अर्थव्यवस्था के कुछ पहलू, आयाम और अहम सवाल छूट गए थे, जिनका मूल्यांकन और विश्लेषण आज कर रहे हैं। नीति आयोग के मुताबिक, देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 60 फीसदी हिस्सेदारी शहरों की है और 40 फीसदी योगदान ग्रामीण क्षेत्रों का है, लेकिन आज भी देश की 45-46 फीसदी कामकाजी आबादी खेती पर ही निर्भर है। उसकी आय का बुनियादी स्रोत खेती ही है, लेकिन जीडीपी में खेती का योगदान मात्र 16 फीसदी रह गया है, जो कभी 50 फीसदी होता था। देश का औसत किसान गरीब और कर्जदार है, आत्महत्या करने को विवश है। प्रधानमंत्री को किसान सम्मान के तौर पर 6000 रुपए सालाना की खैरात बांटनी पड़ रही है। आजाद देश में न तो किसान की आय बढ़ी है और न ही उसकी फसलों पर एमएसपी की कानूनी गारंटी दी गई है। लगातार मामला लटकता रहा है। भारत सरकार स्पष्ट क्यों नहीं करती?

जीडीपी में सबसे अधिक 53.66 फीसदी योगदान सर्विस सेक्टर का है। मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र का योगदान करीब 31 फीसदी है। हालांकि 99 फीसदी से अधिक मोबाइल अब भारत में ही बनते हैं। करीब 300 फैक्टरियां काम कर रही हैं। इस संदर्भ में 'एप्पल' और 'सैमसंग' सरीखी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के नाम उल्लेखनीय हैं, जिनके मोबाइल, आईफोन भारत में ही बन रहे हैं, लेकिन भारत अभी चीन की तरह 'मैन्यूफैक्चरिंग हब' नहीं बन सका है। दुनिया की सर्वोच्च पांच अर्थव्यवस्थाओं में भारत में ही श्रम-बल का औसत सबसे कम है। महिला श्रम-बल का औसत 41.7 फीसदी है। दोनों लिंगों का औसत श्रम-बल भी करीब 42 फीसदी है। अर्थात शेष आबादी के पास काम नहीं है या वह बिल्कुल बेरोजगार है। नतीजा यह है कि देश में बेरोजगारी दर 4.9 फीसदी है, जो चीन के बाद (5.1 फीसदी) सर्वाधिक है। भारत में 15-29 वर्ष के आयु-वर्ग को सबसे उर्वर माना जाता है। वह देश की अर्थव्यवस्था का बुनियादी लाभांश है, लेकिन उस आयु-वर्ग में भी बेरोजगारी 16 फीसदी से अधिक है। यह चिंतित और संवेदनशील सवाल है। बेशक भारत आज मिसाइल, हेलीकॉप्टर और रक्षा-उपकरणों का इतना उत्पादन करने लगा है कि 50 से अधिक देशों को निर्यात कर रहा है। यह सूची बढ़ती जा रही है, लिहाजा रक्षा-क्षेत्र से भारत का राजस्व भी बढ़ रहा है।

आज देश में करीब 1.5 लाख वर्ग किलोमीटर का मजबूत, आधुनिक बुनियादी ढांचा है, जिसमें निरंतर विस्तार हो रहा है। देश में हवाई अड्डों की संख्या 74 से बढ़ कर 159 हो गई है। नए हवाई अड्डे भी निमार्णाधीन और योजनारत हैं। 2025 में देश में मेट्रो रेल नेटवर्क 1011 किलोमीटर का हो गया है। देश में औसत व्यक्ति के पास डिजिटल लॉकर और यूपीआई की सुविधा है। भारत में विदेशी मुद्रा का भंडार करीब 690 अरब डॉलर है और नई अर्थव्यवस्था की घोषणा के बाद प्रत्यक्ष विदेशी निवेश भी बढ़ रहा है, लेकिन यह भी अहम सवाल है कि भारतीय अरबपति और उनकी कंपनियां विदेशों में अधिक निवेश क्यों कर रही हैं? बेशक भारत आज 357 लाख करोड़ रुपए की अर्थव्यवस्था है, लेकिन शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्रों में आज भी जीडीपी का क्रमशः 3 और 2 फीसदी ही खर्च क्यों किया जा रहा है? यह कमोबेश 5-6 फीसदी तो होना ही चाहिए। आईएमएफ की रपट में कहा गया है कि भारत खपत के लिए दूसरों पर निर्भर नहीं है। यही इसकी ताकत है। भारत की अर्थव्यवस्था उपभोग पर आश्रित है, जबकि चीन की अर्थव्यवस्था निर्यात पर आधारित है। हम एक लोकतांत्रिक देश हैं, लिहाजा हमारी अर्थव्यवस्था खुली है। चीन एक कम्युनिस्ट देश है, जो लगभग तानाशाही के करीब है, लिहाजा उसकी अर्थव्यवस्था बंद और रहस्यमयी है। उपभोग बढ़ेगा, तो बाजार में मांग और खरीद बढ़ेगी, नतीजतन उत्पादन बढ़ेगा। उसी तरह अर्थव्यवस्था का विस्तार होगा। कुछ सवाल यथार्थमयी हैं, उनका समाधान दिया जाना चाहिए। यह भी सच है कि आर्थिकी के मामले में अमरीका और चीन हमसे काफी ज्यादा आगे हैं। अमरीका का मुकाबला करने के लिए भारत को अभी लंबा सफर तय करना है।

## राष्ट्र रक्षा सभी का धर्म बने

-डा.वेदप्रकाश-

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक माधवराव सदाशिवराव गोलवलकर ने एक मंत्र दिया- इदं राष्ट्राय इदं न मम- अर्थात मेरा कुछ भी नहीं है, मेरा सब कुछ राष्ट्र के लिए है अथवा राष्ट्र को समर्पित है। क्या आज जब भारत सशक्त, समृद्ध , आत्मनिर्भर और विकसित भारत का संकल्प लेकर आगे बढ़ रहा है और जब पड़ोसी देशों के साथ आतंकवाद जैसे गंभीर मुद्दों पर संघर्ष भी लगातार बढ़ रहा है, क्या तब यह मंत्र सभी को आत्मसात नहीं करना चाहिए? क्या यह समय जाति, संप्रदाय, भाषा अथवा क्षेत्रीयता के आधार पर आपसी वैमनस्य फैलाने का है? क्या ऐसे में देव भक्ति अपनी-अपनी और राष्ट्रभक्ति मिलकर करने की आवश्यकता नहीं है? क्या भारतवर्ष के स्वतंत्रता संग्राम में अनेक बलिदानी राष्ट्र रक्षा को ही अपना धर्म बनाकर बलिवेदी पर नहीं चढ़े?

भूमि,जन, संस्कृति, प्रकृति-पर्यावरण, आचार और व्यवहार की विविधता मिलकर राष्ट्र की संकल्पना को आकार देते हैं। जन के लिए यह आवश्यक है कि वह भूमि को माता मानकर मानवता के कल्याण की संस्कृति का पालन और निर्माण करें। प्रकृति-पर्यावरण के बिना किसी भी जीवधारी का जीवन संभव नहीं है इसलिए इनके संरक्षण-संवर्धन हेतु भी कार्य करें। साथ ही वे ऐसे आचार और व्यवहारों का अनुसरण करें जिनमें सर्वे भवंतु सुखिनः की कामना निहित हो।

विश्व ज्ञान के आदि ग्रंथ ऋग्वेद में इसी जन को केंद्र में रखकर सबसे पहले उसे मनुर्भवङ्ग अर्थात मनुष्य बनने का उपदेश है। तदुपरांत उसे वसुधैव कुटुंबकम का मंत्र देते हुए सर्वे भवंतु के सुख की कामना की गई है। ध्यान रहे भारतीय चिंतन में जन का आह्वान है- माताभूमिः पुत्रोअहंङ्गअर्थात यह भूमि मेरी माता है और मैं इसका पुत्र हूं। क्या इसके मूल में मातृभूमि की रक्षा का संकल्प और संदेश निहित नहीं है? आज यह समझने की आवश्यकता है कि राष्ट्र रक्षा स्वयं के अस्तित्वबोध व आत्मबोध का भी विषय है। हमारी धार्मिक मान्यताएं, पूजा पद्धतियां और उनका पालन हम अपने राष्ट्र की सीमाओं में रहकर ही सहजता से कर पाते हैं, इसलिए यदि राष्ट्र सुरक्षित होगा तो ही हम सुरक्षित रह सकते हैं, राष्ट्र के बिना हमारा कोई अस्तित्व नहीं है। सर्वविदित है कि अतीत में भारतवर्ष ने भिन्न-भिन्न कारणों से लंबे समय तक विदेशी दासता और अत्याचार झेले हैं। इस लंबे कालखंड में विदेशी आक्रांताओं एवं शासकों से अनेक युद्ध और संघर्षों से भी गुजरना पड़ा। अनेक कष्ट सहकर और अनेकानेक बलिदानों के बाद भी राष्ट्र रक्षा के लिए यहां का जन जन सर्वस्व अर्पण करता रहा है। सैनिक सीमा पर केवल वेतन के लिए नहीं खड़ा होता अपितु वह वतन और उसकी रक्षा को धर्म मानकर लड़ता है।

स्वतंत्रता के बाद औपनिवेशिक विचारों की व्यापकता, राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं एवं विभिन्न स्वार्थों के कारण कुछ कथित संगठन बनाकर और व्यक्तिगत रूप से समाज और राष्ट्र को कमजोर करने हेतु प्रयास करते रहे हैं। जन भागीदारी का संबल पाकर यह राष्ट्र विकसित भारत का संकल्प लेकर जैसे-जैसे आगे बढ़ रहा है वैसे-वैसे कथित बुद्धिजीवी भारत विरोध हेतु एकजुट होकर इकोसिस्टम में काम करने लगते हैं। ऐसे लोग कभी जाति,संप्रदाय अथवा भाषा के विवाद खड़े करते हैं तो कभी सोशल मीडिया में सेना, सरकार और सकारात्मकता के विरुद्ध झूठा प्रोपेगेंडा चलते हैं। ये कभी प्रधानमंत्री को तानाशाह बताते हैं तो कभी आरएसएस पर इस देश और शिक्षण संस्थानों के भगवाकरण का दोष लगाते हैं। ये कभी अल्पसंख्यकों को दमित बताते हैं तो कभी किसानों को। नए कृषि कानून, तीन तलाक कानून, कश्मीर से धारा 370 हटाने का कानून और हाल ही में वक्फ संशोधन कानून आदि ऐसे अनेक महत्वपूर्ण कानूनों के विरोध में कथितों का यह इकोसिस्टम लगातार सक्रिय रहा है।

# नये आर्थिक सूरज बनने के सुखद एवं गौरवपूर्ण पल

-ललित गर्ग-

> भारत का चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने से विश्व स्तर पर कई महत्वपूर्ण प्रभावों में बढ़ोतरी होगी। भारत का अंतरराष्ट्रीय मंचों जैसे जी 20 और आईएमएफ में प्रभाव बढ़ेगा। भारत में फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट (एफडीआई) में और वृद्धि होगी, क्योंकि ग्लोबल कंपनियां भारत को एक आकर्षक बाजार के रूप में देख रही हैं। इससे भारत और जापान के बीच मजबूत रणनीतिक साझेदारी, जैसे चंद्रयान-5 और सैन्य सहयोग, भारत-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता को बढ़ावा मिलेगा।

नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने रविवार की सुबह नये उगते सूरज के साथ भारत के नये आर्थिक सूरज बनने की सुखद एवं आह्लादकारी खबर दी। उन्होंने बताया कि भारत जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और अब अगले ढाई से तीन वर्षों में जर्मनी को हटाकर तीसरे स्थान पर पहुंच जाएगा। अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के आंकडों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और 4 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की जीडीपी बन चुके भारत ने अनेक नवीन संभावनाओं एवं उपलब्धियों को पंख लगाये हैं। निश्चित ही भारत आर्थिक क्षेत्र के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों में एक महाशक्ति बन कर उभर रहा है, जो हर भारतीय के लिये गर्व एवं गौरव की बात है।

सुब्रह्मण्यम ने कहा, केवल संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन और जर्मनी ही हमसे बड़े हैं और जो योजना बनाई जा रही है, अगर हम उसी पर टिके रहते हैं, अपनी योजनाओं एवं नीतियों को आगे बढ़ाते है तो भारत शीघ्र ही तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक अप्रैल 2025 में कहा था कि 2025 में भारत की नॉमिनल जीडीपी बढ़कर 4,187.017 अरब डॉलर हो जाएगी। वहीं, जापान की जीडीपी का आकार 4,186.431 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। आईएमएफ के अनुमानों के अनुसार, आने वाले वर्षों में भारत जर्मनी को पछाड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी बन सकता है। 2027 तक भारत की अर्थव्यवस्था 5 ट्रिलियन डॉलर के आंकड़े को पार कर सकती है और इस दौरान जीडीपी का आकार 5,069.47 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। वहीं, 2028 तक भारत की जीडीपी का आकार 5,584.476 अरब डॉलर होगा, जबकि इस दौरान जर्मनी की जीडीपी का आकार 5,251.928 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। आईएमएफ के मुताबिक, 2025 में अमेरिका 30,507.217 अरब डॉलर के आकार के साथ दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना रहेगा। वहीं, चीन 19,231.705 अरब डॉलर के साथ दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगा।

भारत का चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने से विश्व स्तर पर कई महत्वपूर्ण प्रभावों में बढ़ोतरी होगी। भारत का अंतरराष्ट्रीय मंचों जैसे जी 20 और आईएमएफ में प्रभाव बढ़ेगा। भारत में फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट (एफडीआई) में और वृद्धि होगी, क्योंकि ग्लोबल कंपनियां भारत को एक आकर्षक बाजार के रूप में देख रही हैं। इससे भारत और जापान के बीच मजबूत रणनीतिक साझेदारी, जैसे चंद्रयान-5 और सैन्य सहयोग, भारत-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता को बढ़ावा मिलेगा। भारत इस उपलब्धि के बाद ग्लोबल इकोनॉमिक लीडरशिप की दिशा में और करीब आ गया है। भारत अगर 2028 तक जर्मनी को पीछे छोड़ देता है तो लीडरशिप और मजबूत होगी। भारत विश्वगुरु बनने एवं विश्व नेतृत्व करने में सक्षम होगा। भारत ने जापान को पछाड़ कर जो छलांग लगायी है, इसके पीछे जापान की अर्थव्यवस्था के सामने कई चुनौतियों रही है। आईएमएफ के अनुमान के अनुसार, 2025 में जापान की जीडीपी ग्रोथ रेट केवल 0.3 प्रतिशत रहने की उम्मीद है, जो भारत की 6.5 प्रतिशत की तुलना में बहुत कम है। जापान की उम्रदराज आबादी और लो बर्थ रेट ने लेबर फोर्स को सीमित कर दिया है। अमेरिका और अन्य देशों द्वारा लगाए गए टैरिफ और व्यापार नीतियों ने जापान की निर्यात-आधारित अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है। जापान की अर्थव्यवस्था कई दशकों से स्थिरता के लिए संघर्ष कर रही है, जिसके कारण वह भारत जैसे तेजी से बढ़ते देशों से पिछड़ गया है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने यह भी कहा कि भारत की विकास दर 2025 में 6.2 प्रतिशत और 2026 में 6.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो कि बाकी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में ज्यादा है। इससे स्पष्ट है कि भारत अब सिर्फ जनसंख्या में ही नहीं, अर्थव्यवस्था के मामले में भी दुनिया में सबसे आगे निकलने की रेस में है। ग्रामीण इलाकों में खपत बढ़ने से ये विकास दर बनी रहेगी। हालांकि, ग्लोबल अनिश्चितता और ट्रेड टेंशन की वजह से इसमें थोड़ा असर पड़ सकता है।

सशक्त एवं विकसित भारत निर्मित करने, उसे दुनिया की आर्थिक महाशक्ति बनाने और अर्थव्यवस्था की सुनहरी तस्वीर निर्मित करने के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी निरन्तर प्रयास कर रहे हैं। मोदी सरकार ने देश के आर्थिक भविष्य को सुधारने पर ध्यान दिया, उनके अमृत काल का विजन तकनीक संचालित और ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था का निर्माण करना है। मोदी सरकार की नियोजित एवं दूरगामी सोच का ही परिणाम है रिजर्व बैंक के पास सोने के भंडार में लगातार वृद्धि हो रही है। भारत में आर्थिक गतिविधियां नये शिखरों पर सवार है, क्योंकि भारत में डीमैट खाते 19 करोड़ के पार पहुंच चुके हैं। देश के कुल डीमैट खाते अब अन्य देशों की तुलना में नौवें स्थान पर हैं, जिसका मतलब है डीमैट खाते रूस, जापान, इथियोपिया, मैक्सिको जैसे देशों की आबादी से अधिक और बांग्लादेश की आबादी के करीब है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है, जिसमें 1,40,000 से अधिक पंजीकृत स्टार्टअप और हर 20 दिन में एक यूनिकॉर्न उभरता है। यूनिकॉर्न उन स्टार्टअप को कहा जाता है, जिनका मूल्यांकन एक अरब डॉलर हो जाता है।

इन आर्थिक उजले आंकड़ों में जहां मोदी के विजन ह्यहर हाथ को कामह्न का संकल्प साकार होता हुआ दिखाई दे रहा है, वहीं ह्यसबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वासह्न का प्रभाव भी स्पष्ट रूप से उजागर हो रहा है। दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर भारत ने जापान को पीछे छोड़ चौथी अर्थ-व्यवस्था बन गयी है। भारत ने अनेक आर्थिक क्षेत्रों में नये कीर्तिमान स्थापित किये हैं। लेकिन भारत के सामने चुनौतियां भी नयी-नयी शक्लों में उभर रही है। नयी आर्थिक उपलब्धियों एवं फिजाओं के बीच धनाढ्य परिवारों का भारत से पलायन कर विदेशों में बसने का सिलसिला चिन्ताजनक है। पलायनवादी सोच के कगार पर खड़े राष्ट्र को बचाने के लिए राजनीतिज्ञों एवं नीति नियामकों को अपनी संकीर्ण मनोवृत्ति को त्यागना होगा। तभी समृद्ध हो या प्रतिभाशाली व्यक्ति अपने ही देश में सुख, शांति, संतुलन एवं सह-जीवन का अनुभव कर सकेगा और पलायनवादी सोच से बाहर आ सकेगा। करोड़पतियों के देश छोड़कर जाने की 7500 की संख्या भले ही कुछ सुधरी है, लेकिन नये बनते, सशक्त होते एवं आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर भारत के लिये यह चिन्तन का विषय होना ही चाहिए कि किस तरह भारत की समृद्धि एवं भारत की प्रतिभाएं भारत में ही रहे।

# लगातार मौतें न्याय मांगती हैं, चुप्पी नहीं

-कुमार कृष्णन-

भारत-जब सरकार यह दावा करती है कि भारत में मैनुअल स्कैवेंजिंग का उन्मूलन हो चुका है, उस समय देशभर में सीवर और सेप्टिक टैंकों की सफाई के दौरान हो रही रोकी जा सकने वाली मौतें एक भयावह सच्चाई को उजागर करती हैं- एक ऐसी सच्चाई जो दंडहीनता, प्रणालीगत जातीय हिंसा और संस्थागत उपेक्षा से भरी है।

2 फरवरी 2025 को, दो सफाई कर्मियों की मौत हो गई और एक गंभीर रूप से घायल हो गया जब वे नरेला, बाहरी दिल्ली के मनसा देवी अपार्टमेंट्स के पास एक सीवर की सफाई कर रहे थे। निजी ठेकेदार द्वारा नियुक्त इन लोगों को किसी भी सुरक्षा उपकरण के बिना जहरीले गड्ढे में उतारा गया था। कुछ दिन बाद, उसी सुबह कोलकाता लेदर कॉम्प्लेक्स के बंटाला क्षेत्र में नाले की सफाई करते समय फर्जेम़ शेख, हाशी शेख और सुमन सरदार-सभी मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल के निवासी-की मौत हो गई। कोलकाता महानगर विकास प्राधिकरण द्वारा नियोजित इन मजदूरों को एक पाइप फटने के कारण मैनहोल में बहा दिया गया। उनके शव कई घंटे बाद पुलिस, अग्निशमन और आपदा प्रतिक्रिया दलों द्वारा बरामद किए गए। कोलकाता के मेयर फिरहाद हकीम ने औद्योगिक अपशिष्ट से उत्पन्न विषैली गैस को घटना का कारण बताया और जांच की घोषणा की, लेकिन ऐसी जांचें शायद ही कभी दोषियों को सजा या सुधार की ओर ले जाती हैं।

ये मौतें 29 जनवरी 2025 को सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए आदेश के केवल चार दिन बाद हुईं, जिसमें भारत के प्रमुख महानगरों (दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु, हैदराबाद) में मैनुअल स्कैवेंजिंग और खतरनाक सीवर सफाई को स्पष्ट रूप से प्रतिबंधित किया गया था। यह फैसला जस्टिस सुधांशु धूलिया और अरविंद कुमार की अध्यक्षता वाली पीठ ने डॉ. बलराम सिंह द्वारा दायर याचिका पर दिया।

इसके बावजूद मौतों का सिलसिला थमा नहीं है।भारत में मौत और चुप्पी का सिलसिला तिरुप्पुर, तमिलनाडु (19 मई 2025): तीन दलित मजदूर-सरवनन (30), वेणुगोपाल (30), और हरि कृष्णन (27)-अलाया डाइंग मिल्स में सीवेज टैंक की सफाई करते समय जहरीली गैस से मारे गए। एक अन्य मजदूर अस्पताल में है। फैक्ट्री मालिक, मैनेजर और सुपरवाइजर के खिलाफ मैनुअल स्कैवेंजर्स अधिनियम 2013, एससी/एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम, और भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत मामला दर्ज।

खंडवा, मध्य प्रदेश (3 अप्रैल 2025): गंगौर त्योहार से पहले कुएं की सफाई करते समय कोंडावत गांव में आठ लोगों की मौत जहरीली गैस से हुई। जांच जारी है।

फरीदाबाद, हरियाणा (21 मई 2025): सिकरी गांव के हरिजन मोहल्ले में एक मजदूर की सेप्टिक टैंक की सफाई करते समय मौत हो गई, और उसे बचाने की कोशिश में मकान मालिक भी मारा गया। कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं हुई; पुलिस ने कहा कोई शिकायत नहीं मिली, और घटना को जांच कार्यवाही कहकर टाल दिया गया।

अहमदाबाद, गुजरात-दानीलिमड़ा (16 मई 2025): तीन ठेका मजदूर-प्रकाश परमार, विशाल ठाकोर, और सुनील राठवा, सभी लगभग 20 वर्ष के-एक कपड़ा फैक्ट्री में सेप्टिक टैंक की सफाई करते समय मारे गए। फैक्ट्री एक साल से बंद थी और पुनः आरंभ के लिए सफाई हो रही थी। कोई सुरक्षा प्रोटोकॉल नहीं अपनाया गया था। चौथा मजदूर बच गया। मामला जांच में है।

फरवरी 2025 से मई 2025 के बीच 20 मैनुअल स्कैवेंजरों की मौत की रिपोर्ट मिली है।

आँकड़ों के अनुसार, लगभग 92% सफाई कर्मचारी अनुसूचित जाति, जनजाति या पिछड़ा वर्ग से आते हैं। ये मौतें केवल दुर्घटनाएँ नहीं हैं-यह संरचनात्मक जातिवाद, आर्थिक शोषण और जानबूझकर की गई उपेक्षा का नतीजा हैं।

हालाँकि मैनुअल स्कैवेंजर्स अधिनियम 2013 और संविधान के अनुच्छेद 21 (जीवन का अधिकार) और अनुच्छेद 17 (अछूत प्रथा की समाप्ति) के तहत यह कार्य स्पष्ट रूप से निषिद्ध है, फिर भी सरकार और निजी संस्थाएं बिना किसी डर के कानून का उल्लंघन करती हैं।

दलित आदिवासी शक्ति अधिकार मंच के संजीव कुमार के अनुसार मंच भारत में मैनुअल स्कैवेंजरों की निरंतर और रोकी जा सकने वाली मौतों पर त्वरित और निर्णायक कार्रवाई की माँग करती हैं। साथ ही हाल की सभी मौतों में सभी संबंधित कानूनों के तहत तत्काल प्राथमिकी दर्ज हो, जिनमें मैनुअल स्कैवेंजर्स अधिनियम 2013 की धारा 9, भारतीय न्याय संहिता की धाराएं 106(1), 125अ, 194, और एससी/एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम की धाराएं 3(1)(१) और 3(2)(५) शामिल हैं। प्रत्येक घटना की स्वतंत्र, समयबद्ध न्यायिक जांच होनी चाहिए, जिसकी पूरी पारदर्शिता और सार्वजनिक रिपोटिंग सुनिश्चित हो।मंच ने मृतकों के परिजनों को कम से कम 30 लाख रुपये मुआवजा, और आवास, शिक्षा, और आजीविका के अवसरों सहित समग्र पुनर्वास की माँग की हैं। इसके साथ ही 29 जनवरी 2025 के सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन सुनिश्चित करने के लिए, एक केंद्रीय निगरानी निकाय के गठन और नियमों का उल्लंघन करने वाले सभी ठेकेदारों के लाइसेंस रद्द करने की माँग भी की हैं। इसके अतिरिक्त, मंच के कहा है कि वह सफाई कार्यप्रणालियों का राष्ट्रीय ऑडिट चाहते हैं, खासकर निजी और शहरी निकायों में, और अनियमित श्रम बिचौलियों को दिए जाने वाले ऐसे ठेकों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाना आवश्यक है।

ये कदम केवल उपचारात्मक नहीं हैं- ये हमारे संवैधानिक अधिकारों को बनाए रखने, कानूनी जवाबदेही सुनिश्चित करने और सफाई कर्मियों की गरिमा और मानवता को मान्यता देने की दिशा में आवश्यक प्रयास हैं।

सीवर में हुई मौतों को चुप्पी से नहीं, न्याय से जवाब मिलना चाहिए। ये मजदूर अदृश्य नहीं हैं। उनकी जान की कीमत है। उनकी मौतें अनिवार्य नहीं हैं। हम पीड़ितों के परिवारों के साथ अटूट एकजुटता में खड़े हैं, और माँग करते हैं कि उनके नाम भुलाए न जाएँ, उनकी कहानियाँ दफन न हों, और उनके अपराधियों-चाहे व्यक्ति हों या संस्थान-को जवाबदेह ठहराया जाए। यह दया का विषय नहीं है-यह संवैधानिक कर्तव्य, कानूनी बाध्यता, और मानवीय गरिमा का सवाल है।

# प्राकृतिक-अप्राकृतिक उथल-पुथल से डगमग दुनिया

-विकेश कुमार बडोला-

भारत और पाकिस्तान के मध्य सैन्य संघर्ष, देश व दुनिया में राजनीतिक-सामरिक उथल-पुथल, देश के अंदर उपस्थित विरोधी शक्तियों की भारतविरोधी गतिविधियां, कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरू में पहली बार छत्तीस से भी अधिक घंटों तक हुई तेज मूसलाधार वर्षा, वर्षा के कारण अस्त-व्यस्त व परास्त प्रांत, इस कारण 8-9 लोगों की मृत्यु, राजधानी दिल्ली सहित पूर्वोत्तर दक्षिण-पश्चिम व मध्य भारत में वातावरण का अकल्पनीय परिवर्तन, सिंगापुर व हांगकांग में कोरोना के रोगियों में वृद्धि, दुनियाभर में एक बार पुनः कोरोना के परिवर्तित विषाणु के संक्रमण की आशंकाएं, मौसम का अति अप्रत्याशित असंतुलन, तेज हवाएं, आंधी-तूफान, धूल से भरा हुआ वायुमंडल, धुंध से लिपटा हुआ नभ व क्षितिज, कहीं अत्यधिक घुटनभरा पर्यावरण तो कहीं सहन करने की सीमा से अधिक गर्मी, कहीं किसी भूभाग या पर्वतीय क्षेत्र में शीताधिकता, ये सभी घटनाक्रम प्रतिदिन ही जीवन को प्राकृतिक विप्लव से अस्थिर कर रहे हैं। मानवीय जीवन के पूर्ण विनाश का पूर्वाभ्यास निरंतर इसी प्रकार हो रहा है। ऐसे में बार-बार याद आता है कि कभी किसी स्थिर समयकाल में ऋतुओं की छह श्रेणियां होती थीं। प्रत्येक श्रेणी अपनी संपूर्ण अवधि की जलवायु को अपनी प्राकृतिक विशिष्टता के साथ अनुरक्षित रखा करती थी। तब प्राकृतिक असंतुलन की चिंता दैनिक चिंता नहीं होती थी।

कितना जीवनोचित कालखंड रहा होगा वह! उस समयावधि में जिन्होंने जीवन व्यतीत किया होगा, वे वास्तव में प्राकृतिक रूप में भाग्यशाली रहे होंगे। किंतु अब ऐसा जीवन नहीं है। अब मनुष्य का ऐसा भाग्य नहीं। प्राकृतिक उथल-पुथल की अधिकता के बाद भी अधिसंख्य मनुष्यों के मन-मस्तिष्क भावी जीवन-परिस्थितियों के लिए विशेष रूप में जागरूक नहीं हैं। उनकी निरंतर बढ़ती भौतिक इच्छाएं-अभिलाषाएं उन्हें ये तक सोचने-विचारने का अवसर नहीं दे रहीं कि एक दिन उनका जीवन जलवायु विकृतियों के भयंकर दुष्चक्र में बंधकर उन्हें निरुपाय पीड़ित छोड़ देगा। जीवन की प्रमुख आवश्यकताओं खाद्यान्न और जल के स्रोतों, संसाधनों और प्रचक्र पर पंचतत्त्वों की अस्थिरता एवं विकृतता का सर्वाधिक दुष्प्रभाव हुआ है। परिणामस्वरूप न तो सहज श्वासें लेने योग्य वायुमंडल उपस्थित है और न ही पौष्टिक खाद्यान्न व जल उपलब्ध है। ऐसे में मानव का तन और मन दोनों ही असाध्य रोगों से घिर रहे हैं। जो मर-खप रहा है वह भूला-बिसरा हो जा रहा है और जो जी रहे हैं वे अपने अनुसार, अपनी मस्ती में बस जैसे-तैसे जी ही रहे हैं। मानवीय जीवन की यह कैसी दुर्गति है! निरंतर निकृष्ट होता मौसम हतप्रभ करता है। इस वर्ष मई माह भी विचित्र ढंग से परिवर्तित होता रहा। बैसाख और ज्येष्ठ के संगम की यह माहावधि भी अप्रतिम रूप लिए रही। इस अवधि में प्रत्यक्ष रूप में तो ग्रीष्म ताप में कमी हुई। यदा-कदा शीतल वायु प्रवाह होता रहा। घन विस्फोटों के उपरांत किसी एक पर्वतीय अथवा समतल नगरीय स्थान पर तीव्र धाराओं के साथ वर्षण हुआ। आंधी-तूफान आया। प्रातःकाल-संध्याकाल की जलवायु वातानुकूलित प्रतीत हुई। साथ ही दोपहर व अपराह्न काल के ग्रीष्म ताप में अत्यधिक वृद्धि भी हुई। राजधानी दिल्ली सहित पूर्व, पश्चिमोत्तर और दक्षिण व मध्य भारत में अंधड़-तूफान आए। तेज हवाएं चलीं। तीव्र वर्षण हुआ। घन विस्फोट के कारण एक ही स्थान पर अत्यधिक तीव्र वर्षा हुई। जलवायु की ऐसी दशा केवल भारतवर्ष में ही नहीं थी। विश्व स्तर पर हर दृष्टि में अग्रणी देश अमरीका के अनेक भूभागों पर स्थित नगरों-महानगरों पर भी ऐसी ही पारिस्थितिकीय अस्थिरता परिव्याप्त रही। इस देश में 15 से 17 मई के मध्य और विशेषकर 16 मई को आए तूफान और बवंडर के कारण 27 लोगों की मृत्यु हो गई। ध्वस्त क्षेत्रों में धरातल पर कार्यरत राहत बल के कर्मियों ने आशंका व्यक्त की है कि मृतकों की संख्या में वृद्धि हो सकती है। वहां दक्षिण-पूर्वी केंटुकी, लारेल काउंटी, मिसौरी, विस्कान्सिन, ग्रेट लेक्स, टेक्सास, सेंट लुई क्षेत्रों में अप्रत्याशित जलवायु परिवर्तन के कारण आधुनिकता की व्यवस्थाएं पूर्ण रूप में ध्वस्त हो गईं। विशाल वृक्ष जड़ से उखड़ गए। आवासीय भवन ध्वस्त हो गए। विनाशकारी मौसम में नगर के नगर उजड़ गए, अस्त-व्यस्त हो गए। इस परिस्थिति में जीवित बचे और टूटे-फूटे घरों, भवनों व भग्नावशेषों में फंसे हुए लोगों की हरसंभव माध्यम से खोज की गई। इस प्राकृतिक उथल-पुथल में वहां विद्युतापूर्ति बाधित हो गई। जलापूर्ति रुक गई।

सामान्य जनजीवन अकस्मात ही कठिन हो गया। प्रतिकूल मौसम के संबंध में अमरीका का उल्लेख करना इसलिए आवश्यक होता है क्योंकि विगत सौ-डेढ़ सौ वर्षों में इसी देश ने विश्व के सभी देशों को वैज्ञानिक आविष्कारों, औद्योगिक उत्पादन और विज्ञान के अभिशापित पथ पर चलने के लिए सर्वाधिक दुष्प्रेरित किया है। ऐसी ही पारिस्थितिकीय परिस्थितियां भारत की राजधानी दिल्ली, आस्ट्रेलिया के कुछ क्षेत्रों तथा बेंगलुरू में भी थीं। वैसे तो माह के आरंभ में ही मौसम के लक्षण असामान्य होने आरंभ हो गए थे। असामान्य जलवायु का यह प्रभाव न्यूनाधिक मात्रा में विश्व के सभी महाद्वीपों पर हुआ। एशिया द्वीप के भूभागों में से एक महत्त्वपूर्ण भारतीय-भूभाग की ऋतुविकृतियों के प्रत्यक्ष साक्षी तो राजधानी दिल्ली सहित, पूर्वोत्तर, पश्चिम एवं दक्षिण-मध्य भारत के जन-जन हैं ही, किंतु विश्व के विभिन्न क्षेत्रों पर भी जीवनघाती जलवायु परिवर्तन का दुष्प्रभाव भयंकर रूप में हो रहा है, इसके साक्ष्य भी प्रामाणिक दृश्य-श्रव्य व मुद्रित समाचारों के माध्यम से प्राप्त हो ही रहे हैं। बेंगलुरू में तो जनजीवन अप्रत्याशित, अत्यधिक व दीर्घावधि के मूसलाधार वर्षण द्वारा सहसा भयाक्रांत होकर असुरक्षित हो गया है। हर स्थान पर प्रकृति का कोप हो रहा है। संसार का कोई भी भूभाग प्राकृतिक रूप में सुरक्षित नहीं है। व्योम, पृथ्वी, समुद्र, अंतरिक्ष सभी के सभी विनाशक होने की सीमा तक अव्यवस्थित हो चुके हैं।

ऐसी अवस्था में भी भारत तथा दुनिया के जीवित लोगों के लिए प्राकृतिक झंझावात तब तक ही आश्चर्य व भय का विषय होता है, जब तक यह उपस्थित होता है। अनेक लोगों के प्राण लेने वाला और किसी एक क्षेत्र की पूरी जीवन-व्यवस्था को उजाड? वाला तूफान जीवित लोगों के लिए विशेष विचारणीय विषय नहीं होता है। यह जीवित लोगों का प्रकृतिशक्ति के प्रति दुस्साहस नहीं तो फिर क्या है! वर्ष-प्रतिवर्ष मानवीय जीवन के सम्मुख प्राकृतिक, पर्यावरणीय तथा जलवायु संबंधी नए-नए असंतुलन उत्पन्न हो रहे हैं। पांचतात्त्विक पारिस्थितिकी परिवर्तन के ऐसे मूल कारणों पर ध्यान लगाने के बदले देश-दुनिया के कर्ताधर्ताओं का ध्यान अनियंत्रित तथा असंतुलित आधुनिक प्रगति पर ही लगा हुआ है। ऐसी प्रगति के भावी लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए जो-जो अप्राकृतिक उत्पादन, खनन-उत्खनन व साधन-संसाधन प्रतिदिन ही बढ़ रहे हैं, क्या उस कारण मानवास्तित्व के सम्मुख उठ खड़े हुए जलवायु परिवर्तन कारकों के निवारण की दिशा में कुछ क्रांतिकारी कर्मकत्तव्य निर्धारित होंगे अथवा प्रगति की आत्मघाती, जीवघाती एवं जीवनघाती यात्रा ऐसी ही चलती रहेगी? याद रखें कि प्रकृति तथा प्राकृतिक तत्त्वों को वर्तमान मानवीय जीवन के अनुकूल नहीं किया जा सकता है, बल्कि हमें ही अपने जीवन व जीवन-संबंधी गतिविधियों को प्राकृतिक व्यवस्था के अनुसार निर्धारित करना होगा।

(स्वतंत्र लेखक)

## संक्षिप्त समाचार

### साउथ कैरोलिना में गोलीबारी, 11 घायल

**न्यूयार्क, एजेंसी।** अमेरिका के साउथ कैरोलिना के लिटिल रिवर इलाके में गोलीबारी की घटना हुई, जिसमें 11 लोगों के घायल होने की खबर है। घायलों की स्थिति कैसी है, इसके बारे में पुलिस ने कोई जानकारी नहीं दी है। गोलीबारी कैसे और क्यों हुई और किसने की, इसके बारे में भी कोई जानकारी नहीं दी गई है। पुलिस घटना की जांच में जुड़ी है।

### पोलैंड में राष्ट्रपति चुनाव के दूसरे चरण से पहले सड़क पर उतरे आक्रोशित

**वारसॉ, एजेंसी।** यूरोपीय देश पोलैंड में राजनीतिक अस्थिरता का माहौल है। राजधानी वारसॉ में हजारों पोलिश लोगों ने देशभक्ति से ओतप्रोत जुलूस में हिस्सा लिया। एक जून को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव से पहले हुई इस रैली में हजारों लोग शामिल हुए। लगभग 38 मिलियन की आबादी वाले पोलैंड में देश के भविष्य को लेकर मंथन हो रहा है। वारसॉ के यूरोपीय संघ समर्थक मेयर 53 वर्षीय राफाल ट्रजाकोव्स्की ने रैली का नेतृत्व किया। वे प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क के करीबी राजनीतिक सहयोगी हैं।

### अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा बैठक के लिए मॉस्को जाएंगे डोभाल

**मॉस्को, एजेंसी।** भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल के अगले सप्ताह की शुरुआत में रूस की सुरक्षा परिषद द्वारा आयोजित एक प्रमुख सुरक्षा बैठक में भाग लेने के लिए जाएंगे। डोभाल को रूसी सुरक्षा परिषद के सचिव सर्गेई शोइगु की अध्यक्षता में 27-29 मई को सुरक्षा मुद्दों के लिए उच्च प्रतिनिधियों की 13वीं अंतरराष्ट्रीय बैठक के लिए आमंत्रित किया गया है। रूसी सुरक्षा परिषद के अनुसार फोरम में भाग लेने के लिए मोरिक यूनियन (ईएईयू), शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ), सीआईएस, सामूहिक सुरक्षा संधि संगठन (सीएसटीओ), ग्लोबल साउथ और ईस्ट के 150 से अधिक देशों और यूरेशियन इकोनॉमी के साथ-साथ 20 से अधिक अंतरराष्ट्रीय संगठनों के नेतृत्व को निमंत्रण भेजे गए हैं। भारत की तरह, पाकिस्तान भी एससीओ का सदस्य है, और उसके एनएसए लेफ्टिनेंट जनरल असीम मलिक के भी बैठक के लिए मॉस्को में मौजूद रहने की उम्मीद है।

### ऑस्ट्रेलिया में बाढ़ से अब तक 5 की मौत, हजारों लोग फंसे

**केनबरा, एजेंसी।** ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स राज्य में पिछले सप्ताह से जारी भीषण बारिश के कारण आई बाढ़ से अब तक 5 लोगों की मौत हो चुकी है। बाढ़ की वजह से हजारों लोग घरों में कैद हो गए हैं। कई इलाकों का संपर्क पूरी तरह टूट गया है, लोग अपने घरों में फंसे हैं और बहुत सी सड़कें, पुल और खेत तबाह हो गए हैं। राज्य के उत्तरी तटीय हिस्सों में बाढ़ का असर सबसे ज्यादा पड़ा है। कई घरों में पानी भर गया, खेतों में खड़ी फसलें बह गईं और पशुओं की जान भी गई। जान बचाने के लिए कई लोगों को हेलीकॉप्टर और नावों की मदद से निकाला गया। कुछ इलाकों में तो कारें पूरी तरह पानी में डूब गईं। राज्य की आपातकालीन सेवा ने बताया कि करीब 32,000 लोग अब भी ऐसे इलाकों में हैं जहां जाने का रास्ता बंद है। हालांकि, धीरे-धीरे पानी उतरने लगा है। बाढ़ की वजह से 10,000 से ज्यादा घर और संपत्तियां क्षतिग्रस्त हो गई हैं।

### बलूचिस्तान में पत्रकार की हत्या, अपहरण का विरोध करने पर मारे गए अब्दुल लतीफ

**कराची, एजेंसी।** पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में बंदूकधारियों ने शनिवार को अपहरण का विरोध करने पर बलोच पत्रकार अब्दुल लतीफ बलोच की गोली मारकर हत्या कर दी। लतीफ क्वेटा स्थित एक समाचार पत्र के लिए काम करते थे। कुछ महीने पहले लतीफ के बड़े बेटे का भी अपहरण कर लिया गया था। बाद में उसका शव बरामद हुआ था। पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) दानियाल काकर ने बताया, बंदूकधारी लतीफ के अवारन जिले के मश्कय स्थित उनके घर में घुसकर उन्हें अगवा करने का प्रयास कर रहे थे। जब उन्होंने विरोध किया तो बंदूकधारियों ने गोली मारकर उनकी हत्या कर दी। इसके बाद हमलावर फरार हो गए। पाकिस्तान फेडरल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स (पीएफयूजे) समेत कई पत्रकार संगठनों ने डेली इंतिखाब अखबार से जुड़े पत्रकार लतीफ की हत्या की निंदा की है।

# ट्रम्प बोले- पुतिन पूरी तरह पागल हो गए:यूक्रेन पर हवाई हमले के बाद कहा- मैं उनसे खुश नहीं, बेवजह लोगों की जान ले रहे

**वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि पुतिन पूरी तरह पागल हो गए हैं। ट्रम्प ने यह बयान अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर दिया।

उन्होंने लिखा- मैंने हमेशा रूस के व्लादिमीर पुतिन के साथ बहुत अच्छे संबंध रखे हैं, लेकिन उनके साथ कुछ तो हुआ है। वो पूरी तरह पागल हो गए हैं। ट्रम्प ने सोमवार को कहा कि वे यूक्रेन में हवाई हमलों के चलते पुतिन से खुश नहीं हैं। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं पता पुतिन को क्या हो गया है। हम रूस पर और प्रतिबंध लगाएंगे। पुतिन बहुत लोगों को मार रहे हैं। ट्रम्प का यह बयान यूक्रेन पर 3 साल में रूस के सबसे बड़े हवाई हमले के बाद आया है। यूक्रेनी एयरफोर्स के मुताबिक, शनिवार रात रूस ने कीव पर 9 बैलिस्टिक मिसाइलों, 60 क्रूज मिसाइलों और 298 ड्रोन से हमला किया था।

### रूस का आरोप- यूक्रेन पुतिन की हत्या करना चाहता था

रूस ने दावा किया है कि यूक्रेन ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का हेलिकॉप्टर गिराने की कोशिश की। रूसी वायु सेना के मेजर जनरल यूरी डैशकिन के मुताबिक पुतिन 20 मई को कुर्स्क के दौरे पर गए थे। डैशकिन ने बताया कि इस दौरान यूक्रेनी एयरफोर्स ने पुतिन के हेलिकॉप्टर पर 46 ड्रोन से हमला किया लेकिन हमने सभी ड्रोन मार गिराया। डैशकिन ने कहा- हमने एक साथ कई ड्रोन का मुकाबला किया और राष्ट्रपति के हेलिकॉप्टर की सुरक्षा सुनिश्चित की।

### यूक्रेन के कब्जे के बाद पहली बार कुर्स्क गए थे पुतिन

कुर्स्क वही जगह है जहां पिछले साल अगस्त में यूक्रेन की सेना ने अचानक हमला किया था और 1100 वर्ग किमी इलाके पर कब्जा कर लिया था। यह हमला इसलिए बहुत खास था, क्योंकि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद पहली बार किसी विदेशी सेना ने रूस की जमीन पर हमला किया था। पुतिन ने इस इलाके का दौरा करते हुए कहा था कि अब इस जमीन पर फिर से रूस का कब्जा हो गया है। उन्होंने यहां पर बारूदी सुरंगें हटाने के लिए और सैनिक भेजने का आदेश भी दिया था, ताकि लोग अपने घर वापस लौट सकें।

हालांकि, यूक्रेन का कहना है कि उसकी सेना अब भी उस इलाके में डटी हुई है और लड़ाई जारी है। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा कि उनकी सेना कुर्स्क और बेलगोरोड जैसे इलाकों में रूस के खिलाफ अभियान चला रही है।

### रूस-यूक्रेन के बीच 614 कैदियों की अदला-बदली

रूस और यूक्रेन ने 24 मई को एक-दूसरे के 307-307 कैदियों की अदला-बदली की। यह तीन साल से जारी जंग में सबसे बड़ी कैदी अदला-बदली का हिस्सा है।

शनिवार को हुए अदला-बदली की जानकारी रूस के रक्षा मंत्रालय और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने टेलीग्राम पर दी। जेलेंस्की ने लिखा- कल और रिहाई होने की उम्मीद है, हमारा लक्ष्य हर एक यूक्रेनी को रूस के कैद से वापस लाना है। इससे पहले 23 मई को दोनों देशों ने 390-390 कैदियों को रिहा किया था। तीन दिनों में दोनों पक्षों से 1-1 हजार कैदियों को रिहा किया जाना है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि यह अदला-बदली मॉस्को और कीव के बीच शांति समझौते की कोशिशों में नया चरण शुरू कर सकती है।

## ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर अगले दो दिनों में हो सकता है बड़ा एलान, राष्ट्रपति ट्रंप ने दिए संकेत

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया है कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिका के साथ उसकी बातचीत में तेजी आई है और अगले दो दिनों में इसे लेकर कोई बड़ा एलान किया जा सकता है। अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत की मध्यस्थता ओमान द्वारा की जा रही है। राष्ट्रपति ट्रंप जहां अगले दो दिनों में बातचीत को लेकर अहम एलान करने की बात कर रहे हैं, वहीं मध्यस्थता कर रहे लोगों ने शुक्रवार को अपने बयान में कहा था कि दोनों देशों के बीच बातचीत हुई है, लेकिन अभी तक कोई निष्कर्ष नहीं निकला है। दोनों देशों के बीच रोम में पांचवें दौर की बातचीत हुई।

**न्यू जर्सी में मीडिया से क्या बोले ट्रंप :** डोनाल्ड ट्रंप ने न्यू जर्सी में मीडिया से बात करते हुए कहा कि हमारी ईरान के साथ कुछ अच्छी बातचीत हुई है और मुझे नहीं पता कि अगले दो दिनों में आपको अच्छी खबर दूंगा या बुरी, लेकिन मुझे लग रहा है कि ये अच्छी होगी। ट्रंप ने कहा कि हमारी बातचीत में अच्छी खासी प्रगति हुई है, देखते हैं कि आगे क्या होता है, लेकिन मुझे ऐसा लग रहा है कि ईरान के मोर्चे पर अच्छी खबर आने वाली है। अमेरिका और ईरान के बीच पांचवें दौर की बातचीत रोम में ओमानी दूतावास में हुई। जिसमें अमेरिका का प्रतिनिधित्व स्टीव विटकॉफ और माइकल एंटोन ने किया। माइकल एंटोन अमेरिकी विदेशी विभाग के नीति योजना निदेशक हैं।

**ईरान के परमाणु कार्यक्रम को सीमित करने की कोशिश :** अमेरिका और ईरान के बीच यूरेनियम संवर्धन पर बातचीत हो रही है और साथ ही इस बात पर भी चर्चा हो रही है कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम को कैसे सीमित किया जाए, जिसके बदले में अमेरिका ईरान पर लगाए गए कुछ आर्थिक प्रतिबंधों को कम करने पर विचार करेगा।

## इजराइल का गाजा के स्कूल पर हमला, 25 की मौत:शरणार्थी कैंप बनाया गया था

**तेल अवीव, एजेंसी।** इजराइल ने रविवार देर रात गाजा में कई जगहों पर हमले किए। इन हमलों में एक स्कूल को भी निशाना बनाया, जिसमें 25 लोगों की मौत हो गई है। स्कूल में आग लगने से लोग जिंदा जल गए। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक यह एक किंडरगार्टन स्कूल था, जिसे शरणार्थी शिविर को तौर पर इस्तेमाल किया जा रहा था। मरने वालों में रेड क्रॉस के दो कार्यकर्ता, एक पत्रकार और कई बच्चे शामिल हैं। इनमें गाजा का सबसे कम उम्र का इन्फ्लुएंसर याकीन हम्माद (11 वर्ष) भी मारा गया है। दूसरी तरफ स्पेन ने दुनिया भर के देशों से इजराइल पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है।

**तीन दिन पहले एक डॉक्टर के 9 बच्चे मारे गए :** गाजा पर 23 मई को हुए इजराइली हमले में खान यूनिस की एक महिला डॉक्टर अल-नज्जर के 9 बच्चों की मौत हो गई, जबकि एक बच्चा गंभीर रूप से घायल है। स्वास्थ्य अधिकारियों के मुताबिक मृत बच्चों की उम्र 7 महीने से 12 साल तक थी। डॉक्टर के पति को भी इस हमले में गंभीर चोटें आई है। इजराइली सेना के मुताबिक गाजा में बड़े पैमाने पर अभियान शुरू किया गया। इसके तहत 14 से 20 मई तक 670 से ज्यादा हमास ठिकानों पर हमला किया। जिसमें गाजा के लगभग 512 लोग मारे गए थे।

**इजराइल का गाजा के 77 प्रतिशत हिस्से पर कब्जा :** इजराइल ने गाजा पट्टी के 77प्रतिशत हिस्से पर कंट्रोल हासिल कर लिया है। अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक

यह दावा गाजा के सरकारी मीडिया ऑफिस ने रविवार को किया। उन्होंने इजराइल पर नरसंहार के आरोप लगाते हुए संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से तुरंत हस्तक्षेप की मांग की है। बयान में कहा गया है कि इजराइली सेना ने बफर जोन, सुरक्षा कॉरिडोर और भारी गोलीबारी के जरिए गाजा के उत्तरी और दक्षिणी हिस्सों को अपने कब्जे में लिया है।

**नेत्जारिम कॉरिडोर पर इजराइल का कंट्रोल :** मीडिया ऑफिस ने कहा कि इजराइल ने नेत्जारिम कॉरिडोर के जरिए गाजा को दो हिस्सों में बांट दिया है, जिससे फलस्तीनी नागरिकों की आवाजाही लगभग नामुमकिन हो गई है। कार्यालय का कहना है कि इजराइल ने राफा और गाजा सिटी जैसे घनी आबादी वाले इलाकों को 'नो-गो जोन' घोषित कर दिया है, जिससे लाखों लोग विस्थापित हो गए हैं।

नेत्जारिम कॉरिडोर गाजा को दो भागों में बांटता है। इस साल की शुरुआत में इजराइल-हमास के बीच जब सीजफायर को लेकर डील हुई थी तब इजराइल ने नेत्जारिम कॉरिडोर छोड़ दिया था। लेकिन कुछ ही समय बाद इजराइल ने जंग फिर से शुरू कर दी और फिर से इस कॉरिडोर को अपने कब्जे में ले लिया।

गाजा के मीडिया कार्यालय ने इजराइल पर आरोप लगाया कि वह गाजा पट्टी से फलस्तीनी आबादी से खाली करने की साजिश रच रहा है। ऑफिस ने कहा कि इजराइली सेना जबरन बेदखली, बमबारी और सहायता रोककर गाजा को तबाह कर रही है। यह नरसंहार और नस्लीय सफाई है। कार्यालय ने दावा किया कि गाजा का 70प्रतिशत से ज्यादा नागरिक बुनियादी ढांचा नष्ट हो चुका है, और 19 लाख लोग (85प्रतिशत आबादी) अपने घरों से बेघर हो गए हैं। इजराइली अधिकारियों ने इन आरोपों को खारिज किया। गाजा में अपनी कार्रवाइयों को हमास के खिलाफ 'टारगेट ऑपरेशन' करार दिया।

## टेक्सास में अमेरिकी वीजा धोखाधड़ी रैकेट के सिलसिले में दो पाकिस्तानी नागरिक गिरफ्तार

**टेक्सास, एजेंसी।** टेक्सास के उत्तरी जिले के अमेरिकी अटॉर्नी लीहा सिमोंटन ने एक आधिकारिक बयान में बताया, ''यह केवल पैसे के लिए नहीं था। इन प्रतिवादियों पर आरोप है कि उन्होंने आव्रजन के लिए एक संपूर्ण आपराधिक उद्यम तैयार किया है।'' अमेरिका के टेक्सास में रहने वाले दो पाकिस्तानी नागरिकों को कई सालों से बड़े पैमाने पर वीजा धोखाधड़ी और धनशोधन का कथित सरगना होने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

दोनों पर आरोप है कि उन्होंने वीजा धोखाधड़ी कर कई विदेशी नागरिकों को अवैध रूप से अमेरिका में प्रवेश कराने और यहां रहने में मदद की। टेक्सास के उत्तरी जिले में एक संघीय ग्रैंड जूरी ने अब्दुल हादी मुर्शिद (39) और मुहम्मद सलमान नासिर (35) के खिलाफ 23 मई को आरोप लगाया गया। आरोपों में अमेरिका को धोखा देने की साजिश, वीजा धोखाधड़ी, धनशोधन की साजिश शामिल है। मुर्शिद पर अमेरिकी नागरिकता हासिल करने के लिए गैर कानूनी तरीके को अपनाने के आरोप भी लगाए गए हैं।

टेक्सास के उत्तरी जिले के अमेरिकी अटॉर्नी लीहा सिमोंटन ने एक आधिकारिक बयान में बताया, ''यह केवल पैसे के लिए नहीं था। इन प्रतिवादियों पर आरोप है कि उन्होंने आव्रजन के लिए एक संपूर्ण आपराधिक उद्यम तैयार किया है।'' अभियोग के अनुसार, मुर्शिद और नासिर ने फर्जी नौकरी के आधार पर आवेदन कर अमेरिकी वीजा योजनाओं का लाभ उठाया। दोषी पाये जाने पर आरोपियों को 20 वर्ष तक की जेल हो सकती है, साथ ही मुर्शिद की अमेरिकी नागरिकता भी छीनी जा सकती है।

## पोप लियो 14वें ने खुद को रोमन घोषित किया

**रोम , एजेंसी।** पोप लियो 14वें ने रविवार को खुद को रोमन घोषित किया। उन्होंने रोम के बिशप के तौर पर अपनी भूमिका को पुख्ता करने के लिए सभी अनिवार्यताएं पूरी कर ली हैं। उन्होंने अंतिम औपचारिक कदम भी उठा लिए हैं। पहले अमेरिकी पोप ने औपचारिक रूप से सेंट जॉन लेटरन बेसिलिका में अपना स्थान ग्रहण किया। यह रोम का गिरजाघर है। इसे सभी पश्चिमी चर्चों में सबसे प्रतिष्ठित माना जाता है। इसे सभी कैथोलिक चर्चों की जननी भी कहा जाता है।

सेंट जॉन लेटरन बेसिलिका में रोमन पुजारियों और श्रद्धालुओं ने शाम को प्रार्थना की। इसके बाद पोप लियो ने पोपमोबाइल से सेंट मैरी मेजर का दौरा किया, जहां उन्होंने पोप फ्रांसिस की कब्र और रोमन श्रद्धालुओं की प्रिय वर्जिन मैरी की मूर्ति के सामने प्रार्थना की। इसके बाद पोप लियो ने कहा कि वह उन्हें सुनना चाहते थे, ताकि वे सीख सकें, समझ सकें और निर्णय ले सकें।

8 मई को चुने जाने पर पोप लियो ने जो कई उपाधियां ग्रहण कीं, उनमें से एक रोम

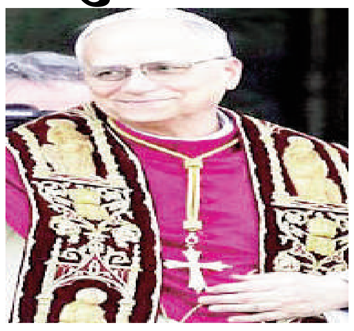

का बिशप था। 1.4 बिलियन की संख्या वाले सार्वभौमिक कैथोलिक चर्च को चलाने की अपनी जिम्मेदारियों को देखते हुए रोमन के सूबा के संचालन के दैनिक शासन को पोप एक पादरी को सौंपते हैं। सेंट जॉन लेटरन में रविवार के समारोह और सेंट मैरी मेजर बेसिलिका का पड़ाव पिछले सप्ताह लियो की सेंट पॉल आउटसाइड द वॉल्स बेसिलिका की यात्रा के बाद हुआ।

रोम के मेयर रॉबर्टो गुआल्टिएरी ने सिटी हॉल की सीढ़ियों पर सबसे पहले लियो का स्वागत किया। उनका 8 मई का चुनाव पवित्र वर्ष के दौरान हुआ था, जो रोम में तीर्थयात्रियों को आमंत्रित करने के लिए हर 25 साल में होने वाला एक आयोजन है। शहर में दो साल तक यातायात समेत कई परियोजनाओं पर काम किया गया। उम्मीद है कि 2025 में 30 मिलियन से ज्यादा लोग आएंगे। लियो ने कहा कि उन्हें पवित्र वर्ष और उसके बाद सभी रोमनों की सेवा करने की गंभीर लेकिन भावुक जिम्मेदारी मिली है। औपचारिक लाल पोपल कैप और ब्रोकेड स्टोल पहने हुए लियो ने अपने चुनाव की रात सेंट पीटर बेसिलिका के लॉजिया से कहे गए शब्दों को याद किया। ऑगस्टिनियन पोप ने सेंट ऑगस्टीन का जिक्र करते हुए कहा, मैं आपके साथ ईसाई हूं और आपके लिए बिशप हूं। आज मैं कह सकता हूं कि आपके लिए और आपके साथ मैं रोमन हूं! पहले रॉबर्ट प्रीवोस्ट ने पोप फ्रांसिस का स्थान लिया है, जो पहले लैटिन अमेरिकी पोप थे। फ्रांसिस का निधन 21 अप्रैल को हुआ था। उन्हें सेंट मैरी मेजर में दफनाया गया। यह डोना के आइकन के पास है, जिसे सैलस पॉपुली रोमानी के नाम से जाना जाता है।

## पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज तुर्किये राष्ट्रपति से मिले : भारत के खिलाफ साथ देने के लिए शुक्रिया भी कहा

**इस्तांबुल, एजेंसी।** पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने रविवार देर रात इस्तांबुल में तुर्किये के राष्ट्रपति रेचप तैयप एर्दोगन से मुलाकात की। इस दौरान शहबाज ने भारत के खिलाफ समर्थन देने के लिए तुर्किये का शुक्रिया अदा किया। दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय संबंधों, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर बातचीत हुई।

राष्ट्रपति एर्दोगन ने कहा, तुर्किये और पाकिस्तान आतंकवाद के खिलाफ मिलकर लड़ते रहेंगे। दोनों देश एक-दूसरे को ट्रेनिंग, खुफिया जानकारी और टेक्नोलॉजिकल सपोर्ट देंगे। इससे दोनों का फायदा होगा। तुर्किये-पाकिस्तान के बीच व्यापार को 5 अरब डॉलर तक पहुंचाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे। एनर्जी, ट्रांसपोर्ट और डिफेंस सेक्टरों में सहयोग को बढ़ाया जाएगा। एर्दोगन ने बताया कि

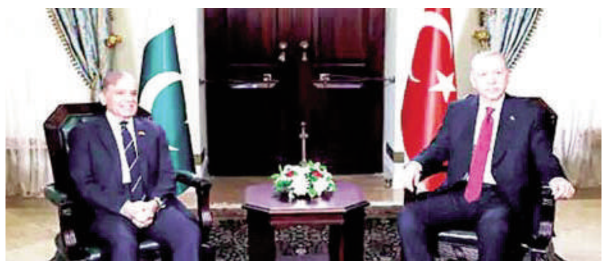

इस्तांबुल-तेहरान-इस्लामाबाद रेलवे लाइन को बेहतर किया जाएगा। साथ ही एजुकेशन सेक्टर में ठोस कदम दोनों देशों के रिश्तों को और मजबूत करेंगे।

22 अप्रैल को पहलगाम हमले के बाद भारत-पाक तनाव बढ़ा, तो तुर्किये-अजरबैजान ने खुलकर पाकिस्तान का समर्थन किया। भारत के खिलाफ इस्तेमाल के लिए पाकिस्तान को ड्रोन्स-हथियार और इन्हें चलाने वाले ट्रेंड लोग भी भेजे। तुर्किये के राष्ट्रपति ने कश्मीर मुद्दे पर मध्यस्थता की पेशकश की थी तुर्किये के राष्ट्रपति रेचेप तैयप एर्दोगन ने 17 मई को कश्मीर मुद्दे को लेकर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से बात की। उन्होंने कहा कि वो कश्मीर मुद्दा सुलझाने के लिए हर मुमकिन कोशिश कर रहे हैं। एर्दोगान ने कहा ने कहा- भगवान का शुक्र है कि दोनों न्यूक्लियर पावर पड़ोसियों में तनाव कम हो गया। तनाव को और बढ़ने से रोकने के लिए, दोनों पक्षों को मौजूदा मुद्दों से निपटने में संयम दिखाना होगा।

# इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन जाने से पहले क्वारंटीन हुए शुभांशु शुक्ला:बोले- पूरा भरोसा कि मिशन सफल होगा

### 8 जून को एक्सिओम मिशन के तहत आईएसएस जाएंगे

**वाशिंगटन, एजेंसी।** इंडियन एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला एक्सिओम मिशन के तहत इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) जाने से पहले क्वारंटीन में चले गए हैं। उनके साथ मिशन के अन्य तीन एस्ट्रोनॉट ने भी शनिवार को क्वारंटीन में प्रवेश किया। शुभांशु ने कहा- मुझे पूरा भरोसा है कि एक्सिओम मिशन सफल होगा। यह कमर्शियल स्पेस फ्लाइट के लिए मील का पत्थर साबित होगा। एक्सिओम स्पेस ने एक कार्यक्रम में मिशन पर जाने वाले क्रू को विदाई दी।

दरअसल, अंतरिक्ष में जाने से पहले क्वारंटीन एक जरूरी फेज होता है। इसमें पूरे क्रू को आइसोलेशन में रखा जाता है, ताकि वो पूरी तरह से स्वस्थ्य रहे और मिशन के दौरान उन्हें कोई संक्रमण ना हो। एक्सिओम मिशन 4 में चार देशों के चार एस्ट्रोनॉट 8 जून को 14 दिन के लिए स्पेस स्टेशन जाने वाले हैं। नासा और इसरो के बीच हुए एग्रीमेंट के तहत ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को इस मिशन के लिए चुना गया है।

शुभांशु के साथ तीन और एस्ट्रोनॉट जाएंगे एक्सिओम 4 मिशन के चालक दल में भारत, पोलैंड और हंगरी के मेंबर शामिल हैं। स्लावोज़ उज़्नान्स्की 1978 के बाद स्पेस में जाने वाले पोलैंड के दूसरे एस्ट्रोनॉट होंगे। टिबोर कापू 1980 के बाद स्पेस में जाने वाले हंगरी के दूसरे एस्ट्रोनॉट होंगे। अमेरिकी की पैगी व्हिटसन का यह दूसरा कॉमर्शियल ह्यूमन स्पेस फ्लाइट मिशन है।

### शुभांशु शुक्ला: एनडीए क्लियर करके आईएएफ पायलट बने

शुभांशु शुक्ला मूल रूप से उत्तर प्रदेश के लखनऊ के रहने वाले हैं। इनकी की शुरुआती पढ़ाई-लिखाई अलीगंज, लखनऊ के सिटी मॉन्टेसरी स्कूल से पूरी हुई। 12वीं के बाद उन्होंने नेशनल डिफेंस एकेडमी (एनडीए) का एंट्रेंस एग्जाम क्लियर किया और यहीं से ग्रेजुएशन की डिग्री हासिल की। एनडीए भारत में सशस्त्र बलों (थल सेना, नौसेना और वायुसेना) के लिए ऑफिसर कैडेट्स को प्रशिक्षण देने वाली एक प्रमुख संस्था है। ये ट्रेनिंग के साथ-साथ एकेडमिक डिग्री भी देती है, जो जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू), नई दिल्ली से एफिलिएटेड होती है।

### 2,000 घंटे से अधिक का फ्लाइंग एक्सपीरियंस

शुभांशु को 17 जून, 2006 को भारतीय वायुसेना के फाइटर विंग में शामिल किया गया। वे एक अनुभवी फाइटर और टेस्ट पायलट हैं। उनके पास 2,000 घंटे से अधिक का फ्लाइंग एक्सपीरियंस है। उन्होंने सुखोई-30 एमकेआई, मिग-21, मिग-29, जगुआर, हॉक, डोर्नियर और एएन-32 जैसे लड़ाकू विमानों को उड़ाया है। इलॉन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स के ड्रैगन कैप्सूल में ये एस्ट्रोनॉट उड़ान भरेंगे। इस मिशन को फाल्कन-9 रॉकेट से फ्लोरिडा में नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च किया जाएगा। लॉन्च की तारीख फाइनल अप्रूवल और मिशन की तैयारियों के अनुसार घोषित होगी।

## राकेश गंगवाल और उनके परिवार ने इंडिगो में 5.7 प्रतिशत हिस्सेदारी बेची

**नई दिल्ली, एजेंसी।** इंटरग्लोब एविएशन के प्रवर्तक राकेश गंगवाल और उनके पारिवारिक ट्रस्ट ने मंगलवार को एयरलाइन में 5.7 प्रतिशत हिस्सेदारी ब्लॉक डील के जरिये करीब 11,385 करोड़ रुपये ( 1.33 अरब अमेरिकी डॉलर ) में बेच दी। सूत्रों ने बताया कि गंगवाल के अलावा, चिन्करपू फैमिली ट्रस्ट, जिसके ट्रस्टी शोभा गंगवाल और डेलावेयर की जेपी मॉर्गन ट्रस्ट कंपनी हैं, ने भी देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो में अपनी हिस्सेदारी बेचने के लेन-देन में भाग लिया है। उन्होंने बताया कि निवेश बैंकिंग फर्म गोल्डमैन सैक्स ( इंडिया ) सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड, मॉर्गन स्टेनली इंडिया कंपनी और जेपी मॉर्गन इंडिया हिस्सेदारी बिक्री के लिए प्लेसमेंट एजेंट हैं। नवीनतम लेनदेन से पहले, गंगवाल और पारिवारिक ट्रस्ट के पास इंडिगो में कुल मिलाकर लगभग 13.5 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। पीटीआई की ओर से देखी गई टर्म शीट के अनुसार, नवीनतम ब्लॉक डील के तहत, 5,175 रुपये प्रति शेयर के फ्लोर प्राइस पर 2.2 करोड़ इक्विटी शेयर बेचे गए। शेयरों की कुल संख्या प्रारंभिक 13.2 मिलियन शेयरों ( 1.32 करोड़ शेयर ) से बढ़ाई गई है। जिनका मूल्य लगभग

803 मिलियन अमेरिकी डॉलर ( लगभग 6,831 करोड़ रुपये ) था। यह उल्लेख पहले टर्म शीट में किया गया था। सोमवार को बंद भाव 5,420 रुपये प्रति शेयर की तुलना में फ्लोर प्राइस 4.5 प्रतिशत कम है। सूत्रों ने बताया कि 2.2 करोड़ शेयरों के बराबर कंपनी में करीब 5.7 प्रतिशत हिस्सेदारी है और न्यूनतम मूल्य के आधार पर पेशकश का आकार करीब 1.33 अरब डॉलर या करीब 11,385 करोड़ रुपये है। बीएसई और एनएसई पर कई चरणों में की जाने वाली शेयर बिक्री पूरी तरह से गौण प्रकृति की है। सौदे की संरचना के भाग के रूप में, विक्रेताओं और उनके निकटतम संबंधियों पर 150 दिन की लॉक-अप अवधि लागू होगी, एक अपवाद को छोड़कर – वे किसी निश्चित मूल्य निर्धारण और लॉक-अप शर्तों के अधीन, किसी एकल निवेशक या निवेशक समूह को बातचीत के माध्यम से कम से कम 300 मिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य के शेयर हस्तांतरित कर सकते हैं। अगस्त 2024 में राकेश गंगवाल के पारिवारिक ट्रस्ट ने एयरलाइन में 5.24 प्रतिशत हिस्सेदारी 9,549 करोड़ रुपये में बेची थी। इससे पहले गंगवाल ने मार्च में इंडिगो के शेयर बेचे थे। शेयर बिक्री गंगवाल द्वारा फरवरी 2022 में सह-संस्थापक राहुल भाटिया के साथ कथित कॉर्पोरेट प्रशासन के मुद्दों पर तीखे विवाद के बाद अपनी शेयरधारिता को कम करने के निर्णय का हिस्सा है। फरवरी 2022 से गंगवाल और उनकी पत्नी शोभा गंगवाल इंडिगो में अपने शेयर बेच रहे हैं। सितंबर 2022 में राकेश गंगवाल और शोभा गंगवाल ने 2.74 प्रतिशत हिस्सेदारी 2,005 करोड़ रुपये में बेची।

## निर्यात से जुड़े नए दिशा-निर्देश किए गए जारी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत सरकार ने अग्रिम प्राधिकरण ( एए ) धारकों, निर्यातोन्मुख इकाइयों ( ईओयू ) और विशेष आर्थिक क्षेत्रों ( एसईजेड ) में काम करने वाली इकाइयों की ओर से किए

गए निर्यात के लिए निर्यात उत्पादों पर शुल्क और करों में छूट ( आरओडीटीईपी ) योजना के तहत लाभ बहाल करने की घोषणा की है। ये लाभ 1 जून 2025 से किए जाने वाले सभी पात्र निर्यातों पर लागू होंगे। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी है।

### एमएसएमई में मझोले उद्योग पिछड़े, सिर्फ 0.3 प्रतिशत का योगदान

# नीति आयोग ने गिनाईं 7 बड़ी चुनौतियां

**नई दिल्ली, एजेंसी।** देश की जीडीपी में करीब 29 फीसदी, निर्यात में 40 फीसदी और रोजगार में 60 फीसदी से अधिक योगदान देने वाला सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र संरचनात्मक विषमताओं से जूझ रहा है। पंजीकृत एमएसएमई में सूक्ष्म उद्यमों की सबसे ज्यादा 97 फीसदी और लघु उद्यमों की 2.7 फीसदी हिस्सेदारी है।एमएसएमई के कुल निर्यात में 40 फीसदी का योगदान देने वाले मझोले उद्यमों का हिस्सा महज 0.3 फीसदी है, जो स्पष्ट रूप से संरचनात्मक विषमता का संकेत है।

नीति आयोग ने सोमवार को 'मझोले उद्यमों के लिए नीति तैयार करना' शीर्षक से जारी रिपोर्ट में कहा, देश का विकास इंजन बनने के लिएमझोले उद्यमों को सात चुनौतियां पार करनी होंगी। ये चुनौतियां हैं...सरकारी योजनाओं के बारे में कम जानकारी, प्रोद्योगिकी अपग्रेडेशन की कमी, कुशल श्रमबल का अभाव, अनुपालन, नवाचार में बाधा, फंडिंग और जमीन-बुनियादी ढांचा। रिपोर्ट में इन उद्योगों की महत्वपूर्ण भूमिका का जिक्र करते हुए उनकी पूरी क्षमता उगाजर करने के लिए लक्षित हस्तक्षेप पर जोर दिया गया है।

**उपलब्ध मदद के बाद भी उपयोग में पिछड़ने की सात वजहें-** सरकारी योजनाओं की कम जानकारी- मझोले उद्योगों को एमएसएमई मंत्रालय की 18 योजनाओं में से 4-5 की ही जानकारी है।इसमें भी सिर्फ 10 फीसदी ने ही कुछ योजनाओं का लाभ उठाया है।10 फीसदी उद्यमों ने ही निवेश मित्र, एनसीडी इंडिया और जेम जैसे पोर्टल का इस्तेमाल किया है।

**कुशल श्रमबल-** कौशल विकास योजनाओं का लाभ नहीं उठाना कुशल श्रमबल की कमी का बड़ा कारणहै।88 फीसदी उद्यम कौशल विकास या प्रशिक्षण योजना का लाभ नहीं उठा रहे हैं।31 फीसदी प्रशिक्षणकार्यक्रमों का अपने लिए प्रासंगिक नहीं मानते हैं।

**फंडिंग-** सस्ता कर्ज नहीं मिलना, पूंजी बाजारों पर सीमित पहुंच और गारंटी की कमी मझोले उद्योगों के लिएफंडिंग की राह में बाधक हैं।बैंक मध्यम उद्योगों को कर्ज देने के लिए बड़ी कंपनियों की तुलना में चार फीसदी अधिक ब्याज वसूलते हैं।

**प्रोद्योगिकी अपग्रेडेशन का अभाव-** 60 फीसदी मझोले उद्यम अब भी पुरानी मशीनरी का इस्तेमाल करते हैं, जिससे उत्पादकता और गुणवत्ता प्रभावित होती है।अधिक लागत नईतकनीक अपनाने की उनकी राह में बड़ी बाधा है।

**नवाचार में बाधा-** मझोले उद्यमों की वृद्धि और प्रतिस्पर्धा के लिए नवाचार महत्वपूर्ण है।फिर भी, इसके लिएउन्हें पर्याप्त समर्थन नहीं मिल रहा है।78 फीसदी उद्यमों को लगता है कि नवाचार को बढ़ावा देने के लिए अतिरिक्त उपायों की जरूरत है। शोध एवं विकास के लिएसमर्पित फंड गेम चेंजर साबित हो सकता है।

**अनुपालन का बोझ-** मझोले उद्योग का मानना है कि उनके लिए अनुपालन जरूरतें एमएसई से अधिक हैं। उन्हें श्रम, स्वास्थ्य, सुरक्षा निरीक्षकों के निरीक्षणों और ऑडिट से गुजरना पड़ता है।

जमीन-बुनियादी ढांचा - सस्ती भूमि और बुनियादी ढांचे तक पहुंच उद्योगों के लिए बड़ा मुद्दा है। पिछले दशक में सिर्फ महाराष्ट्र में ही औद्योगिक भूमि की लागत 150 फीसदी बढ़ी है।

### आयोग ने की मंत्रालय से सिफारिश

आयोग ने एमएसएमई मंत्रालय में एक समर्पित शोध एवं विकास प्रकोष्ठ स्थापित करने सिफारिश की है। यह प्रकोष्ठ राष्ट्रीय महत्व की क्लस्टर आधारित परियोजनाओं के लिए आत्मनिर्भर भारत कोष का लाभ उठाएगा।अनुपालन को सुगम बनाने और उत्पाद की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए परीक्षण एवं प्रमाणन सुविधाओं पर भी ध्यान देने को कहा गया है।

## वोल्वो कार्स लागत घटाने के लिए 3000 नौकरियों में करेगी कटौती; सीईओ बोले- फैसला कठिन, पर महत्वपूर्ण

**नई दिल्ली, एजेंसी।** स्वीडन स्थित वोल्वो कार्स लागत में कटौती कार्यक्रम के तहत 3,000 पदों को समाप्त करने का फैसला किया है। कंपनी ने मोटर वाहन उद्योग में व्यापारिक तनाव और इसके परिणामस्वरूप पैदा हुई आर्थिक अनिश्चितता से चुनौतियों को देखते हुए यह फैसला किया है। कंपनी ने सोमवार को कहा कि लगभग 1,200 नौकरियों में कटौती स्वीडन के कर्मचारियों की होगी। वहीं, वर्तमान में परामर्शदाताओं की आरे से भरे गए 1,000 अन्य पदों को भी समाप्त किया जाएगा। इनमें से अधिकतर छंटनी स्वीडन में होगी।

**सीईओ बोले- हम एक मजबूत और अधिक लचीली वोल्वो कार्स बना रहे-** बाकी नौकरियां अन्य वैश्विक बाजारों में खत्म होंगी। जिन नौकरियों में कटौती की जा रही है, उनमें से अधिकांश दफ्तरों वाले पद हैं। वोल्वो कार्स के अध्यक्ष और सीईओ हाकन सैमुएलसन ने कहा, आज घोषित किए गए निर्णय कठिन हैं, लेकिन वे महत्वपूर्ण कदम हैं क्योंकि हम एक मजबूत और अधिक लचीली वोल्वो कार्स का निर्माण कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ऑटोमोटिव उद्योग एक चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रहा है। इससे निपटने के लिए, हमें अपने नकदी प्रवाह को बेहतर बनाना होगा और संरचनात्मक रूप से अपनी लागत कम करनी होगी। चीन के फर्म गीली के स्वामित्व वाली इस कंपनी में 42,600 पूर्णकालिक कर्मचारी हैं।

**हाल के वर्षों में बढ़ी है कार निर्माता कंपनियों की चुनौतियां-** हाल के वर्षों में दुनियाभर के कार निर्माता कई चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। इसके प्रमुख कारणों में कच्चे माल की बढ़ती लागत, यूरोपीय कार बाजार में गिरावट और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से आयातित कारों और स्टील पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाना शामिल है।

# 8,355 करोड़ में एक सूट... इतने में तो दूर हो जाएगी पाकिस्तान की गरीबी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत के अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में जाने की तैयारी कर रहे हैं। शुक्ला को तीन विदेशी साथियों के साथ प्री-लॉन्च क्वारंटाइन में भेज दिया गया है। उनका मिशन 8 जून को अमेरिका की स्पेस एजेंसी नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च होगा। इसमें एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स के ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट का यूज किया जाएगा। शुभांशु शुक्ला आईएसएस में जाने वाले भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री होंगे। अंतरिक्षयात्रियों के लिए खास तरह के सूट बनाए जाते हैं जो काफी महंगे होते हैं। जानिए कितनी है इसकी कीमत...

नासा के स्पेससूट की कीमत 10 मिलियन डॉलर से 22 मिलियन डॉलर तक हो सकती है। यह कीमत सूट के मॉडल और उसमें मौजूद खूबियों पर निर्भर करती है। ये अंतरिक्ष के खतरनाक माहौल में अंतरिक्षयात्रियों को बचाते हैं। नासा अब ×श्वरू सूट बना रहा है। इस एक सूट की कीमत लगभग 1 अरब डॉलर यानी 8,355 करोड़ रुपये है। यह बहुत महंगा है क्योंकि इसमें नई तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। यह सूट अंतरिक्ष यात्रियों को लंबे मिशन पर सुरक्षित रखेगा। साल 1974 में नासा के अपोलो मिशन में इस्तेमाल हुए सूट की कीमत 15 से 22 मिलियन डॉलर थी। आज के

हिसाब से देखें तो इनकी कीमत 83 से 122 मिलियन डॉलर बैठती है।

**सूट इतने महंगे क्यों होते हैं-** इस सूट का खासियत यह होती है कि यह बहुत गर्म और ठंडे मौसम में अंतरिक्षयात्री को बचाता है। यह -150 से. गिड्री से +120 से. गिड्री के तापमान में भी काम कर सकता है। साथ ही यह अंतरिक्षयात्रियों को रेडिएशन और छोटे-छोटे पत्थरों से भी बचाता है। सूट में ऑक्सीजन, तापमान को कंट्रोल करने और कार्बन डाइऑक्साइड को बाहर निकालने का सिस्टम भी होता है। इन सब चीजों के लिए खास तरह के मटीरियल और तकनीक की जरूरत होती है। इसलिए ये सूट महंगे होते हैं। ये स्पेस सूट बहुत ही खास होता है। यह स्पेस सूट अपने आप में ही एक छोटी स्पेस शिप का काम करता है। इसलिए हर अंतरिक्षयात्री इसे पहनकर ही स्पेस में जाता है। इसके अंदर कंप्यूटर, एयर कंडीशनिंग, ऑक्सीजन, पीने पानी और एक इनबिल्ट टॉयलेट की व्यवस्था भी होती है। ये सभी सुविधाएं अंतरिक्ष यात्रियों के बेहद काम आती हैं। इन्हीं की वजह से ये स्पेस सूट इतना ज्यादा महंगा होता है। इन सुविधाओं की वजह से ही अंतरिक्ष यात्री बिना किसी परेशानी के अपने मिशन को पूरा कर पाते हैं।

**बैकअप की व्यवस्था-** स्पेस सूट में बैकअप की भी व्यवस्था होती है। स्पेस सूट का बैकपैक अंतरिक्षयात्री को ऑक्सीजन गैस प्रदान करने का काम करता है। यह कार्बनडाइऑक्साइड को वापस एक फैन की मदद से बाहर की ओर खींचता है। किसी आपात स्थिति में स्पेस सूट का बैकअप बहुत काम आता है। स्पेस सूट अंतरिक्ष यात्रियों को कई तरह के खतरों से बचाता है। अंतरिक्ष में स्पेस सूट सूर्य की हानिकारक किरणों के साथ वहां के वातावरण से सुरक्षा प्रदान करता है। स्पेस में बहुत ज्यादा ठंड होती है तो कहीं-कहीं सीधी धूप लगने पर काफी गर्मी होती है।

## कंपनी के 'मालिक' बेच रहे हैं 15.02 प्रतिशत हिस्सा, छोटे निवेशक नाखुश

**नई दिल्ली, एजेंसी।** सैजिलिटी इंडिया लिमिटेड के प्रमोटर्स कंपनी में अपनी हिस्सेदारी घटा रहे है। इस कंपनी के प्रमोटर्स 15.02 प्रतिशत हिस्सेदारी घटा रहे हैं। प्रमोटर्स की तरफ से ऑफर फार सेल के जरिए शेयर बेचा जा रहा है। नॉन रिटेल निवेशक आज इस ऑफर फार सेल्स पर दांव लगा पाएंगे।

वहीं, रिटेल निवेशकों के लिए यह ओएफएस कल यानी 28 मई को खुलेगा। बता दें, इस ऑफर फार सेल के लिए फ्लोर प्राइस 38 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। प्रमोटर्स के इस फैसले से निवेशक खुश नजर नहीं आ रहे हैं। आज यानी मंगलवार को कंपनी के शेयरों में लोअर सर्किट लगा है। 5 प्रतिशत की गिरावट के बाद सैजिलिटी इंडिया लिमिटेड के शेयर 40.72 रुपये के लेवल पर पहुंच गया है।

### कौन बेच रहा है कितना शेयर

सैजिलिटी ने 346,132,843 शेयर बेचने का प्रस्ताव दिया है। जोकि कंपनी के 7.39 प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर है। यदि ओवरसब्सक्रिप्शन विकल्प प्रयोग किया जाता है। यह कंपनी 15.02 प्रतिशत हिस्सा के बराबर है।

**क्या है टारगेट प्राइस-** ब्रोकरेज हाउस आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज ने 16 मई को जारी किए गए नोट्स में इस स्टॉक को बाय रेटिंग दी है। ब्रोकरेज हाउस ने 60 रुपये का टारगेट प्राइस सेट किया है। पहले ब्रोकरेज हाउस ने 56 रुपये सेट किया है।

### पिछले साल आया था आईपीओ

यह आईपीओ 5 नवंबर 2024 को ओपन हुआ था। कंपनी के आईपीओ का प्राइस बैंड 30 रुपये प्रति शेयर तय किया गया था। आईपीओ का साइज 2106.60 करोड़ रुपये का है। 3 दिन के सब्सक्रिप्शन के दौरान यह आईपीओ 3.2 गुना सब्सक्रिप्शन प्राप्त हुआ था। रिटेल कैटगरी में यह आईपीओ 4.16 गुना सब्सक्रिप्शन प्राप्त हुआ था।

# 5150 इलेक्ट्रिक बसों की सप्लाई नहीं कर पाई कंपनी !

**नई दिल्ली, एजेंसी।** इलेक्ट्रिक बस बनाने वाली कंपनी ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक लिमिटेड के शेयर आज मंगलवार को कारोबार के दौरान फोकस में हैं। कंपनी के शेयर आज काफी गिर गए हैं। ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक लिमिटेड के शेयर में आज शुरुआती कारोबार के दौरान ही 12 प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई और यह 1180 रुपये के इंट्रा डे लो पर आ गया। शेयरों में इस गिरावट के पीछे एक डील कैंसिल होने की खबर है। दरअसल, महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने अधिकारियों को समय पर डिलीवरी न करने के कारण कंपनी को दिए गए टेंडर ऑर्डर को रद्द करने का निर्देश दिया है।

**क्या है डिटेल-** सरनाईक ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर ओलेक्ट्रा का नाम लिए बिना लिखा कि कंपनी 5,150 लीज्ड बसों की सप्लाई में विफल रही है और उन्होंने अधिकारियों को उक्त समझौते को रद्द करने के लिए कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। यह निर्णय सोमवार शाम को महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एमएसआरटीसी) मुख्यालय में आयोजित बैठक के दौरान लिया गया। मंत्री ने आगे लिखा कि ओलेक्ट्रा को 22 मई तक 1,000 बसों की आपूर्ति के लिए एक संशोधित कार्यक्रम दिया गया था, लेकिन एक भी बस की सप्लाई नहीं की गई, जिससे कंपनी द्वारा बसों की भविष्य में आपूर्ति पर संदेह पैदा हो गया है। मंत्री ने एक्स पर लिखा, इसलिए, यह निर्णय लिया गया कि कंपनी के साथ निविदा समझौता रद्द कर दिया जाना चाहिए। हालांकि, ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक ने ऑर्डर रद्द करने के संबंध में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है।

**कंपनी के शेयरों के हाल-** बता दें कि कंपनी को एमएसआरटीसी से 5,150 इलेक्ट्रिक बसों की आपूर्ति के लिए आशय पत्र दिया गया था। ऑर्डर का मूल्य लगभग 10,000 करोड़ था और अनुबंध अवधि 12 वर्ष थी। एवे को ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक से बसें खरीदनी थीं और फिर उन्हें अगले 24 महीनों (जुलाई 2025 तक) में एमएसआरटीसी को सौंपना था, जबकि ओलेक्ट्रा पूरे कॉन्ट्रैक्ट अवधि के दौरान रखरखाव सेवाएं प्रदान करेगी। घोषणा के बाद उस दिन शेयर में 20 प्रतिशत की उछाल आई थी। जुलाई 2023 और फरवरी 2024 के बीच, ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक के शेयर दोगुना से अधिक हो गया, जिससे प्रति शेयर 2,200 से अधिक का सर्वकालिक उच्च स्तर बन गया।

# भारत में गड़बड़ी कर रहीं चीनी कंपनियां ओप्पो और रियलमी, ऑडिट रिपोर्ट में खुलासा

### सरकार ले सकती है कड़ा एक्शन

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत में चीनी स्मार्टफोन बनाने वाली कंपनियों ओप्पो और रियलमी की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। आरओसी में जमा किए गए दस्तावेजों के अनुसार, इन कंपनियों के ऑडिटरों ने उनकी किताबों, काम करने के तरीकों और अधूरे रेकॉर्ड को लेकर कई सवाल उठाए हैं।

एक्सपर्ट्स का कहना है कि ऑडिटर की रिपोर्ट और टिप्पणियों का निवेशकों, कर्जदाताओं और सरकार पर गहरा असर पड़ सकता है। खासकर ऐसे समय में जब ये चीनी कंपनियां भारत में पिछले चार-पांच सालों से सरकार की कड़ी निगरानी में हैं। सरकार ने इन पर कस्टम ड्यूटी और इनकम टैक्स की चोरी के साथ-साथ मनी लॉन्ड्रिंग जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। अभी इन मामलों की जांच चल रही है और अदालत में मुकदमे भी चल रहे हैं। ओप्पो मोबाइल इंडिया और रियलमी मोबाइल टेलीकम्युनिकेशंस इंडिया, दोनों ही कंपनियां हांगकांग स्थित कंपनियों के जरिए अपने चीनी

मालिकों की पूरी तरह से स्वामित्व वाली कंपनियां हैं।

**ओप्पो की नेटवर्थ हुई नेगेटिव-** ओप्पो भारत में तीसरा सबसे बड़ा स्मार्टफोन ब्रांड है। इसके ऑडिटर ने आरओसी रिपोर्ट में कहा है कि कंपनी को पिछले सालों में भारी नुकसान हुआ है, जिसके कारण उसकी नेटवर्थ नेगेटिव हो गई है। इसका मतलब है कि कंपनी के पास जितनी संपत्ति है, उससे ज्यादा कर्ज है। ऑडिटर ने यह भी कहा कि कंपनी का कर्ज और इक्विटी का अनुपात ठीक नहीं है, जिससे उसकी वित्तीय स्थिति और कर्ज चुकाने की क्षमता पर सवाल उठते हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, एफवाय24 में ओप्पो इंडिया की नेटवर्थ नेगेटिव 3,551 करोड़ रुपये है।

**कंपनी के भविष्य पर संदेह-** ऑडिटर ने रिपोर्ट में यह भी कहा है कि कंपनी कई कानूनी मामलों में फंसी हुई है और सरकार की जांच भी चल रही है। इनका क्या नतीजा होगा, यह कहना मुश्किल है और इसका कंपनी की वित्तीय स्थिति और कामकाज पर बुरा असर पड़ सकता है। ऑडिटर ने आगे कहा कि इन हालातों को देखते हुए कंपनी के भविष्य पर संदेह होता है। यानी कंपनी शायद आगे भी अपना कारोबार जारी रख पाए या नहीं, इस पर सवाल है। हालांकि ओप्पो इंडिया ने रिपोर्ट में कहा है कि एफवाय24 में कंपनी को मुनाफा हुआ है और वह आगे भी मुनाफा कमाने और अपना कारोबार चलाने में सक्षम होगी।

### ओप्पो पर कितना कर्ज

एफवाय24 में ओप्पो इंडिया पर 2,082 करोड़ रुपये का कर्ज था। इसमें से 1,668 करोड़ रुपये का कर्ज उसकी पैरेंट कंपनी से और 414 करोड़ रुपये का कर्ज एचएसबीसी बैंक से लिया गया था। इसके अलावा, कंपनी पर 2,085 करोड़ रुपये का चालू कर्ज भी था।

हालांकि, ओप्पो इंडिया ने रिपोर्ट में कहा है कि एफवाय24 में कंपनी को मुनाफा हुआ है और वह आगे भी मुनाफा कमाने और अपना कारोबार चलाने में सक्षम होगी। कंपनी ने यह भी कहा है कि उसे भरोसा है कि वह वर्किंग कैपिटल मैनेजमेंट और बैंकों या अपनी पैरेंट कंपनी से शॉर्ट-टर्म फंड लेकर किसी भी तरह की कैश फ्लो की समस्या को दूर कर लेगी।

### रियलमी की क्या स्थिति

रियलमी भारत में पांचवां सबसे बड़ा मोबाइल फोन ब्रांड है। इसके ऑडिटर ने कंपनी के काम करने के तरीकों और रेकॉर्ड रखने में कमियां बताई हैं। ऑडिटर को कुछ खातों की सटीकता और एफवाय24 के लाभ और हानि खातों की पूरी जानकारी पर भी संदेह है।

इन सभी बातों को देखते हुए, ओप्पो और रियलमी के लिए आगे की राह आसान नहीं होने वाली है। सरकार की कड़ी निगरानी और ऑडिटरों की आपत्तियों के कारण इन कंपनियों को अपनी वित्तीय स्थिति और कामकाज में सुधार करना होगा।

## नवरत्न कंपनी को आंध्र प्रदेश पुलिस ने दिया 25,12,94,570 का काम

**नई दिल्ली, एजेंसी।** नवरत्न कंपनी रेलटेल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया को 25 करोड़ रुपये का काम आंध्र प्रदेश पुलिस ने दिया है। आंध्र प्रदेश पुलिस सिक्योरिटी और सर्विलांस इंफ्रास्ट्रक्चर को और मजबूत बनाना चाह रही है। जिसमें अब रेलटेल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया की सहायता ली जाएगी। बीएसई में मंगलवार को कंपनी के शेयर 383.05 रुपये के लेवल पर खुला था। सरकारी कंपनी के शेयरों का इंट्रा-डे हाई 393.20 रुपये आज रहा है। बता दें, कंपनी को यह वर्क ऑर्डर ऐसे समय में मिला है जब चौथी तिमाही के दौरान रेलटेल कॉरपोरेशन का प्रदर्शन शानदार रहा है।

**25,12,94,570 रुपये का मिला काम-** रेगुलेटरी को दी जानकारी में 27 मई को रेलटेल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने बताया कि आंध्र प्रदेश के इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस की तरफ से काम मिला है।

# जितेश की पारी IPL के वर्तमान सत्र की सर्वश्रेष्ठ पारी है: टॉम मूडी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** ऑस्ट्रेलिया के पूर्व हरफनमौला खिलाड़ी टॉम मूडी ने कहा कि मंगलवार को लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ जितेश शर्मा की असाधारण पारी इंडियन प्रीमियर लीग के वर्तमान सत्र की सर्वश्रेष्ठ पारी है।

कार्यवाहक कप्तान जितेश ने 33 गेंदों पर नाबाद 85 रन की शानदार पारी खेलकर अपनी टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को आईपीएल के पहले क्वालीफायर में पहुंचा दिया। जब विराट कोहली का विकेट गिरने के बाद जितेश क्रीज पर आए, तब आरसीबी को 228 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 52 गेंदों पर 105 रन की जरूरत थी। जितेश ने इससे पहले वर्तमान सत्र में कोई अर्धशतक नहीं लगाया था लेकिन उन्होंने महत्वपूर्ण मौके पर आकर्षक पारी खेली।

मूडी ने कहा, 'मेरे लिए यह पारी आईपीएल के वर्तमान सत्र की सर्वश्रेष्ठ पारी है। हमने युवा और अनुभवी खिलाड़ियों की कुछ बेहतरीन पारियां देखी हैं, लेकिन यह पारी वाकई उल्लेखनीय है। उन्होंने कहा, 'परिस्थितियां पूरी तरह से प्रतिकूल थी लेकिन उन्होंने इस पर ध्यान नहीं दिया और मैच का पासा पलट दिया। उन्होंने पूरी चतुराई से बल्लेबाजी की। वह जिस तरह से खेल रहे थे उसे देखकर लग रहा था कि वह इससे पहले भी कई बार ऐसा कर चुके हैं।

# वैभव सूर्यवंशी ने दुनिया के 58 बल्लेबाजों के बीच मारी बाजी, बने नंबर 1

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भइया अब तो कहना ही पड़ेगा, वैभव सूर्यवंशी जैसा कोई नहीं. अब जिस नन्हें खिलाड़ी ने दुनिया के 58 बल्लेबाजों के बीच बाजी मारी हो, उसके बारे में ऐसा नहीं कहेंगे तो और क्या कहेंगे? 58 बल्लेबाजों के बीच अपने दबदबे की कहानी लिख 14 साल के वैभव सूर्यवंशी नंबर 1 भी बन गए हैं. अब आप सोच रहे हैं कि वैभव सूर्यवंशी ने कारनामा किया कहां? और कब किया? तो इन सवालों का जवाब आईपीएल से ही जुड़ा है.

**इन 58 बल्लेबाजों के बीच वैभव सूर्यवंशी छाए:** सबसे पहले तो ये जान लीजिए कि वो 58 बल्लेबाज हैं कौन, जिनके बीच वैभव सूर्यवंशी ने अपने नाम का डंका पीटा है. वो सभी बल्लेबाज आईपीएल में धूम मचा चुके हैं. दरअसल, ये उन बल्लेबाजों की संख्या है, जिन्होंने अभी तक आईपीएल में शतक जड़ा है. और, वैभव सूर्यवंशी आईपीएल में शतक लगाने वाले उन सारे बल्लेबाजों के बीच नंबर वन पर हैं.

**वैभव सूर्यवंशी ने यशस्वी जायसवाल का रिकॉर्ड तोड़ा:** अब अगर बाउंड्री पर्सेन्टेज निकालें तो वैभव सूर्यवंशी ने 93 प्रतिशत रन अपनी सेंचुरी के दौरान सिर्फ चौके-छक्के लगाकर बनाए थे, जो कि एक रिकॉर्ड है. वैभव सूर्यवंशी ने इस मामले में अपने ही टीममेट और ओपनिंग पार्टनर यशस्वी जायसवाल के रिकॉर्ड को तोड़ा है. यशस्वी जायसवाल ने जब आईपीएल 2023 में मुंबई इंडियंस के खिलाफ शतक जड़ा था तो उसमें 90 प्रतिशत रन बाउंड्री से बनाए थे.

**सनथ जयसूर्या नंबर 3, गिलक्रिस्ट चौथे नंबर पर:** वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल के बाद तीसरे नंबर पर श्रीलंका के पूर्व ओपनर सनथ जयसूर्या हैं. उन्होंने आईपीएल 2008 में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ जमाए अपने शतक में 89 प्रतिशत रन बाउंड्री से बनाए थे. जबकि उसी आईपीएल सीजन में एडम गिलक्रिस्ट ने जब मुंबई इंडियंस के खिलाफ शतक लगाया था तो उसमें 88 प्रतिशत रन बाउंड्री से मारे थे.

### इस मामले में नंबर 1 बने वैभव सूर्यवंशी

अब वैभव सूर्यवंशी नंबर वन तो हैं मगर किस मामले में? क्योंकि, ना ही उनका शतक सबसे तेज है और ना ही उनका बनाया स्कोर सबसे बड़ा. वैभव सूर्यवंशी जिस मामले में 58 बल्लेबाजों के बीच बाजी मारने में कामयाब रहे हैं, वो है उनकी सेंचुरी में मौजूद बाउंड्री पर्सेन्टेज. 14 साल के बाएं हाथ के बल्लेबाज ने आईपीएल 2025 में गुजरात टाइटंस के खिलाफ सिर्फ 35 गेंदों में शतक जड़ दिया था. वैभव सूर्यवंशी ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 38 गेंदों पर 265.78 की स्ट्राइक रेट से 101 रन बनाए थे, जिसमें 7 चौके और 11 छक्के शामिल रहे थे. मतलब उन्होंने अपनी सेंचरी में 94 रन सिर्फ बाउंड्री से बनाए थे.

# भारत के खिलाफ श्रृंखला में होगी क्रॉली और पोप की असली परीक्षा: ज्योफ्री बॉयकॉट

**लंदन, एजेंसी।** अपने जमाने के दिग्गज बल्लेबाज ज्योफ्री बॉयकॉट इस बात से सहमत नहीं हैं कि जिम्बाब्वे के खिलाफ शतक बनाने के बावजूद इंग्लैंड के जैक क्रॉली और ओली पोप अपनी 'तकनीकी और मानसिक समस्याओं से उबर चुके हैं और उनका मानना है कि उन्हें असली चुनौती अगले महीने भारत के खिलाफ होने वाली पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला में मिलेगी।

क्रॉली के लिए पिछले कुछ महीने काफी कठिन रहे हैं। न्यूजीलैंड में वे संघर्ष करते रहे, जहां उनका औसत 9 से कम रहा और वे सभी छह पारियों में मैट हेनरी के हाथों आउट हुए। पोप के लिए भी 2024 उतार-चढ़ाव भरा रहा। हैदराबाद में भारत के खिलाफ पहले टेस्ट में 196 रन की शानदार पारी खेलने के बाद उनके प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव रहा। बॉयकॉट ने डेली टेलीग्राफ में अपने कॉलम में लिखा, 'हम अभी इस नतीजे पर नहीं पहुंच सकते हैं कि क्रॉली और पोप ने अपनी तकनीकी और मानसिक समस्याओं को सुलझा

लिया है, जो उनके करियर को प्रभावित कर रही थीं, क्योंकि जिम्बाब्वे की गेंदबाजी बहुत औसत दर्जे की थी। इंग्लैंड के शीर्ष तीन बल्लेबाजों क्रॉली, बेन डकेट और पोप ने शतक लगाए, जिससे मेजबान टीम ने जिम्बाब्वे के खिलाफ अपनी पारी छह विकेट पर 565 रन बनाकर समाप्त घोषित की। इंग्लैंड ने यह एकमात्र टेस्ट मैच पारी और 45 रन से जीता था।

बॉयकॉट ने कहा, 'वे मध्यम गति के गेंदबाज थे, जो क्रॉली और पोप की बल्लेबाजी में किसी भी तरह की खामी को उजागर करने के लिए पर्याप्त अच्छे नहीं थे। हमें भारत के खिलाफ श्रृंखला तक इंतजार करना होगा, ताकि यह देखा जा सके कि बेहतर गेंदबाजों के खिलाफ वास्तव में कोई सुधार हुआ है या नहीं। यह उनके लिए असली परीक्षा होगी और इससे हम बेहतर आकलन कर सकते हैं कि वह अभी किस स्थिति में हैं। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला का पहला मैच 20 जून से लीड्स में खेला जाएगा। इंग्लैंड को इसके बाद एशेज श्रृंखला खेलने के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करना है जिसका पहला मैच 21 नवंबर को शुरू होगा।

# पंत की क्षमता और योग्यता पर कभी संदेह नहीं था: जहीर खान

**लखनऊ, एजेंसी।** ऋषभ पंत इंडियन प्रीमियर लीग के वर्तमान सत्र में भले ही अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए लेकिन लखनऊ सुपर जाइंट्स के मेंटोर (मार्गदर्शक) जहीर खान ने कहा है कि इस विकेटकीपर बल्लेबाज की क्षमता और योग्यता पर कभी संदेह नहीं रहा। मेगा नीलामी में 27 करोड़ रुपए की भारी भरकम कीमत पर खरीदे गए पंत ने 13 पारियों में सिर्फ 269 रन बनाए।

उन्होंने टीम के सत्र के आखिरी मैच में 61 गेंदों पर 118 रन बनाए लेकिन इसके बावजूद उनकी टीम को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से हार का सामना करना पड़ा। जहीर ने मैच के बाद कहा, 'उन्होंने कप्तान के रूप में वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया। यह पूरे सत्र में हमारे लिए सकारात्मक पहलू रहा। बल्ले से उनका प्रदर्शन निश्चित रूप से उनके लिए सीखने वाला अनुभव रहा, क्योंकि इस तरह का सत्र उनके लिए काफी महत्वपूर्ण था। उन्होंने कहा, 'लेकिन उनकी योग्यता और क्षमता पर किसी को कोई संदेह नहीं था। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा कि इस आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज को शानदार प्रदर्शन करते हुए सत्र का अंत करते देखना अच्छा लगा। जहीर ने कहा, 'हमें खुशी है कि उन्होंने बहुत अच्छे प्रदर्शन के साथ सत्र का समापन किया। उनकी क्षमता ऐसी है और वे खेल पर बहुत प्रभाव डाल सकते हैं। लखनऊ के लिए यह सत्र निराशाजनक रहा तथा वह छह जीत और आठ हार के साथ सातवें स्थान पर रहा। प्रमुख गेंदबाजों की चोटों के कारण उसकी लय और निरंतरता बाधित हुई। जहीर ने कहा, 'जब आप आईपीएल सत्र की शुरुआत करते हैं, तो आपका पहला लक्ष्य प्लेऑफ के बारे में सोचना होता है, कि आप वहां कैसे पहुंचेंगे। हमारे कुछ मुख्य गेंदबाज चोटिल होने के कारण बाहर हो गए थे और हमने इन चुनौतियों से निपटने के लिए अपनी तरफ से अच्छे प्रयास किये। हमारे बल्लेबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया और यह हमारे लिए सकारात्मक पहलू रहा।

# जोकोविच ने मैकडोनाल्ड के खिलाफ सीधे सेटों में जीत दर्ज की

**पेरिस, एजेंसी।** नोवाक जोकोविच ने मंगलवार को अपने 2025 रौलां गैरो अभियान की शुरुआत अपने ट्रेडमार्क अंदाज में की, उन्होंने कोर्ट फिलिप-चैटियर पर पहले दौर में आत्मविश्वास और संयम के साथ प्रदर्शन करते हुए अमेरिकी मैकेंजी मैकडोनाल्ड को 6-3, 6-3, 6-3 से हराया। यह जीत जोकोविच द्वारा जिनेवा ओपन में अपना 100वां टूर-लेवल खिताब जीतने के ठीक तीन दिन बाद मिली।

मैकडोनाल्ड के खिलाफ अपना पहला एटीपी हेड2हेड मैच खेलते हुए, जोकोविच एक घंटे, 58 मिनट के मुकाबले में पूरे नियंत्रण में थे। मैच की शुरुआत में हवा की स्थिति ने कुछ अप्रत्याशितता पैदा की, लेकिन बारिश के कारण दूसरे सेट के बीच में छत बंद हो गई। तब तक, सर्बियाई खिलाड़ी ने पहले ही गति पकड़ ली थी, उन्होंने शुरुआती सेट में 2-2 से सात में से छह गेम जीत लिए थे।

इस जीत ने रौलां गैरो के पहले दौर के मैचों में जोकोविच के शानदार रिकॉर्ड को 20-0 तक पहुंचा दिया है। 2010 के बाद से उन्होंने क्ले-कोर्ट मेजर में ओपनर में एक भी सेट नहीं गंवाया है, जब उन्होंने चार सेटों में एवगेनी कोरोलेव को हराया था। जोकोविच ने कोर्ट पर दिए अपने इंटरव्यू में फ्रेंच में कहा, ÷मैं इस बेहद खास और खूबसूरत कोर्ट पर हर पल का लुत्फ उठाने की कोशिश करता हूं।मैं यहां अच्छा महसूस कर रहा हूँ, जाहिर है, और भी ज्यादा क्योंकि मैं पिछले साल के ओलंपिक की

यादों को फिर से जी रहा हूं, पिछली बार जब मैंने इस कोर्ट पर खेला था। वे खूबसूरत भावनाएं हैं। मैकडोनाल्ड ने प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए संघर्ष किया और दूसरे सेट में अंतर को कम करने के लिए सर्विस का एक ब्रेक हासिल किया, लेकिन जोकोविच ने तुरंत वापसी की और इसे बंद कर दिया। एटीपी स्टैट्स के अनुसार, 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने नौ में से पांच ब्रेकपॉइंट को कन्वर्ट किया और मैकडोनाल्ड के आक्रमण को रोकने के लिए बेसलाइन से लगातार शॉट्स में गहराई बनाए रखी।

एटीपी रैंकिंग में नंबर 6 पर काबिज जोकोविच 2024 में रौलां गैरो में क्वार्टर फाइनल में पहुंचे, इससे पहले कि घुटने की चोट के कारण उन्हें वापस हटना पड़ा। उन्होंने उसी कोर्ट पर ओलंपिक स्वर्ण जीतने के लिए साल के अंत में वापसी की। इस खेल में इतिहास ने मुझे मेरे जीवन में सब कुछ दिया है, यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। मैं हमेशा जहां भी संभव हो इतिहास बनाने की कोशिश करता हूं... मैं जितने भी टूर्नामेंट खेलता हूं, जितने भी अभ्यास करता हूं, जितने भी मैच खेलता हूं, और खासकर दुनिया के सबसे बड़े टूर्नामेंट के दौरान। सर्बियाई खिलाड़ी ने कहा, ÷मेरे पास और अधिक इतिहास रचने का अवसर है और यह प्रतियोगिताओं के लिए मेरी सबसे बड़ी प्रेरणाओं में से एक है, ताकि मैं काम करना जारी रख सकूं और खुद को बेहतर बना सकूं। जोकोविच का सामना अब दूसरे दौर में कोरेंटिन मौटेट या क्वालीफायर क्लेमेंट टैबूर से होगा।

# गुकेश की नॉर्वे चेस टूर्नामेंट में लगातार दूसरी हार, दूसरे राउंड में अर्जुन ने हराया

**नई दिल्ली, एजेंसी।** मौजूदा वर्ल्ड चेस चैंपियन डी गुकेश की नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट 2025 में शुरुआत बेहद खराब रही। उन्हें शुरुआती दोनों मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा। मंगलवार को खेले गए दूसरे राउंड में उन्हें हमवतन अर्जुन एरिगैसी ने हराया। इस हार के बाद गुकेश स्टैंडिंग में सबसे निचले छठे स्थान पर पहुंच गए हैं। इससे पहले, उन्हें पहले राउंड में पांच बार के वर्ल्ड चैंपियन और मौजूदा वर्ल्ड नंबर-1 मैग्नस कार्लसन के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था।

तीसरे राउंड में हिकारू से भिड़ेंगे गुकेश इस जीत से अर्जुन दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। टॉप पर अमेरिका के हिकारू नाकामुरा हैं। एक अन्य मुकाबले में हिकारू ने मैग्नस कार्लसन को हरा दिया। तीसरे राउंड में गुकेश का सामना हिकारू से होगा। कौन हैं डी गुकेश? गुकेश डी का पूरा नाम डोम्माराजू गुकेश है। वह चेन्नई के रहने वाले हैं। गुकेश का जन्म चेन्नई में 7 मई 2006 को हुआ था। उन्होंने 7 साल की उम्र में ही शतरंज खेलना शुरू कर दिया था। उन्हें शुरू में भास्कर नागैया ने कोचिंग दी थी। नागैया इंटरनेशनल चेस खिलाड़ी रहे हैं और चेन्नई में चेस के होम ट्यूटर हैं। इसके बाद विश्वनाथन आनंद ने गुकेश को खेल की जानकारी देने के साथ कोचिंग दी। गुकेश के पिता डॉक्टर हैं और मां पेशे से माइक्रोबायोलॉजिस्ट हैं।

गुकेश मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन गुकेश ने दिसंबर में सिंगापुर में खेले गए वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप में चीन के डिंग लिरेन को 7.5-6.5 से फाइनल में हराकर खिताब जीता था। 18 साल की उम्र में वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप जीतने वाले गुकेश दुनिया के पहले प्लेयर हैं। इससे पहले 1985 में रूस के गैरी कैस्परोव ने 22 साल की उम्र में यह खिताब जीता था।

गुकेश ने चीनी खिलाड़ी को 14वें गेम में हराकर यह टाइटल जीता था। 25 नवंबर को चैंपियनशिप का फाइनल शुरू हुआ था, 11 दिसंबर तक दोनों के बीच 13 गेम खेले गए। गुकेश ने चेस ओलिंपियाड भी जिताया था 10 से 23 सितंबर तक पिछले साल बुडापेस्ट में चेस ओलिंपियाड का आयोजन हुआ था। भारत ओपन और विमेंस दोनों कैटेगरी में चैंपियन बना था।

# रेसलिंग की जगह मरीन कॉर्प्स में भर्ती होना चाहते थे जॉन सीना

**नई दिल्ली, एजेंसी।** डब्ल्यूडब्ल्यूई को जॉन सीना जैसा गोट (ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम) शायद कभी नहीं मिलता। एक समय ऐसा था जब जॉन सीना रेसलिंग में आने ही नहीं वाले थे। डब्ल्यूडब्ल्यूई में कई बड़े सितारे हुए हैं जिन्होंने अलग-अलग दौर में अपना नाम बनाया है।

जॉन सीना भी उनमें से एक हैं। अनसीन 17 प्रोफेशनल रेसलिंग में बहुत बड़ा नाम है और डब्ल्यूडब्ल्यूई का चेहरा भी रहे हैं। लेकिन, अगर जॉन सीना ने कोई और रास्ता चुना होता तो कंपनी को ऐसा GOAT कभी नहीं मिल पाता। दरअसल, जॉन सीना एक समय मरीन कॉर्प्स में भर्ती होना चाहते थे। उसी समय उन्हें कुश्ती का भी ऑफर मिला।

**जॉन सीना ने कैसे चुनी रेसलिंग**

जॉन सीना ने स्टेफनी मैकमैहन के नए शो स्टेफनी प्लेसेस पर अपने संघर्ष के दिनों की एक कहानी बताई। उन्होंने बताया कि शारीरिक गतिविधियों में रुचि होने के बाद वे मरीन कॉर्प्स में जाना चाहते थे। उन्हें लगता था कि यह उनके लिए सही रहेगा। जॉन सीना ने मरीन में भर्ती होने का फैसला कर लिया था। लेकिन, उसी हफ्ते उनके एक दोस्त ने उन्हें ऑरेंज काउंटी में एक ट्रेनिंग सेशन के लिए बुलाया। द फेस दैट रन्स द प्लेस ने वहां जाने का फैसला किया। रिंग देखकर उन्हें रेसलिंग से प्यार हो गया। फिर उन्होंने हफ्ते में एक नौकरी करने और वीकेंड पर रेसलिंग करने का फैसला किया। अगर जॉन सीना उस वीकेंड मरीन में भर्ती होने चले जाते, तो डब्ल्यूडब्ल्यूई को उनका एक बड़ा नाम कभी नहीं मिलता। रेसलिंग की दुनिया भी बहुत अलग होती। लेकिन, सीना ने उस ट्रेनिंग सेशन में जाने का फैसला किया और डब्ल्यूडब्ल्यूई में शामिल हो गए। 25 साल बाद, उन्हें गोट के रूप में जाना जाता है। वे 17 बार डब्ल्यूडब्ल्यूई चैंपियन रह चुके हैं।

### डब्ल्यूडब्ल्यूई में सीना का योगदान काफी अहम

जॉन सीना की कहानी प्रेरणादायक है। यह हमें सिखाती है कि हमें अपने सपनों को कभी नहीं छोड़ना चाहिए। हमें हमेशा अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रयास करते रहना चाहिए। डब्ल्यूडब्ल्यूई में जॉन सीना का योगदान बहुत बड़ा है। उन्होंने डब्ल्यूडब्ल्यूई को दुनिया भर में लोकप्रिय बनाया है। वे डब्ल्यूडब्ल्यूई के सबसे बड़े सितारों में से एक हैं।

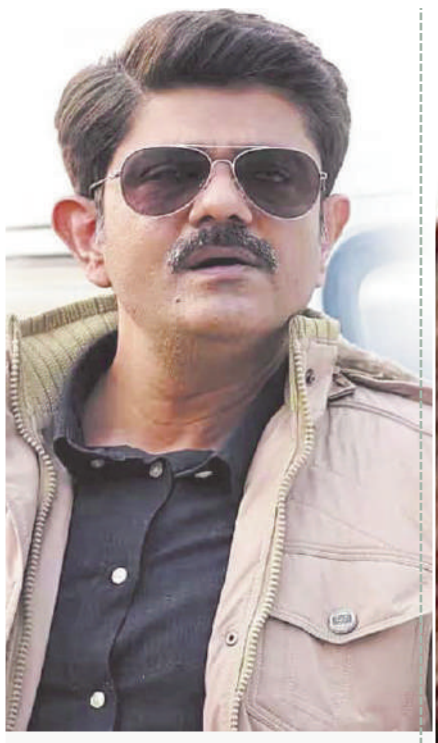

# सिनेमा उद्योग में फिल्मों के बढ़ते बजट पर बोले अमित

अभिनेता अमित सियाल इस समय अपनी फिल्म रेड 2 से चर्चा में हैं, जिसमें उन्होंने ऑफिसर की भूमिका अदा की है। अब अभिनेता ने फिल्म इंडस्ट्री में बढ़ते बजट और कलाकारों की हाई फीस पर प्रतिक्रिया दी है और कहा कि निर्माताओं को अपना स्टैंड लेने की जरूरत है। आइए जानते हैं उन्होंने क्या कहा।

## अमित ने फिल्मों के बढ़ते बजट की बताई वजह

अमित सियाल ने हिंदी रश के साथ बातचीत की। उस दौरान अभिनेता से अनुराग कश्यप की टिप्पणी को लेकर सवाल किया गया, जिस पर अमिल सियाल ने बिना किसी का नाम लिए जवाब दिया। उन्होंने कहा, 'आप किसी ऐसे व्यक्ति को फिल्म में लेते हैं जो बहुत ऊंचे स्थान पर है। आप एक फिल्म निर्माता के रूप में उसके पास जाते हैं और यह अच्छी तरह जानते हुए कि वह एक व्यक्ति और एक्टर के रूप में कैसा है। यह उम्मीद करना कि लोग अचानक एक अच्छे एक्टर या व्यक्ति में बदल जाएंगे और उन्हें अपने स्तर पर लाएंगे, सिर्फ इसलिए कि आपने एक बेहतरीन स्क्रिप्ट लिखी है, यह भ्रम है। वो अपने जीवन से प्रतिदिन आप जैसे 500 लोगों को बाहर फेंक देते हैं।'

## शिकायत करने की वजह नहीं है

आगे बातचीत करते हुए अभिनेता ने कहा, मैं समझता हूं कि लागत बहुत ज्यादा है, लेकिन आप जिस तरह की फिल्म बनाना चाहते हैं, उसके लिए आप गलत लोगों को नहीं चुन सकते। आप एक बड़ा सितारा चाहते हैं जो आपको दर्शकों की गारंटी दे, फिर आपको बिना शिकायत किए ये लागतें सहन करनी होंगी। शिकायत करने की कोई वजह नहीं है, अगर आपको लगता है कि कुछ गलत हो रहा है तो ऐसा न करें। किसी ने आपके सिर पर बंदूक नहीं तान रखी है।'

## अनुराग कश्यप की किस टिप्पणी पर बोले अमित

अनुराग कश्यप ने लगभग एक साल पहले ह्यूमंस ऑफ सिनेमा के साथ एक इंटरव्यू में अपनी बात रखी थी। उन्होंने कहा था कि अक्सर फिल्म के बजट का एक बड़ा हिस्सा वास्तव में फिल्म बनाने में नहीं जाता है, बल्कि यह साज-सज्जा, एक्टर्स द्वारा दूर-दराज इलाके में खान-पान चीजों की मांग में जाता है।

# बिना फायदे वाली चीज पर ध्यान नहीं देती

अभिनेत्री खुशी कपूर अकसर लोगों की आलोचनाओं का शिकार होती हैं। उनकी पहली फिल्म द आर्चीज को अच्छी प्रतिक्रिया नहीं मिली थी। उनकी दूसरी फिल्म नादानियां भी लोगों को पसंद नहीं आई। हाल ही में एक इंटरव्यू में अभिनेत्री ने कहा कि हर फिल्म उनके लिए सीखने का मौका है।

## फिल्मों में काम करके हुई सहज

बातचीत में लवयापा अभिनेत्री ने माना कि उन्हें हमेशा से फिल्मों से प्यार रहा है। तीन फिल्मों के बाद वह अपने लिए एक मुकाम पाने में बहुत सहज हो गई हैं। उन्होंने कहा अभिनय के प्रति मेरा प्यार हमेशा से रहा है क्योंकि मैं फिल्म सेट के आस-पास ही पली-बढ़ी हूं। अगर आप खुद कोई विकल्प चुनते हैं तो यह बहुत आसान होता है। मुझे लगता है कि मेरे पास कहने के लिए कुछ है क्योंकि मैंने तीन फिल्में की हैं। मैं अपने विचारों और सोच को थोड़ा और व्यक्त कर सकती हूं।

## आलोचनाओं को स्वीकार करना सीख लिया

खुशी ने कहा मुझे लगता है कि जब मैंने शुरुआत की थी, तो मैं बस चुप रहती थी और सुनती थी। इसलिए अब मुझे लगता है कि जब मैं लोगों के साथ काम करती हूं तो मैं अपने विचार व्यक्त कर सकती हूं। 24 साल की खुशी को अब तक फिल्मों के लिए बहुत अच्छी समीक्षा नहीं मिली है, लेकिन खुशी जोर देकर कहती हैं कि उन्होंने बाकी आलोचनाओं को छोड़ते हुए रचनात्मक आलोचना को स्वीकार करना सीख लिया है।

## बिना फायदे वाली आलोचना सुनने का कोई मतलब नहीं

खुशी कपूर ने बताया जब आप कुछ पढ़ते हैं या किसी से बात करते हैं तो आप बता सकते हैं कि वे जो कह रहे हैं उसका क्या मतलब है। मुझे लगता है कि रचनात्मक आलोचना को स्वीकार करना जरूरी है। अगर कोई आलोचना वास्तव में आपकी मदद नहीं कर रही है, तो मुझे नहीं लगता कि इसे सुनने का कोई मतलब है।

## खुशी कपूर की फिल्में

आपको बता दें खुशी कपूर ने जोया अख्तर के निर्देशन में बनी फिल्म द आर्चीज 2023 में बेट्टी कूपर की भूमिका निभाई थी। एक्ट्रेस ने 2025 में दो फिल्मों में काम किया। पहली जुनैद खान अभिनीत लवयापा और दूसरी नादानियां। नादानियां में इब्राहिम अली खान ने अभिनय किया है।

# संदीप रेड्डी वांगा की 'स्पिरिट' से बाहर हुईं दीपिका?

'कबीर सिंह' और 'एनीमल' जैसी सुपरहिट फिल्में बनाने वाले निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा इन दिनों अपने नए प्रोजेक्ट 'स्पिरिट' को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। इस फिल्म में बाहुबली स्टार प्रभास मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। उनके साथ अभिनेत्री दीपिका पादुकोण के फिल्म में कास्ट किए जाने की चर्चाएं थीं। लेकिन अब इस फिल्म में दीपिका पादुकोण को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। ये खबर बेशक दीपिका के फैंस का दिल तोड़ देगी। 'स्पिरिट' की स्टारकास्ट को लेकर अब एक नई खबर सामने आ रही है। कई मीडिया रिपोर्ट्स में ये दावा किया जा रहा है कि फिल्म से दीपिका पादुकोण की छुट्टी हो गई है। तेलुगु इंडस्ट्री की कई रिपोर्ट्स में ये कहा जा रहा है कि दीपिका पादुकोण अब इस फिल्म का हिस्सा नहीं रही गई हैं। हालांकि, इस पर अभी तक दीपिका या फिल्म के मेकर्स की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। लेकिन रिपोर्ट्स के हवाले से ये खबर काफी तेज फैल रही है। हालांकि, अभी तक इस खबर की पुष्टि नहीं हुई है। ऐसे में दीपिका के फिल्म से बाहर होने के पीछे भी कई तरह के कारण बताए जा रहे हैं। रिपोर्ट्स में ये कहा जा रहा है कि सेट पर काम करने के घंटों को लेकर भी दीपिका और मेकर्स के बीच सहमति नहीं बन पा रही है। वहीं कुछ रिपोर्ट्स में ये भी दावा किया जा रहा है कि दीपिका ने फिल्म के लिए 20 करोड़ रुपए की मोटी रकम की मांग की। जो उनकी अब तक की सबसे ज्यादा फीस है। जबकि दीपिका ने अपनी लाइनें भी खुद बोलने से इंकार कर दिया। जिसके बाद संदीप रेड्डी वांगा और दीपिका के बीच तालमेल बिगड़ गया। नतीजा दीपिका को फिल्म से बाहर कर दिया गया। रिपोर्ट्स में ये भी कहा जा रहा है कि दीपिका के बाहर होने के बाद अब मेकर्स फिल्म की नई हीरोइन की तलाश कर रहे हैं। इससे पहले दीपिका की प्रेग्नेंसी की वजह से फिल्म की शूटिंग में देरी हुई थी। हालांकि, बेटी के जन्म के बाद दीपिका ने फिल्म के सेट पर वापसी की थी। लेकिन अब इन नई रिपोर्ट्स के मुताबिक, वो फिल्म से बाहर हो गई हैं।

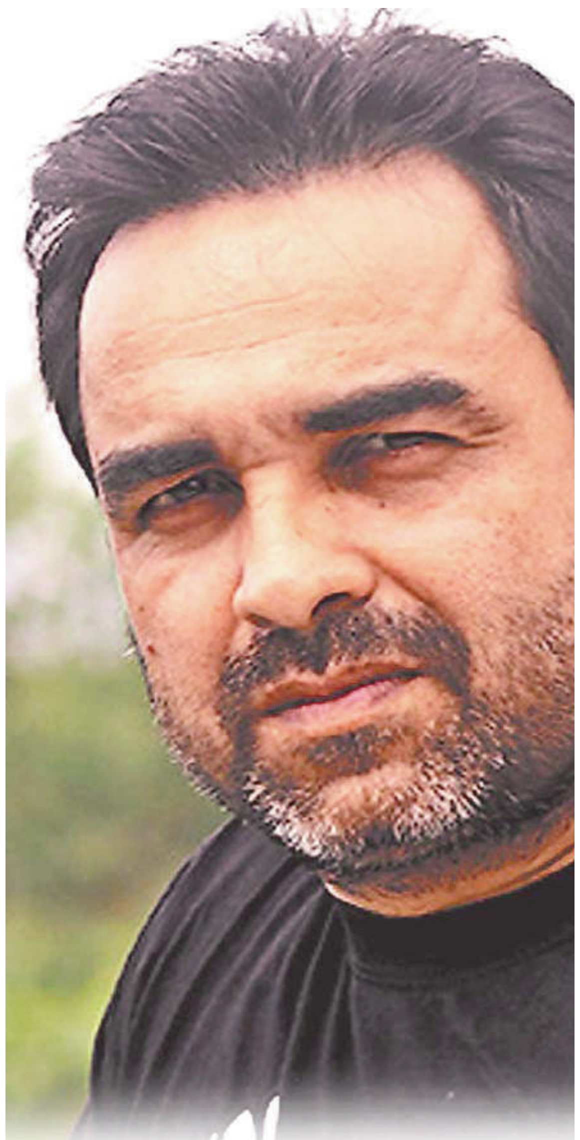

# परेश रावल की जगह बाबू भैया के किरदार में दिखेंगे पंकज त्रिपाठी?

दिग्गज अभिनेता परेश रावल के 'हेरा फेरी 3' से खुद को बाहर करने के बाद से ही उनकी जगह पर दूसरे एक्टर को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। आइकॉनिक किरदार बाबू भैया के लिए पंकज त्रिपाठी का नाम सबसे ऊपर आ रहा है। लेकिन क्या वाकई पंकज त्रिपाठी बाबू भैया की भूमिका निभाएंगे? इस पर खुद एक्टर ने अब रिएक्शन दिया है।

## पंकज त्रिपाठी ने दी प्रतिक्रिया

'बॉलीवुड हंगामा' के साथ एक इंटरव्यू के दौरान पंकज त्रिपाठी से पूछा गया कि सोशल मीडिया पर लोग उन्हें हेरा फेरी 3 में कास्ट किए जाने की बात कर रहे हैं। इस पर अभिनेता ने जवाब देते हुए कहा कि वो कभी भी खुद को परेश रावल के बराबर नहीं समझते। पंकज ने कहा, 'मैंने भी लोगों की बातें सुनी और पढ़ीं, लेकिन मैं खुद को उस किरदार के लायक नहीं मानता। परेश जी एक बेहतरीन कलाकार हैं। उनके सामने मैं कुछ भी नहीं हूं।'

## पकंज त्रिपाठी का नाम सबसे ऊपर

बता दें जहां एक ओर पंकज त्रिपाठी की कॉमिक टाइमिंग और अभिनय की तारीफ होती रही है, वहीं दर्शकों के बीच बाबू भैया का किरदार एक अलग ही भावनात्मक जुड़ाव रखता है। ऐसे में सोशल मीडिया पर फैंस परेश की जगह पकंज त्रिपाठी का ही नाम ले रहे हैं जो इस रोल को अच्छे से निभाने का दम रखते हैं।

## परेश रावल ने छोड़ी फिल्म 'हेरा फेरी 3'

परेश रावल के अचानक हेरा फेरी 3 से अलग होने की वजहों पर काफी चर्चा हो रही है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अक्षय कुमार की प्रोडक्शन कंपनी ने परेश रावल पर 25 करोड़ का दावा ठोंका है। आरोप लगाया गया है कि परेश रावल ने फिल्म साइन करने के बाद अचानक शूटिंग बीच में छोड़ दी। हालांकि, परेश रावल ने खुद सोशल मीडिया पर बयान जारी कर साफ किया कि उनके और निर्देशक प्रियदर्शन के बीच कोई क्रिएटिव मतभेद नहीं है और उन्होंने अपनी मर्जी से फिल्म छोड़ी है।

## पंकज त्रिपाठी की अपकमिंग सीरीज

फिल्म हेरा फेरी 3 को लेकर पंकज त्रिपाठी ने सीधे तौर पर ना तो हां कहा और ना ही मना किया, लेकिन वह जल्दी ही वेब सीरीज क्रिमिनल जस्टिस 4 में नजर आने वाले हैं। इस सीरीज में उनके साथ जीशान अयूब, मिता वशिष्ठ, सुरवीन चावला और श्वेता बसु प्रसाद जैसे कलाकार भी होंगे। यह शो 29 मई से जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होने वाला है।

# शंघाई इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में बतौर जूरी हिस्सा लेंगी किरण राव

27वें शंघाई इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल का आगाज अगले महीने से होने जा रहा है। इस बार इस प्रतिष्ठित फिल्म फेस्टिवल में निर्माता-निर्देशक किरण राव भी शिरकत करने वाली हैं। वे बतौर जूरी सदस्य फेस्टिवल से जुड़ेंगी। यह फेस्टिवल चीन के शंघाई में 13 जून से 22 जून 2025 तक आयोजित होने वाले हैं।

## किरण ने जताई खुशी

फेस्टिवल में बतौर जूरी सदस्य नियुक्त किए जाने पर किरण राव ने खुशी जताई है। उनका कहना है कि यह सम्मान की बात है। किरण राव के मुताबिक, अंतर्राष्ट्रीय सिनेमा और कहानी कहने को बढ़ावा देने वाले महोत्सव का हिस्सा बनना सम्मान की बात है। मैं स्क्रीन पर विभिन्न प्रकार की आवाजों और नजरियों का अनुभव करने और दुनियाभर के अपने साथी निर्णायकों के साथ जुड़ने के लिए उत्सुक हूं।

## ये दिग्गज हस्तियां होंगी शामिल

किरण वैश्विक सिनेमा की प्रतिष्ठित हस्तियों के पैनल में शामिल होंगी, जिसका नेतृत्व इतालवी निर्देशक और पटकथा लेखक ग्यूसेप टॉर्नेटोर करेंगे, जो ऑस्कर विजेता फिल्म सिनेमा पैराडाइसो के लिए जाने जाते हैं। जूरी सदस्यों में सिनेमा से जुड़ी प्रतिष्ठित हस्तियां शामिल हैं। अर्जेंटीना के फिल्म निर्माता इवान फंड, चीनी अभिनेता और निर्देशक हुआंग बो, यूनानी निर्माता थानासिस कराथनोस, चीनी निर्देशक और डॉक्यूमेंट्री फिल्म निर्माता यांग लीना और चीनी अभिनेत्री योंग मेई इस लिस्ट में हैं।

## लापता लेडीज से बटोरी वाहवाही

किरण राव के वर्क फ्रंट की बात करें तो उनके निर्देशन में बनी लापता लेडीज ने जबर्दस्त तरीके से तारीफें बटोरीं। इस फिल्म में प्रतिभा रांटा, नितांशी गोयल, छाया कदम और रवि किशन जैसे सितारे नजर आए। एक इंटरव्यू में किरण राव ने कहा कि वह इस फिल्म की वास्तविक सीमाओं से रूबरू थीं, क्योंकि इसका बजट कम था। इसमें कोई बड़े सितारे नहीं थे। इसके बावजूद उन्होंने कंटेंट और अपनी टीम पर भरोसा जताया।

# बिग बॉस 19 हुआ कन्फर्म, सलमान ही होस्ट करेंगे शो

एक्टर सलमान खान के पॉपुलर शो बिग बॉस 19 को लेकर लंबे समय से सस्पेंस बना हुआ था। कहा जा रहा था कि कलर्स टीवी और प्रोडक्शन हाउस बनीजाय एशिया के बीच अनबन के चलते इस बार शो कैंसिल हो सकता है लेकिन अब फैंस के लिए राहत की खबर है। रिपोर्ट्स के मुताबिक... बिग बॉस का 19वां सीजन अब कन्फर्म हो गया है और शो जरूर आएगा। इसे एंडेमोल शाइन इंडिया प्रोड्यूस करेगा। सबसे खास बात ये है कि इस बार भी सलमान खान ही शो को होस्ट करेंगे। बताया जा रहा है कि सलमान जून के आखिरी हफ्ते में शो के पहले प्रोमो की शूटिंग शुरू कर सकते हैं। शो जुलाई में ऑनएयर हो सकता है। हालांकि, अभी तक शो के मेकर्स की तरफ से कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं हुआ है। गौरतलब है कि इससे पहले ऐसी खबरें आई थीं कि शो के बड़े स्पॉन्सर के पीछे हटने की वजह से इसका बजट मुश्किल में आ गया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, **सुनील कुमार** द्वारा वी-22 खजूर वाली गली नम्बर-2 अरविंद नगर, घोंडा दिल्ली-110053 से प्रकाशित एवं कारे प्रिंटिंग प्रेस 574ए विजय पार्क गली नम्बर-2 मौजपुर दिल्ली-110053 से मुद्रित।
किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **सम्पादक : सुनील कुमार** RNI NO.- DELHIN/2007/22401